

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 31]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1982 (श्रावण 9, 1904)

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1982 (SRAVANA 9, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई विल्ली-110011 विनांक 26 जून 1982

म₀ ए₀ 32014/1/80-प्रणा०-II--- प्रध्यक्ष, सघ लोक मेवा श्रायोग, एनदढ़ारा प्रत्येक के श्रागे दर्शाई गई श्रवधि श्रथवा श्रागामी श्रादेशो तक, जो भी पहले हो, निम्नलिखित निय्क्तिया करते है

- (1) श्री एम० पी० बसल, सहायक नियन्नक (त० म०), श्री एम० एल० धवन उप नियन्नक (न० म०, जिन्हे 3-6-82 से 9-7-82 तक ग्रवकाण स्वीकार किया गया है, के स्थान पर 3~6-82 में 9-7-82 की श्रविध के लिए नदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप मे उप-नियनक (प्र० स०) के पद पर कार्य करगे।
- (2) श्री एम ० एम ० शर्मा ग्रधीक्षक (त० म०) उ-6-82 म 9-7-82 तक श्री एम० पी० बसल, महायक नियत्रक (त० स०) जिन्हे उप-नियत्रक (त० स०) के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान

पर तवर्थं प्राधार पर सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करेंगे।

(3) श्री जे० जे० चक्रवर्ती, भ्रन्वेषक, (ব० म०) श्री एम० एम० गर्मा प्रधीक्षक (त० म०) जिन्हें महायक नियन्नक (त० म०) के पद पर पदोन्नत किया गया है के स्थान पर 3-6-82 से 9-7-82 तक की ग्रवधि के लिए तदर्थ ग्राधार पर ग्रधीक्षक (त० स०) केपदपरस्थानापन्नरूप संकार्य करेगे।

यह नियुक्तिया पूर्णत तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर तदर्थ रूप से नियक्त किए गए व्यक्तियों को इन नियक्तियों के आधार पर वरिष्ठना श्रथवा नियमित नियुक्ति का कोई हक नही मिलेगा।

> य० रा० गांधी ग्रवर सचिव. ्रकृते ग्रध्यक्ष, सघ लोक सेवा श्रायोग

(10285)

गृह मन्त्र लय कामिक एंव प्रशासनिक सुधार विभाग (केन्द्रीय स्नन्त्रेषण ब्यूरो)

नई दिल्ली, दिनाक 7 जुलाई 1983

सं एस-161/67-प्रशासन-5—दिनाक 27 जनवरी, 1982 की समसंख्यक ग्रिश्चमूचना के रूप मे, राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद में केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में ग्रपर विधि सलाहकार श्री एस० पी० भारद्वाज जिन्होंने दिनांक 28-2-1982 को 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्न कर ली है, की सेवाएं दिनांक 1-9-1982 से दिनांक 28-2-1983 तक 6 मास के लिए और बढाते हैं।

दिनांक 8 जुलाई, 1982

सं० एस-2/65-अभासन-5-58 वर्ष की आयु प्राप्त कर नेने पर, श्री एम० रामाकृष्ण, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद दिनांक 30 जून, 1982 (अपराह्न) से सरकारी नौकरी मे मेवा निवृत्त हो गए।

सं० पी-6/67-प्रशासन-5--58 वर्ष की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री पी० एन० नम्बीसन, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रम्वेषण ब्यूरो, मद्रास दिनांक 30 जून, 1982 (श्रपराह्म) मे सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गए।

सं• 1-10/82 सी० एफ० एस० एल०/5187—राष्ट्रपति जी, अपने प्रसाद से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विस्ली में श्री पी० एस० नायर वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (श्रंगुली-विस्न) को 24-6-82 पूर्वास से अगले आवेश तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, केन्द्रीय न्याय वैद्यंक विज्ञान प्रयोग णाला में अस्थाई रूप में सहायक निदेशक (श्रंगुली-चिक्न) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जुलाई 1982

मं० ए/19036/9/82-प्रशासन-5-निदेशक/केन्द्रीय ध्रन्थे-पण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना श्रपने प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से ध्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो में तदथे ध्राधार पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

| श्रिष्ठिकारी का नाम | षा खा जिसमें पदस्थापित किया गया | तदर्थ प्रोन्नति की तिथि |
|------------------------|--|-------------------------------|
| 1 सर्वेश्वी/- | 2 | 3 |
| 1. एस० के० रतन | समन्बय | 3-4-82 (श्रपराह्न) |
| 2. स्रेन्द्रन के० नायर | तिशेष एकक | 14-6-82 |
| 3. कें० एन० सिंह | शिलीग [°] | 5-4-82 (ग्रपराह्न) |
| 4 एस० प्रमाद | मी० भ्राई० यू० (एन०मी०) | 3-4-82 |
| 5. एन० मी० झा | मा० प्र०म्कंध बम्बई | 22-5-82 |

| 1 | 2 | 3 |
|----------------|----------------------------|--------|
| सर्वेश्री | | |
| 6 ए० प्रसाद | गरना | 4-5-82 |
| 7 एम०पी० मर्मा | मी० म्राई० यू० (ई-II) । | 3-4-82 |

ग्रार० एस० नामकाल प्रणासनिक ग्रक्षिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रत्वेषण क्यूरो

कोन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 जुलाई 1982

मं० ई-38013(4)/5/82-कार्मिक---राष्ट्रपति श्री एस० एस० छित्र को 30 ग्रप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से तदर्थ ग्राधार पर प्रोन्नत करके के० ग्री० सु० ब० यूनिट एच० ग्राई० एल० रसायनी में, सहायक कमांडेंट के ल्प में नियुक्त करते हैं।

> सुरेन्द्रनाथ महानिदेशक

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० ई-29020/2/82-सा० प्रणा०-I—राष्ट्रपति, 1 जन-वरी, 1981 से श्री ग्रार० सी० निवारी को मूल रूप से के०ग्रौ० सु० व० में सहायक कमांडेन्ड के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 जुलाई, 1982

सं० ई-31013/(1)/1/82-सा० प्रणा०-1—राष्ट्रपति, श्री एन० एन० डी० कौल, सहायक कमांडेंट उ० व० प० क्षेत्र, के० औ० सु० व० नई दिल्ली को. 23 जून, 1982 के पूर्वीह्म से 31 जुलाई, 1982 (श्रपराह्म) तक सहायक महा निरीक्षक उ० व० प० क्षेत्र, नई दिल्ली के रैंक में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप मे प्रोन्नत करते हैं।

शिव राज बहादुर महानिदेशक

(भारत के महायंजीकार का कार्यालय)

.नई विस्ली-110011, दिनांक 3 जुलाई 1982

मं० 10/28/80-प्रणा०-ा—राष्ट्रपित, सांख्यिकी विभाग में कम्प्यूटर केन्द्र के प्रोग्राम सहायक/कन्सोल ग्रापरेटर, श्री बाई० डी० शर्मा को नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यान्त्रय में तारीख 19 जून, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से, नियमित आधार पर सहायक तिदेणक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियकत करते हैं।

2. श्री शर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/44/81-प्रमा० I—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित श्रिधिकारियों को, जो उनके नामों के सामने वर्षित राज्यों के जनगणना कार्य निवेशालयों में कार्यरत हैं, उन्हीं कार्यालयों में उनके समक्ष दिशित तारीखों से एक वर्ष से ग्रनिधिक श्रविधि के लिए या अब तक पंव नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविधि कम हो, प्रतिनियुक्ति पर, पूर्णतः श्रस्थाई और तवर्थ श्राधार पर सहायक निवेशक (श्राकड़े संसाधन) के पद पर सहर्थ नियुक्त करते हैं।

| क ्ष्मधकारी मा नाम सं० | कार्यालय का नाम जिसमें कार्यरत है । | नियुक्ति की तारीख | निर्घारित मुख्यालय |
|----------------------------------|---|-----------------------|--------------------|
| 1 2 | 3 | 4 | 5 |
| सर्वेश्री | | | |
| ा. पी० के० रौत | जनगणना कार्य निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेक्वर | 1-6-1982 (पूर्वाह्म) | भुवनेश्वर |
| 2 जै० थोमस मकडे | जनगणना कार्य निवेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई | 16-6-1982 (पूर्वाह्न) | सम्बई |

पी० पदमनाभ भारत के महापंजीकार

विस्त मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग क्रैक नोट मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 4 जुलाई 1982

मं भी । एन । पी । | नी | 5 | 82-- विभागीय पर्वोन्नित समिति (समूह "ब") की प्रनुशंसा के ब्राधार पर निम्निलिखत अधिकारियों की मूल नियुक्ति, उनके समक्ष दर्शीये गये पर्दों और तिथि के अनुसार की जाती है ।

| क्रम नाम् सं० | पद जिस पर स्थानापन्न रूप से नियुक्ति की गई | मूल नियुक्ति की तिथि |
|---------------------------------|---|---|
| सर्वश्री | رساط فقايل والله فالمرسوب من فقط الطبوروا الكواوب المساحد مثنا القالوا الكواوب والمرس | — — — — — — — — — — — — — — — — — — — |
| श्री० म्रार | 0 | |
| मान सिंह | सहायक म्रभियन्ता (यांत्रिक) | 27-2-81 |
| 2. एस॰ एल | , | |
| मलहोता | सहायक ग्रभियन्ता | 23-5-81 |
| • | (बातानुकूलन) | |

जे० सी० गुसाटी उप-महाप्रबन्धक भारतीय लेखा तथा परीक्षा विभाग महालेखाकार का कार्यालय (प्रथम) ग्रान्ध्र प्रवेश

हैदराबाद-500476, दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० प्रणा० I/8.132/82-83/132--श्री गुलाम याज-वानी लेखा प्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यांक्य, प्रान्ध्यप्रदेश सेवा से निवृत हुये दिनांक <math>30 जून 1982 (श्रपराह्म) ।

सं । प्रशा । [| 8.132 | 82 - 83 | 132 - श्री टी । लक्ष्मी - पति लेखा ग्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, श्रान्ध्र प्रदेश सेवा से निवृत हुये दिनांक 30-6-1982 (भपराह्म)

सं० प्रणा० I/8.132/82-83/132-- श्री बि॰ र० जयावेलु लेखा श्रीधकारी महालखाकार का कार्यांलय श्रीन्ध्रप्रदेश सेवा से निवृत हुए दिनांक 30-6-82 श्रपराह्म

सं० प्रणा० I /8.132/82-83/132--श्री म्रो० बी० नरसिंहम, लेखा मधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, म्राम्ध्र प्रदेश सेवा से निवृत हुए दिनांक 30-6-1982 (म्रपराह्म) ।

सं० प्रशा० I/8.132/82-83/132-श्री जी० जे० मान्युयल लेखा ग्रीधकारी महालेखाकार का कार्यालय ग्रांझ प्रदेश सेवा से निवृत्त हुये दिमांक 1-7-1982 (पूर्वाह्म) ।

> बी० मेसन वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय . निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तार दिल्ली-110054, दिनांक 13 जुलाई 1982

संव प्रशासन-III/ 132/23(ए)/ग्रिधियूचनाएं—निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तारं ने निम्नलिखित श्रनुभाग श्रिधिकारियों को स्था-नापन्न लेखा परीक्षा श्रिधिकारी के पद पर पदोन्नत एवं नियुक्ति करने तथा उनके सामने दर्णीय डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में श्रगले श्रादेशों तक नियुक्ति के लिए सहर्प श्राजा दे दी हैं। उनकी पदोन्नतियां तदर्थ श्राधार पर हैं तथा संशोधनाधीन है।

| ऋ० सं | ं नाम | | | डाक-तार भाखा लेखा परीक्षा कार्यालय जिसमें ग्रनुभाग ग्रधिकारी के रुप में संबद्ध हैं। | डाक-तारे शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय जहां नियुक्त किया गया । | लेखा परीक्षा ग्रधिकारी केरूप में पदोन्नत करने की तिथि |
|-------|---------------------------|---|---|--|---|---|
| 1 | 2 | | | 3 | 4 | 5 |
| ; | —————— सर्वश्री | | | | | |
| 1. | सूनील भूषण घोष | | | कलकत्ता | ''उससे नीचे नियम'' के बन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति | 1 4-9-81 पूर्वाह्म |
| 2. | विश्वर्लिंगम रामास्वामी-I | | | मद्रास | बम्बई ''उससे नीचे नियम'' | 5-10-81 पूर्वाह्न |
| 3. | श्रमिया कुमार चकावर्ती | • | | कलकना | ''उससे नीचे नियम'' के श्रन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति | 30-10-81 पूर्वाह्न |
| 4. | साहन लान-11 | | • | ल खन ऊ | जयपुर | 30-10-81 पूर्वाह्म |
| 5. | जयदेव करार | | • | कलकत्ता | ''उससे नीचे नियम के'' अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोश्नति | 22-1-82 पूर्वाह |
| 6. | मध्कर राजा राम घोके | | • | नागपुर | दिल्ली | 29-1-82 पूर्वा ह्य |
| | पी० राधा कृष्णामृति | | | हैदराबाद | बम्बई | 22-1-82 पूर्वाह्य |
| 8. | भुवन चन्द्र हजारां. | | ٠ | कलकत्ता | ''इससे नीचे नियम'' के श्रन्तर्गत प्रोफार्म पदोन्नति | ू 29-1-82 पूर्वाह्न |
| 9. | सुशील चन्द विश्वास | | | कलकत्ता | दिल्ली | 29-1-82 पूर्वाह्न |
| | बंगलौर श्री निवासन | | | मद्रास | दिल्ली | 18-2-82 पूर्वीह्न |
| 11. | ग्ररून विकास बैनर्जी | | | कलकत्ता | लखनऊ | 1 2-2-82 पूर्वाझ |
| 12. | ग्रमलेन्दु भट्टाचांर्यजी | | | कलकत्ता | शहमदाबाव | 24-2-82 पूर्वाञ्च |

केवल<u>ु श्</u>रापर उप निदेशक लेखा परीक्षा (मुख्यालय)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेंस फैक्टरियां सेवा श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनाक 6 जुलाई 1982

सं० 33/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्रफ-मरो को उप प्रबन्धक/डी०ए०डी०जी०ग्रो० एफ० के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं।

1. श्री ए० के० प्रभाकर सहायक प्रबन्धक (परखा-वधि) 30-4-82

2. श्री बी० माहा, सहायक प्रबन्धक (परखायधि) 30-4-82 सं० 34/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसर को स्थानापश्र महायक प्रबन्धक/टी० एस० श्रो० के पद्र पर उनके सामने दर्शायी गई नारीख में नियुक्त करते हैं।

1. श्री एस० बी० थाम्बुस्थामी, फोरमैन

29-4-82

दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० 32/जी/82--स्वेच्छा निवृत्ति पर श्री ग्रार० ए० कृष्णन, संयुक्त महाप्रबन्धक, एच० ई० फैक्टरी किरकी, (स्थायी प्रबन्धक) दिनांक 1 सितम्बर, 1981, ग्रपराह्म से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहंता, महायक महानिदेशक, भार्डनेस फैंक्टरिया,

सं ० 7/82/ए/ई-1--योग्य चिकित्सा ग्रधिकारी ने श्री पी० जी० गोस्वामी, मौलिक एवं स्थायी स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर को सरकारी सेवा थे स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया है तथा डी जी जो ग्रेंग एफ ने नियम 38 सी सी एस पेंगन नियमों 1972 के अन्तर्गत उन्हें असमर्थ पेंगन स्थीकृत किया है। तदनुसार, श्री गोस्थामी की तबदला पेंगन स्थापना में दिनाक 11-6-82 से की जाती है, जिस तारीख में चिकित्सा अधिकारी उन्हें आगामी मरकारी सेवा करने में स्थायी रूप में असमर्थ घोषित किया है।

> मी॰ एस॰ गौरीशकरन्, भदस्य/कार्मिक

वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

हथकरषा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1982

मं० एं०-19011/29/79-प्रशासन II (क)—-राष्ट्रपित श्री वी० कृष्णास्वामी श्रायंगर, निदेणक (प्रोसेसिंग), बुनकर सेवा केन्द्र, मद्राम, को 30 जून 1982 (श्रपराह्न) में निव-तैन की श्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृति की स्रनुमित देते हैं।

विनांक 5 जुलाई 1982

मं० ए०-1901 1/10/79-प्रणामन II(a)—-राष्ट्रपति, श्री पी० के० प्रभाकर, उप निदेशक (डिजायन), बुनकर सेवा केन्द्र बंगलीर को 30 जून, 1982 के श्रपराह्म से मरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृति की श्रनुमति देते हैं।

पी० गंकर, ग्रपर विकास ग्रायुक्त हथकरघा

कंडला मक्स व्यापार क्षेत्र प्रणासन गांधीधाम दिनांक 18 मई 1982

मं० एफ० टी॰ जैड०/प्रणासन/7/2/77—निकास ग्रायुक्त, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम-कच्छ, परीक्षक, सीमा ग्रुस्क समाकर्ता, मद्रास के स्थानायक ग्रधीक्षक श्री एस० रामनाथन, परीक्षक, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम. जिसका वर्तमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी॰-850-40-1000-ई० बी॰-40-1200 है। प्रति नियुक्ति को सामान्य शतौ पर वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 10(24)160-ई० 3 दि० 4-5-1961 के ग्राधार पर जैसा कि समय समय पर संगोधन हुआ है। दिनाक 19-4-82 को दोपहर में नियुक्ति करते हैं।

निरंजन सिह, विकास ग्रायक्त. कांडला मक्त व्यापार क्षेत्र उद्योग मंत्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-11, दिनांक 7 जुलाई 1982

मं० ए० 19018(546)/81-प्रणा० (राज०)—भारत लेदर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली मे सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) (दक्षिणी क्षेत्र) के रूप में नियुक्ति होने पर श्री के० एम० नायडू ने लघु उद्योग सेव संस्थान, मब्रास के अधीन केन्द्रीय पावुका प्रशिक्षण केन्द्र, मद्रास मे महायक निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) के अपने पद का कार्यभार 19-4-1982 (अपराह्म) से छोड़ दिया।

सी० सी० राग, उप निवेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन भनुभाग-1)

नई विल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1982

मं० प्र०-1/1(1156)—राष्ट्रपति पूर्ति निवेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में महायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड 1) श्री टी० वी० पोटे की नदर्थ नियुक्ति को दिमांक 15-4-1982 से आगामी 6 मास के लिए अथवा पद के नियमित रूप मे भरे जाने तक के लिए जो भी पहले हो, जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सोहन लाल कपूर, उप निदेशक (प्रशासन), कुले महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन अनुभाग-6)

नई विरुली, विनांक 8 जुलाई 1982

मं० प्र० 6/246(49)/57—राष्ट्रपति निरीक्षण शक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रिष्ठकारी (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, समूह ए के ग्रेड-III की इंजीनियरी णाखा) श्री एन० एन० भादुई। को विनाक 26 मई, 1982 के पूर्वाह्न में ग्रीर ग्रागामी प्रादेणों के जारी होने तक उसी कार्यालय, कलकत्ता में उपनिवेशक निरीक्षण (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह-ए के ग्रेड-II) इंजीनियरी शाखा) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एन० एन० भादुड़ी की तदर्थ स्राधार पर नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं मिलेगा श्रौर तदर्थ ग्राधार पर की गई संवा ग्रेड में वरीयता श्रौर पदोझित तथा स्थाईकरण की पावता के लिए नहीं गिनी जायेगीं।

> सोहन लाल कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

श्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1982

स० 29 6 81-एस० २--महानिवेशक, ग्राकाणवाणी, एतब्दारा श्री जे० चक्रवर्ती को ग्राकाणवाणी सिल्बर में दिनांक 24-5-1982 (पूर्वाह्म) में फार्म रेडियो ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 29/7/81-एस-2----महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री भागचन्द पवार का ग्राकाशवाणी मूरतगढ़ में दिनांक 14-4-1982 (पूर्वाह्न) में फार्म रेडियो ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० वी० सेषाद्रि, उप निदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० ए० 19012/4/79-भण्डार-I—राष्ट्रपति ने चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास के सहायक डिपो मैनेजर श्री पी० के० गृह को 5 मई, 1982 पूर्वीक्ष से श्रागामी श्रादेशो तक तीन महीने की अर्वाध के लिये चिकित्सा सामग्री भण्डार, करनाल में डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 8 जुलाई 1982

संव एवं 12025/13 78 (एनव्टीव् आईव्) एडिमन I— राष्ट्रीय मंचारी रोग मंस्थान, दिल्ली में पशु चिकित्सा (बर्टार-नरी) अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने पर डाव् टण्डन ने 13 मई, 1982 अपराह्म से राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बगलौर में पशुचिकित्सक के पद का कार्य-भार छोड़ दिया !

> टी० सी० जैन, उप निवेशक प्रशासन (स्रो० एण्ड एम०)

रेल मजालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1982 मार्वजनिक ग्राधिसुचना

म० 82/ग्राए० ई०/161/6--- उत्तर रेलवे क निम्न-लिखित खंडो पर स्थित रेलवे लाइनो ग्रीर परिसरो के सभा उपयोगकर्ताओं को समान्य सूचना क लिए यह ग्रीधसूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे के निम्नलिखित खंडों पर उनके सामने उल्लिखिन नारीख को 25000 बोल्ट, 50 साइकिन ए० सा० शिरोपि कर्षण तारो में बिजला चालू कर दी गई है। इस तारीख को तथा उसके बाद इस शिरोपि कर्षण तारों को सदा "बिजलीयुक्त" माना जायेगा तथा किसी भी अनिधकृत व्यक्ति को इन शिरोपि लाइनों के पास आमे या उन पर काई काम करने का सर्वथा मनाहा रहेगा।

| खंड | दिनां क |
|------------------------------|-------------------|
| निजामुद्दीन—चाणक्यपुरी | 14-6-82 |
| चाणक्यपुर्रापटेल नगर | 1 5 -6-8 2 |
| पटेल नगरसदर बाजार | 30-6-82 |
| नई दिल्लीतिलक ब्रिजनिजामुई(न | <u> </u> |

हिम्मत सिंह, सुचिव, रेलवे वीर्ड

भाभा परमाणु म्रनुसधान केंद्र

कार्मिक प्रभाग

बंबई 400 085, दिनाक 9 जुलाई 1982

म० पी० ए० 15(1)/77-ग्रार-4/678--निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री राधे ण्याम उपाध्याय को निक अधिकारी/इजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केद्र के प्रभाग/अनुभाग बी० पी० पी० परियोजना मे दिनाक 29 जून, 1982 पूर्वाद्व में अग्रिम आदेशों तक ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० मी० पाल. उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनयरिंग प्रभाग बम्बई 5, दिनांक 2 जुलाई 1982

म० वि० प्रा० इ० प्र०/32(20)/82-प्रशासन/पी० [[—काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य प्रशासन श्रधिकारी, एक स्थायी लेखापाल एव स्थानापक्ष सहायक लेखा श्रधिकारी श्री बी० एम० गणावा को काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना में लेखा श्रधिकारी-II के पद पर स्थानापक्ष रूप से ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर मई 3, 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेण जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1982

स० वि० प्रा० इ० प्र०/3(283)/82-स्थापना-1/9110--निदेशक, विद्युत प्रायोजना इजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्छारा भाभा परमाणु अनुसद्यान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी
निपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी०
वासू को जून 21, 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी ग्रावेश जारी
होने तक इसी प्रभाग में सहायक लेखा श्रिधकारी के पद पर

वर्ध आधार पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह ायुक्ति श्री एस० श्रार० श्रार० राव के स्थान पर की ा रही है जिनकी पदोन्नति हुई है।

ग० वि० पार् पर्पर (१९३)/१। स्थापना ।/ ९। ७७० त्रेणक, बिद्युत प्रायोजना इजिनियरिंग प्रभाग, ब्रम्बई एतद्-रा अय तथा भण्डार निद्यालय के स्थायी उच्च श्रेणी रिषक तथा स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री बी० बी० वित को जून 25, 1982 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेण रिहोने तक के लिए इस प्रभाग में सहायक लेखा श्रिषकारी पद पर नदर्थ श्राधार पर ६० 650-30-740-35-880-० रो०-40-960 के वेतनमान पर श्रम्थायी रूप से नियुक्त रने हैं।

> श्रार० व्हि० बाजपेयी, सामान्य प्रशासन श्रधिकारी

क्रय म्रोर भण्डार निदेशालय बम्बर्ड-400001, दिनाक 5 जुलाई 1982

म० ऋ० भिनि०/ 23/ 3/79-स्थापना/ 15043—पराणु ऊर्जा विभाग के ऋय ग्रीर भड़ार निदेशालय के निदेशक
सहायक भंडार प्रधिकारी श्री के० चन्द्रशेखरन की भड़ार
भिकारी के रूप में पदोक्सित हो जाने पर भंडारी श्री नीलठ बाबूराव नाडकर्णी को रुपये 650-30-740-35-810० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन
म में नवर्थ श्राधार पर इसी निदेशालय में 15 मई 1982
पूर्वाह्म) से 15 जन 1982 (पूर्वाह्म) तक के लिए
यानापन्न सहायक भंडार श्रीधकारी नियुक्त किया है।

मं० ऋ० भनि० | 23 | 3 | 79-स्थापना | 15049---परमाणु जि विभाग के ऋय और भड़ार निदेशालय के निदेशक ने हायक भंडार श्रिधकारी श्री जान वरीद की छुट्टी मजूर हमें जाने पर भंडारी श्री का० इ० जॉर्ज को रुपये 650-10-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 के बेनन ऋम मे नदर्थ श्राधार पर 30 श्रप्रैल, 982 (पूर्वाह्म) से 11 जून, 1982 (ग्रपराह्म) नक के ए इसी निदेशालय मे स्थानापन्न सहायक भड़ार श्रिधकारी स्यस्त किया है ।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक श्रधिकारी

बम्बई-400001, दिनाक 6 जलाई 1982

मं० ऋ० भित् 2/15/80-म्थापना/15048—परमाणु जि विभाग के ऋय और भड़ार निदेशालय के निदेशक स्थायी भंडारी श्री पा० की० राधाकृष्णन को रूपये 50-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० ।०-40-1200 के वेतन ऋम मे डमी निदेशालय मे तदर्थ ।धार पर 28 दिसम्बर, 1981 पूर्वाह्न से 30 ग्राप्रैन, 1982 ग्रापराह्म) तक के लिए स्थानापन्न रूप मे ग्रीर 1 मई,

1982 (पूर्वाह्न) से भ्रन्य भ्रादेशों तक के लिए नियमित रूप से महायक भंडार ग्रधिकारी नियुक्त किया है।

> पी० जोसफ, प्रणासन <mark>प्र</mark>धिकारी

(भारा पाना सयस्र)

तृतीकोरिन-628007, दिनाक 17 ग्रप्रैल, 1982

प्रकरण

सदर्भ भाषासंतू/स्था०/ह-4/तूती०/को०/636---भारी पानी संयन्त्र तूतीकोरिन के ग्र**ौद्योगि**क स्थापना के श्री ए० **ग्रार**० हरिहरन, ग्रस्थायी कारीगर 'सी' की 15 जून, 1981 से 14 प्रगस्त, 1981 तक छुट्टी स्वीकृत की गई थी । प्रगस्त 7, 1981 को हरिहरन ने एक तार द्वारा अपनी छुट्टी 31 ग्रक्ट्बर, 81 तक बढ़ाने का निवेदन किया। 17-8-81 को तार द्वारा श्री हरिहरन को सूचित किया गया कि उसकी छुट्टी मजूर नहीं की गई है, ग्रंत तुरन्त ड्यूटी पर हाजिर हों। श्री हरिहरन 14-8-81 तक स्वीकृत खुट्टी के उपरान्त ड्यूटी पर हाजिर नहीं हुए । जब श्री हरिहरन स्वीकृत छुट्टी 14-8-81 के उपरान्त इयुटी पर हाजिर नहीं हुए तो 14-8-81 म श्रनधिकृत रूप से गैरहाजिर रहने के लिए उन्हें केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण एवं ग्रपील) नियम 1965 के उप नियम 14 के भ्रन्तर्गत ज्ञापन म० भाषासंतू/स्था० g-4/9026, दिनांक 18 सितम्बर, 81 को भ्रारोप पद दिया गया । केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीरकण नियन्त्रण एव ग्रपील) नियम 1965 के उप नियम 14 के भ्रन्तर्गत जाच की गई । श्रीर जाच ग्रधिकारी ने श्रपनी रिपोर्ट 12-11-81 को प्रस्तुत की, जिस मे उन्होंने कहा कि श्री हरिहरन 15-8-81 से प्रनिधकृत रूप से गैर हाजिर रहे भीर उन्होंने केन्द्रीय मिविल नियम (चरित्र) 1964 के उपनियम उ (i) (iii) का उल्लंघन किया है। जिस के धनुमार सर-कारी कर्मचारी को सम्पूर्ण समय मे कोई ऐसा कार्य नही करना चाहिए जिससे वह भरकारी कर्मचारी न रहे। किन्तु इस से यह सिद्ध होता है कि इन्होंने ऐसा किया है । मैं जाच प्रधि-कारी के निष्कर्ष में महमत हं। एक सरकारी कर्मचारी का न्त्रयं इस प्रकार गैर हाजिर रहना, किसी भी प्रकार यह सिद्ध नहीं करना कि वे भ्रपने कर्त्तंब्य के प्रति किमी भी स्तर पर निष्ठावान है। प्रकरण के सब पहलुक्रो पर विचार करने के उपरास्त मैं इस निष्कर्ष पर पहचा ह कि श्री हरिहरन मेवा में प्रतिधारण करने योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं।

भ्रा/देश

श्रव, श्रव, केन्द्रीय निधिल मेवा (वर्गीकरण, नियन्क्षण एवं श्रपील) नियम 1965 के उप नियम 12 (2) (व) के श्रन्तर्गत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, मैं इसके द्वारा श्रादेश देता हू कि उक्त श्री ए० ग्रार० हरिहरन को तुरन्त सेवासे बर्खास्क कर दिया जाय।

> सी० बी० रामामूर्ति कार्य प्रबंधक

प्रतिलिपि पेपित

श्री ए० ग्रार० हरिहरन, 32 एए, प्राइवेट लेन, नेग्ररमैन मुसुरामियर रोड, महुराई-9.।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनाक 8 जुलाई 1982

स० ए०-39012/6/81-ई० सी०--राष्ट्रपति ने वैमा-निक संचार स्टेशन, गया एयरपोर्ट, गया के कार्यालय के श्री ए० के० सरकार, तकनीकी श्रधिकारी का दिनांक 30-9-81 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से त्यागपत मंजूर कर लिया है।

> प्रेम चन्द, सहायक निदेशक प्रणामन

केन्द्रीय उत्पाद शुस्क समाहर्तालय, कानपूर, विनांक 8 ज्लाई 1982

सं० 2/1982—निम्निलिखत कार्यालय प्रधीक्षको, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रशासनिक प्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा प्रधिकारी/लेखा परीक्षक वर्ग 'ख' वेतनमान मे रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर पदोन्निति होने पर प्रणासनिक प्रधिकारी/लेखा परीक्षक/केन्द्रीय उत्पाद शुरुक वर्ग 'ख' के पद का कार्य-भार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा तारीख की ग्रहण क्या ।

| क्रम नाम सं० | स्थान का नाम जहां पर पदोन्नति पर कार्यभारग्रहण किया | कार्यभार ग्रहण करने की तारीख |
|---------------------|---|------------------------------------|
| 1 2 | 2 | 4 |
| मर्व श्री | | |
| 1 य० ग्रार० सेन | लेखा परीक्षक, मृख्यालय कानपुर | 30-4-81 पू० |
| 2 राधे ग्याम सिन्हा | लेखा परीक्षक मुख्यालय कॉनपुर | 29-8-81 पू० |
| 3 एम०के०बद्रा | प्रणामनिक ग्रधिकारी मुख्यालय कानपुर | 13-4-82 ∮ पू० |
| 4 ए० के० कार | प्रणामनिक ग्रधिकारी, कानपुर डिबीजन ^{II} | 2 4- 4- 8 2 स्रप० |

सं० 3/1982—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित वर्ग 'ख' प्रधिकारी प्रधिवर्णता की ग्रायु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गयी शारीख से सरकारी सेवा मे सेवा निवृत्त हो गये ----

| क्रम म० क्रिधिकारी का नाम व पद | |
|--|-----------------------------------|
| 1 2 | 3 |
| यर्वश्री | |
| ग जी० डी० सित्तः भ्रधीक्षकः, वर्ग 'ख' गोला रज, सीतापुर डिवीजन | 31-8-81 |
| 2 हिर बाबू शर्मा, ग्राधीक्षक वर्ग 'ख' मख्यालय कानपुर | भ्रपरान्ह् 31-10-81 |
| Ç | भ्रपरान्ह |
| 3 डी० डी० जैन, ग्रधीक्षक वर्ग"ख" बरेली डिवीजन | 30-11-81 भ्रपराम्ह |
| के० के० चतुर्वेदी, प्रधीक्षक वर्ग खेँ कीयम- गज, फर्रखाबाद डिबीजन | 31-12-81 |
| • | श्र <u>परास्</u> ह् |
| 5 जे० के० दुरैया, प्रधीक्षक वर्ग 'ख' गुर- महायगंज, फर्रूखाबाद डिवीजन | 31-12-81 श्रपरान्ह |
| 6 डी० एन० चतुर्वेदी, श्रधीक्षक वर्ग 'ख' फर्रूल्याबाद डिवीजन | 31-1-82 अपरान्ह |
| एस० एन० मरवाह, ग्रधीक्षक वर्ग 'ख' लखीमपुर रेंज, सीतापुर डिवीजन | 31-1-82 स्रवरान्ध |
| एभ० एन० खन्ना, ग्रधीक्षक वर्ग 'ख' अरेली डिवीजन | 28-2-82 |
| | श्रपरान्ह |
| जे० एस० सक्सेना, ग्रद्यक्षिक वर्ग 'ख' मुख्या- लय, कानपुर | 31-3-82 |
| 10. जे० एन० तिवारी, ग्रधीक्षक वर्ग 'ख' कानपुर डिवीजन-I | 31-3-82 श्रपरान्ह |
| 11 एम० के० बता, प्रणासनिक श्रिधिकारी, मुख्यालय, कानपुर। | 30-4-82 ग्रपरान्ह |
| जे ० | राम क्रुडणन, समा ह र्ता |

केम्ब्रीय जल आयीग

नई दिल्ली-66, विनांक 6 जुलाई 1982

मं० ए० 19012/988/82-स्था० पांच-- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री विश्वपति वामु, पर्यवेक्षक की श्रीक्षित्वत्त सहायक हंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 23 मार्च, 1982 की पूर्वाह्म से छः महीने की श्रवधि तक श्रथवा पर को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी एवं तद्वर्ष श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/998/82-स्था० पांच--ग्राध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्रीमिति जे० प्रसन्ता कुमारी को ग्रातिरिक्त सहा-यक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेंड में के० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वैभनमान में 17 मई, 1982 की पूर्वाह्म से छः महीने को भ्रवधि के लिए श्रथमा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर नियक्त करते है।

मेहंगा राम, श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग प्ररूप बाह्र . टी . एन . एस . ५----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, रोहनक

रोहतक, दिनाक 16 जून 1982

निदेश स० जगाधरी/62/81-82—यत, मुझे, गो० से० गोपाल

यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके स्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि । वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज्यधिक हैं

गौर जिसकी म० नं० 5-82 है तथा जो शिवाजी पार्क, यमुना गगर में स्थित हैं (ग्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर एप के रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यान्य, जगाधरों में रिजस्ट्रोक्टरण ग्रिधिनियम, 1908 1908 वा 16) के श्रधीन तारीख शक्तुकर 1981

े पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने न कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दाने क अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

नत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, नाधीत '---

(।) पुजारक्ष पत्ना भाषात्र वास, स्थामित निर्मा देवी निर्णादिन पटवापुर, विस्ता देवा पत्नी प्रेस प्रवाण निर्णादिन पटवापुर, विस्ता देवा पत्नी प्रेस प्रवाण निर्णादिन पत्नी देवी पत्नी जगदाण लाल, निहाल देवी निर्णादिन एस के कि भारती ने स्था के स्था के

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राज पाल संठिया पुत्र सुन्मं, राम मेठिया म० त० 5-82, शिकाओं पार्क यमुना नगर। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि क्यों भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में-किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूस्ची

सम्पत्ति म० न० 5-82 णिवाजी पार्क, यमुनानगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्राकर्ता के कार्यालय, जगाधरा में, रिनस्ट्रा सल्या 1312 दिनाक 15-10-81 पर दिया है।

> गो० मि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, रोहतक

न(र₁ख 16-6-1982 मोहर प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, रोहतक

राहेनक, विनाक 16 जून 1982

निदेश मं० जगाधरी/65/81-82--यनः, मुझे, गों० सि० गोपाल

आग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकीरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका में० नं० -507 जैसिको कालोना है तथा जो जगाधरा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या में कणित है) रिजस्टाकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय, जगा-धरा में रिजस्टाकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ताराख श्रक्तवर 1982

को पूर्वीक्त संपरित के द्विषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके रुख्यमान प्रतिफल से, एसे रुक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रा मदन लाल पुत्र श्रो गुरिक्ता मल नि० जैसिको कालोदो, जारोदा गेट, जगाधरो

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित लाजवन्ता देवी पत्नी सोम प्रकाश म० नं० 507, जिमको कालोनी, जगाधरी

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितंब्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह⁷।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 507 जैसिको कालोनी, जगाधरी में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी मे, रजिस्ट्री संख्या 4158 दिनांक 8-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 16-6-1982

मोहर:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दूनरन मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रकृष बाह्र दी वृत् पृत् पुन्-----

मायकर म्थिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य , सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 16 जूम 1982

निवेश स० जगाधरी/63/81-82---यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी म० नं० 536-एल है तथा जो माइल टाउन, यमुनानगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीक धक्तवर 1981

को चूर्वोक्त सम्पृत्ति के अधित बाबार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंबह प्रतिवात से अधिक है और अंत्रक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि-फल, निम्निलिखित उद्विध्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जुनारण से हुन्दं किसी जाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्युरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सविधा के लिए;

जतः अस, उसत सीधींगयम की भारा 269-गृष्टे जनुतरण मों, मीं, उसत सीधींगयम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ह---

- (1) श्री वैद प्रकाश चोपड़ा बुद्ध श्री राजा राम चोपड़ा, मि॰ 636-एल माडल दाउन, यमुभानगर
 - (धन्सरक)
- (2) श्री जसपाल सिष्ठ पुत्र श्री मोहिन्दर सिष्ठ, म० नं० 536-एल, माडल टाउन, यमुनानगर। (श्रम्सरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क)) इस्त स्थाना के राज्यम में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितवकूथ जिल्ली अन्य क्यक्ति इवारा अथोहस्ताकर्री के पास लिजित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त सन्धां अते वस्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति मनामं नं० 536.एल माडल टाउन, यमुनामगार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 4273, दिनांक 12-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्राजैन रेंज, रोहतक

तारीज: 16-6-1982

मोहरः

प्रकप मार्ड- टी- एन- एस-----

कार्यकड ज्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निट्रीकण)

मर्जन रेंज, रोहराक

रोहतक, विनांक 16 जून 1982

निदेश सं० ग्रम्थाला/41/81—82—यतः मुझे, गो० सि० पाल

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाख 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- दुर से अधिक है

भौर जिसकी म० नं० 316, महेश नगर है तथा जो भ्रम्याला छावनी में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रष्ठिकारी के कार्यालय, भ्रम्याला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 | (1908 का 16) के अधीन तारीख भक्तवर 1981

ं सी पूर्णोक्त सम्पति के उपित बाजार मूक्य से कम के वृत्तमान प्रतिकाल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके वृत्त्यमान प्रतिकल से ऐसे धृत्यमान प्रतिक्षल का पन्धह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर बन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तबिक क्यं-में कविन नहीं किया गया है ।→-

- (क) नृत्यरण वे हुई कियी बाद की बावछ, वयस अभिनियब के सभीन कर बोने के अन्तरक के वाजित्य में कनी कड़ने वा अवसे वचने में तृतिभा के निए; वृद्धि/वा
- (व) ऐसी किसी नाम या भन या नन्न नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर नौधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुन्याओं है लिए;

मतः नवः, उत्ततं निर्धातव्यमं की धार्य 269-मं के अनुवर्ष में, नी, उत्ततं निर्धानमंत्रं की धारा 269-मं की वर्षभारा (1) के नुधीन [नुम्नसिचित् म्योजस्तु] स्वति #--- (1) श्री जिलोक चन्द पुत्र होशियार सिंह नि॰ 18 बी, महिश नगर, श्रम्बाला छावनी।

(भ्रसरक)

(2) श्रीमति करूंणा वालिया पत्नी श्री मनोहर [वालिया, म० नं० 316, महेश नगर, ग्रम्बाला छावनी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चा<u>री</u> करके पृशाँकत सम्परित के शर्पन को जिस् कार्यवाडियां करता हो।

क्ष्मत् बुज्युत्ति में अर्थन् के सम्मन्ध में कोई भी माक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा वे 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की सबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्यारा;
- (क) इस न्यमा के राषप्त में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-वयुभ किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अभाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त बच्चों और वदों का, जो उक्क विधिनयम, के वध्यान 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया नवाहीं।

वनवनी

सम्पत्ति मकान नं० 316, महेण नगर, श्रम्बाला कैन्ट में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, श्रम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 4014, दिनांक 29-10-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोहसक

तारीज 16-6-1982 मोहर:∦ प्रकृष आहे. टी: एन . एस . -----

ग्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

मर्जन रेज, राहतक

रोहतक, दिनाक 16 जून 1982

निदेश स॰ ग्रम्बाला /50/81-82--यत , मुँझे, गो० सि॰ गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० न० 90, कैलामनगर है तथा जो माडल टाउन, ग्रम्बाला शहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख ग्रस्तुवर 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का सिन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: सौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

जतः मत्र, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग मे, बनुसरण मे, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) को अभीन निम्निलिखिल व्यक्तियाँ अभीत् —— (1) श्री गुरनाम सिह पुत्र पूरण सिह, नि० कैलाश नगर, माइल टाउन, अम्बाला शहर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भगवान सिंह पुत्र श्री गोभा सिंह म० न० 90, कैलाण नगर, माडल टाउन, श्रम्बाला गहर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , अके और अविध बाद में समाप्रस्थानित की, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पिषा अधिनियम के अध्याय 20-क म पार्माभव हु⁴, वहीं अर्थ होगा, ज्यों उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

'सम्पंक्ति में नं नं 90 कैंशाश नगर, मार्डल टाउन, ग्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय, ग्रम्बाला में, रजिस्द्री सख्या 3703 दिनांक 7-10-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, रोहनक

तिप्रिखि 16-6-1982 मोहर

प्ररूप आई टी एकं एस -------

आ कर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, रोहलक

रोहतक, दिमाक 16 जून 1982

निदेश स० श्रम्बाला/42/81-82—यत , मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजान मृत्य 25.000/ रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी म० न० 1428 है तथा जो बार्ड न० 6 अस्थाला भहर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, श्रमुबाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख अन्तुवंद 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हप गरिशत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, 27 भव-कर अधिनियम, 27 भव-कर अधिनियम, 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा क' लिए,

अत अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तिया, अर्थात ---- (1) श्रीमित श्रमर देवी, श्री बवरी प्रसाद नि० ग्रम्बाला शहर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जवाहर लाल पुत्र श्री माती लाल म० न० 1428 वॉर्ड न० 6 श्रम्खाला शहर

(ग्रन्सिरिती)

को यह सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के** लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविकत्यों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (व) इस सूचना का राजधन में प्रकाशन की तारीब के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पाम निवित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

सम्पत्ति मकान न० 1428 शार्ड नं० 6 श्रम्बाला शहर मे स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, श्रम्भाला मे रिजस्ट्री सक्ष्या 3982 दिनाक 26-1082 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज रोहसक

तारीख 16-6-1982 मोहर प्ररूप आइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत स्णाना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयक्तर कार्युक्त (निर्देशिका)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० ग्रम्बाला /44/81-82---यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि भारा 269-स के अधीम सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी म० नं० 5088-वार्ड-3/12 12-वी-III है तथा जो धम्बाला शहर में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1981

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिकृत से विभिक्त है बाँड जम्तरक (विद्यूकों) और खेत्रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई रिक्ती नाय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की शाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों की, जिल्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्निणिसित अधिनत्यों, नर्थोत् :---

(1) सर्वेश्री निर्मेलं कुमार, कोमल कुमार, ग्रनिल कुमार पुत्रान श्री कमला बन्ती विश्ववा श्री धर्म प्रकाश, श्रीमति रीता जैन पत्नी श्री निर्मल कुमार नि॰ बी॰-328/1, शाम सिंह रीड, मिबिल लाइन्म, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित जिशला जैन पत्नी श्री सुशील कुमार नि॰ 5088/3, ग्रम्याला शहर

(श्रन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को कर्जन को लिए कार्यमाहियों करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में अप्रेर्ड भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की नगींथ या ग्रेस्ट्राचन्थी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी नगींथ गर्द में समाप्त होती हो, के भीतर पृणींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुनारा;
- (क) इत् स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवह्थ किसी जन्य अपनित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् निवित में किए वा सर्वेगे ।

रनक्षीक पंजः -- इसमें प्रवृक्त कक्षों भृरि पर्यों का, को उनत् विश्वित्रमा, को बध्यायं 20-का में परिभाषित् हाँ, बहुी वर्ष होगा की उन्न अध्याय में दिवा नृषा हाँ।

नगुज्यी

सम्पत्ति म० नं० 5088, वार्ड नं० 3/1212 बी-गाँग भ्रम्बाला महर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, भ्रम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 3958 विनांक 23-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्तम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (विरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहनक

तारीख 16-6-1982 मोहर: प्रख्य आइं.टी.एन:एस.------

प्रायकर प्रधिनिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, महायवः आयकार अयक्तः (निरीक्षण)

ग्राजन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जुन 1982

निदेश सं० ग्रम्बाला / 46/81-82---यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

पायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इस में इस के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2,69-ज के प्रधीत सजय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४५ए से प्रधिक है

भीर जिसकी में नं एं एम सीं | 606 | 3-बी | 2, है तथा जो माडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन प्रक्त्वर 1981 के अधीन प्रक्त्वर 1981 के अधीन प्रक्त्वर 1981 के जिल्ला सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिगत से प्रधिक है और प्रकार (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीं व ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किया नहीं किया गया है:---

- (क, प्रन्तरक १ हुई किसा धाम को बाबत, उक्त ध्रिध-तियम के प्रधीत कर देने के ध्रश्तरक के बायित्व में गर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ध्रीर/या।
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अभ्य भास्तयों को जिन्हें भास्तीय भाय-कर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधित्यम, या धन-कर प्रधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिशिनयम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 9—176GI/8?

- (1) श्री विजय कुमार लाम्बा पुत्र मुल**ख** राज नि० कैलाण नगर, माइन लाउन, ग्रम्बाला गहर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विजय नारायण दास पुत्र राम रूप, शकुन्तला पत्नी श्री विजय नारायण म० न० 606/ए० एम० मी०/3, कैलाश तगर प्राचाला शहर । (अन्तरिती)

को य**ह** सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लि**ए कार्यवाहियां करता है**।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कार्ष्ट्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकामन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी अपितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस सूचना के राजपन्न से प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्तांकारी के पाय लिखिन में किए जा सकोंगे।

हर6ड(करण:---इसमें प्रयुक्त अन्यां ग्रीर पदो का, जो उका अधि-नियम के अध्याय 20-क ने परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गर्थ है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० ए० एम० मी०/606/3-बी/2, माडल टाउन, श्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका श्रधिक विघरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, श्रम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 3817 दिनांक 15-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख 18-6-1982 मोहर प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 जून 1982

निवेश सं० भ्रम्बाला/48/81-82—यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी म० नं० 205 है तथा जो माडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रमनुबर 1981

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उप्योच्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिक रूप से किथत महीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त जिमिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा से लिए; जीर/वा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपभारा (१) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भी सांई वास खन्ना पुत्र हरि भन्द नि॰ सी॰-529, सरस्वती बिहार, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरबन्स लाल नाम्बा पुत्र मूल राज, देवेन्द्रकुमार पुत्र हरबन्स लाल नि० 324-बी, माङल टाउन, श्रम्बाला शहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पुर्वोचित सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनता सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध नो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में क्रकावन की तारी के की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति के हिंदे ब्रिंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नम्सूची

सम्पत्ति मं० नं० 205, माङल टाउन, ग्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका ग्रधिक निवरण रजिस्ट्रीकर्सा के कार्या-लय, ग्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3710 दिनांक 6-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सह्मयक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982 मोहर:

प्रकार बार्ड. टी. एन्. एस.-

भ्रायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269**प**(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोह्रतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० सोनोपत/83/81-82--यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षक अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से बाधिक है धौर जिसकी सं० भूमि 73 कनाल 17 मरले है तथा जो किसीरा में स्थित है (शौर इसमे उपाबढ अनुसूधी में शौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रवनुवर 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उश्वत बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षण से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रण का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्क के लिए सय पाया गया प्रतिक्षण का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क मिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अध्य मास्तियों की, जिन्हे मारतीय बायकर मितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जामा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिए;

अतः, अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अभूतरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269क्ष की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- (1) श्रीमती बरकी विधवा कंवल सिंह, इन्दर सिंह, महेंन्द्र सिंह, हुकम चन्द एवम् श्रीमती सतबीरों, शेर सिंह पुत्र फूल सिंह, गांव किशोरा ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री हरीश कपूर, सतीश कपूर, श्रारुण कपूर पुत्रान श्री देस राज नि० मी०-12, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजँन के खिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षी:---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पब्ही करण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस शब्दाय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 73 कनाल 17 मरले गांव किशोरा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 3189, दिनाक 17-10-81 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारी**ख** 1**8**-6-1982 मोहर: प्रस्य पाई० टीं० एन० एस०----

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की घारा 26%-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 जून 1982

निदेश सं० गुड़गावां/78/81-82-यत , मुझे, गो० सि० गोपाल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया है की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अभिक है

भौर जिसकी मं० नं० 1375, सेक्टर नं० 4, धर्मन एस्टेट हैं तथा जो गुड़गावां में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय, गुड़गावां में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भक्तुबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स्विक है धौर धन्तरिक (धन्तरिकों) भौर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य मे उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने तुई किसी भाय की बाबन उक्त संधि-नियम, के संधीन कर देने के संस्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या भ्रतकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविका के लिए।

अतः अंग उक्त अधिनियम की धारा 269 गं के अनुसरणं में, में, जक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित्त व्यक्तियों मध्ति:-- (1) श्री हरबन्स लाल साहनी पुत्र श्री कान्ता राम साहनी टी-452, बलजीत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुलख राज मार्फत श्री श्राणा नन्द म० न'० 105-म्रार, न्यू कालोनी, गुष्टगार्वो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होली हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण .--इसमें प्रवृक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त अछि नियम के अध्याय 20-के में पैरिकाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

सम्पत्ति म० न० 1375 संक्टर न० 4, अर्थन एस्टट, गुड़गावां में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गावां में. रजिस्ट्री संख्या 2840 दिनांक 6-10-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 18-6-1982

प्ररूप आद्दं.टी.एन एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्भन रेज, रोहनक

रोहतक, दिनाक 18 जून 1982

निदेश म० गुन्गावा/128/81-82--यत मुझे, गो० मि० गोपाल

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी कोठी न० 2 का 1/2 भाग है तथा जो न्यू कालोनी, गृडगावा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रक्तूबर 1981

का पृतिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा को सिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने मे स्विभा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, पी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—— (1) श्री विलोचन सिंह पुत्र सुजान सिंह, न्यू कालोनी, गुडगावा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजन सूटा पुत्र जय दयाल सूटा, कोठी न० 2, न्यू कालोनी, गुडगावा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त रूणवर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों कां, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्ची

सम्पक्ति कोठी न० 2 का 1/2 भाग, न्यू कालोनी, गुडगाबा मे स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगावा मे, रजिस्ट्री सख्या 3059 दिनाक 26-10-81 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख 18-6-1982 मोहर प्रकृप आइरं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहसक

रोहतक, दिमांक 18 जुन 1982

निदेश स० बल्लभगङ्/ 500/81-82—यतः. मुझे, गो० सि० गोपाल

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छकत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसका म० नं० 117 है तथा जो चावला कालोनी, बस्लभगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तवर 1981

को पृत्रों कर संपरित के जीवत बाजार मृख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपति का जीवत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जवाहर लाल पुत्र हरद्वारी लाल नि० दयालपुर त० खुर्जो (४० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिति प्रेमवती पत्नी श्री बिहारी लाल पुत्र हीरा लाल नि० गांव धौज श्रव म० न० 117, चावला कालोनी, बल्लभगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीः के नार सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० 117, चावला कालोनी, बल्लभगढ़ में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, राजिस्ट्री संख्या 9805 दिनांक 1-10-81 पर दिया हैं।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहनक

नारीख 18-6-1982 मोहर:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत १---

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/501/81-82—यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी दुकान नजदीक जानकी धर्मशाला है तथा जो बल्लभगढ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभ-गढ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर 1981

कारे. पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उमके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्: (1) श्री शिवजी राम पुत्र श्री माधो राम 10/8, गली सुभाष नन्द, देहली-32।

(ग्रन्तरक)

(?) श्री शाम लाल पुत्र किशन लाल, बाजार ऊंचा गांव बल्लभगढ़ प्रबं ग० नं० 211, बार्ड नं० 6, गली न० 3, बल्लभगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वाक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति दुकान जानकी धर्मणाला के निकट बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, वल्लभगढ़ में, रिजस्ट्री संख्या 10014 दिनांक 6-10-81 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

सारीख 18-6-1982 मोहर : प्रक्प काइ .टी. एन्. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 18 जुन 1982

्र निदेश सं० बल्लभगङ्/ 432/81-82---यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी दुकान नं० 414, नेहरू ग्राऊड है तथा जो एन० श्राई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रक्तूवर 1981

को पूर्वांक्त सम्पंति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियो) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्मिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की वाबत, उक्तु अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृत्विधा को लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री एस० के० शर्मा, एडवोकेट पुत्र भी राम सहाय शर्माः नि० गोल्द रेनने योग, गुडगावां। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मेहर चन्द पुत्रं श्री एन० सी० गेरा, नि० 5-एन, 2-ए न्यू टाउनिशिप, फरीदाबाद ।

(गन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, श्रो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान न० 414. नेहरू ग्राऊंड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, वल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 9844 दिनाक 1-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरंज, रोहतक

ता**रीख**: 18-6-1982

प्र≠प आई• दी• एश• एस•-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-व (1) के भंभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 18 जुन 1982

निवेश सं० बल्लभगढ़ | 433 | 81-82-यत:, मुझे, गो० सि० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'एकत अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मूल्य 25,000/- छपये से प्रधिक है और जिसकी दुकान न० 415-बी, तेहरू ग्राऊंड है तथा जो फरीदाबाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, यल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, ग्रुधीन प्रक्तूबर 1981

को पृत्रों क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूनों क्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा क लिये, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्——
4—176GI/82

(1) श्रीमति नरेश शर्मी पत्नी श्री एस० के० शर्मा, एडवोकेट, रेलवे रोड, गृडगावा

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री सन्तराम गेरा पुत्र एन० सो० गेरा, नि० म० नं० 93, सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद । (2) श्री अजय गेरा पुत्र श्री एन० सी० गेरा, म० नं० 88, सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी हरश्यूचींना सम्पत्ति के प्रजेन के लिल कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के प्रजेत है उपनत्र कोई भी भाषीप:---

- (क) इस र्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या सरमन्त्रभी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्वधि, जो भी भवित वाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की शारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिन-ख किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोत्स्नाक्तरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्राध्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त कव्यों भीर पदों का, को उत्तर प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 415-बी, नेहरू ग्राऊंड, फरीदाबाद मे स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 9845 दिनांक 1-10-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982 मोहर: प्रकप भार्दं दी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जून 1982

निवेश सं० 16731—अतः मुझे ग्रार० पी० पिरंखें भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 36 है, जो वास्लरस रोड, 9 रिकी स्ट्रीट माउन्ट रोड मद्रास-2 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, द्रिपलिकेन (डाकुमेंट सं० 923/81) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रस्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमन प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिती गों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यवा था या किया जाना चाहिए था, किया स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जमृतरं मों, में, उक्त जीधीनयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः----

(1) श्री जी० मुक्गेंसन, जी० युवराज, के० गंगाधरन चेट्टियार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुर्नाजलाल, बेय्या नारायन प्रकाश बेय्या (ग्रन्तरिती)

को सह स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्मतित के वर्षन के निष्

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 दिन की अविभिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, ओ भी
 नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ति श्रीधानवंश के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं बंध होगा, औं उस अध्याय में दिया न्या ही।

श्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 36 वास्लरस रोड ग्रौर 9 रिची स्ट्रीट, माउन्ट रोड, मद्रास-2 (डाक्मेट सं० 923/82)।

> न्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 8-6-1982

प्ररूप भाई • टी० एन० एस०-

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 9 जून, 1982

निदेश सं० 11698—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लें श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जका श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पत्नीत सजन प्राधिकारों को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिनका उत्ति। जाजार मूख्य 25.000¹-क्याप से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० एफ० 23/1, 24 ग्रीर 25 (पार्ट) है, जो चिन्नानावमपट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाक्स्मेंट सं० 4786/81) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्ट्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तर अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या,
- (ध) ऐसी किसी आप या किसी धन यो प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) यो उक्त प्रधिनियम, यो धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अंकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः अतः अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों उथत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जीत, निम्नलिखित स्वक्तियों, प्रयात् :--- (1) रास पति

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के॰ नारायणस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारो करत पुर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भार्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओ :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूबना के राजनल में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के प्राज़. लिक्ति में किए जा सकेंगें।

स्पष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त कच्चों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-विश्वम के मध्याय 20-क में परिमाणित है, बही प्रयं होगा, जो उम मध्याय में विया ग्रया है।

मृत्यी

भूमि—एस० एफ० सं० 23/1, 24 और 25 (पार्ट) चिन्नानादमपट्टी। (डाकुमेंट सं० 4786/81)।

> ग्रार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 9-6-1982

अरूप आइर्. टी. एन. एच.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जून, 1982

निदेश स० 11705—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० टी० एस० 328/7/2 है, जो लक्ष्मीनगर मैन रोड, तिरुपूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाकुमेंट सं० 2874/81) रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्न्तिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री सेनबक वरुली, तनगरभाल मुतुस्वामी सुन्न मनियम, कृष्ण, मुरलीघरन, श्रीर सेनतिल। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एन० पेलंनियप्पन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, क्यों भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, को भौतिर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का , को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

भूमि भौर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 328/7/2 लक्ष्मी-नगर, मन रोड, तिरूपुर। (डाक्समेंट सं॰ 2874/81)।

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 4-6-1982

प्रकर्ष बाह्र . टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 जून 1982

निवेश स० 11693—यतः, मुझे, भार० पी० पिल्ल जायकर जिपनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० टी॰ एस॰ 1/1475 है, जो ट्रिची रोड कोयम्बट्टर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट स॰ 5661/81) में रजिस्ट्री-करण धिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिधीन द्वारीख भ्रवट्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रित्फल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीड्र/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अभिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मे उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुभीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थात (1) भी जोसफ प्रन्यू हैं । सिलवा

(मन्तरक)

(2) श्री एस॰ कृष्णस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनमें, जो भी जनभि बाद में सनाप्त होती हों, के भीतर पूंनोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण प्र---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वो का, वो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया गया है।

भग्त्या

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 1/1475, ट्रिजी रोड, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं॰ 5661/81)।

मार० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज- , मद्रास

तारी**ष**: 1-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन संचेता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693—यतः, मुझे, प्राप्त० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनका अधिनियम' कहा नका हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राध्मकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो दिश्ती रोड कोवम्बदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में. श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 5660/81) में रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के क्यीन तारीख शक्तूबर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से विभिन्न है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर रिति (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बाक्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा बढले वचने में त्विभा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी जाय था किसी धन या अध्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अस्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिदः

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, स्थीत् :--- (1) श्री जोसफिन पनचूट

(मन्तरक)

(2) श्री एस० क्रुष्णस्वाभी

(श्रन्तरिती)

को यह सुमना कारी करके पूर्वोंक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत:
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबन सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकेंगे।

श्चाकीकरणः -- इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, वो कन्त विधीनयम, के अध्याय 20-को में परिभाषिक इं, कही वर्ष क्षेत्रा वो उस अध्याय में दिया नवा है।

वनसर्ची

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 8/258, द्रिवी रोड, कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 5660/81)।

> म्रार० पी० पिरूर्त सञ्जम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण) म्रजीन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 146-1982

प्रकर साई॰ टी॰ एम॰ एस॰--मावकर श्राविषयम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 268-म (1) के सबीत सुवना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्राम, दिनांक 1 जून 1982

निदेश स० 11693—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिस्लै, भावकर ब्रिजित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की घारा 269-क के मधीन संस्ताम श्रीकिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मृत्य 26,000/- रुपये से ब्रिजिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिकी रोड़ कोयम्बट्टर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 5659/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के प्रधीन तारीख श्रमतुबर, 1981

को पूर्वोवत सम्पत्ति के बियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफर के लिए जन्तरित की गई है भीर मुझे यह विकास करने का भारण है कि यथायू वॉक्न सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिमत से पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया सथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक कप में कबिन नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से तुर्द किसी याम की अञ्चल उपन अखिनियम के अखीत कर नेन के प्रस्तरक के रासिस्य में कमी करने या उससे अवसे में सुविधा के खिए; बोर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा को

ग्रतः तथ, उपत अधिनियम की धारा १६५-ग के अनुसन्ग में, में, उपत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भीम, प्रतिकृतिकार व्यविश्ववी: व्यविश्व--- (1) श्रीमती लूयिस श्रानट्टू ठि सिलवा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना जारी नारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के छाउँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धार्मप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक है 45 विन की अवधि या तत्त्राव्यकी व्यक्तिमाँ वर सूचना की तामील से 30 विन की मवर्षि, को भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के बीसर पूर्वनित व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति हारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपत में श्रकांगन की शारीच हैं
 45 विन के भीतर सकत स्वावर सम्मति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोह्न्साक्षरी के
 पास लिखित में किए या सकोंने।

क्रक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कोर पदों का, जो उक्त क्रिजियम के अध्याय 20-क में परिकाशिक हैं, वही सर्व होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

बन्द्रची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 1/1475 द्रिजी रोड, कोयम्बदूर। (डाकुमेंट सं॰ 5659/81)।

> म्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-6-1982

प्रकृप आई, टी एन . एस -------

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-II महास

मद्रास, विनोक 1 जून 1982

निदेश स० 11693--यत मुझे, भार० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ∠5,000 / रऽ. से अभिक हैं°

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो द्रिचि रोड कोयम्बट्र में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक्मेंट स॰ 5658/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख भ्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित वाजार बुल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिप्तियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिसित उद्दोष्यों से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप ते कथित मेहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के लिए, बीद/बा
- 🖚) एैसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर मिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

इत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिन्यिम की भारा 269-व की न्यधारा (1) के अभीन निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्धात

(1) श्री टरेसा रोसरियो

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्ते अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्या

मुप्ताना

भूमि भौर निर्माण टी० एस० 1/1475 दिंची रोड, कोयम्बट्र । (डाक्**मेंट** स॰ 5658/81)।

> ग्रार० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) म्बर्णेन रेज-ग़ा, मद्रास।

तारीख: 1-6-1982

प्रकृत नार्षे दी पुरु एस् , ------

(1) श्री केन्नत मैंकेल टी० सिलवा

(ग्रन्तरक)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० कृष्नस्वामी

(ग्रन्तरिती)

नारत तरकार

कार्गालय सहायक शासकर भाय्यस (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्राम मद्रास, दिनाक 1 जुन, 1982

निदेश मं० 11693—श्रत, मुझे, ग्रार० गी० पिल्लें कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० टी० एस० 1/1475 है, जो टिची रोड कोयस्बट्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रन्गची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता शिक्षकारी के कार्यालय, क्रोयूम्बट्रूर (डाकुमेंट सं० 5647/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्विक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत एक्पित का उचिम बाजार मूल्य, उपके दल्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात अधिक है और अन्तर्य (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्वरेय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्त-विक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- शन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (प) देशी हैं कसी बाब वा किसी भन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया युवा या किया बाना वाहिए था छिपाने में सृहिशा के हिंगपु

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के स्टब्स्थ में कोई भी वाक्षेप:----

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकावन की तार्रींच है, 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वनित्यों में से किसी स्वनित् हवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अभूस्ची

भूमि और निर्माण टी० एस० 1/1475 दिंची रोड, कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट मं \circ 5647/81)।

आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास।

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के, अनमरण तें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व की उपभाग (1) वे अधीन रिम्नलि**सित व्यक्तियों अर्थात्ः** 5—176 GI/82

तारीख: 1-6-1982

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

ज्ञायकर **अभिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

गद्रास, दिनांक 1 जन 1982

निदेश सं० 11693—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट मं० 5648/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यमान प्रितिक को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिष्ठत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निवित्त में वाम्तविक कप में कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपान मा सुविधा के लिए:

मृत्य अ्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जोसफैन पनच्ट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण्ण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पाम लिफित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अर्थीय में दिया गया है।

वमुस्ची

भृमि श्रौर निर्माण सं० 1/1475, ट्रिची रोड, कोयम्ब-ट्टर।

(डाकुमेंट म० 5648/81)।

श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख 1-6-1982 —

प्रकृष भाई० टी० एन । एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1/ मद्रास

मद्रास, दिनाक 1 जून 1982

निर्देश सुरु 11693—यतः, मुझे. ग्रारु पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० टी० एस० 1/1475 है, जो दिची रोड, कोयम्बटूर-18 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रक्षिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेट स० 5649/81) में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 16 सक्तूबर, 1981

कीं गुवांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिक्ष्म के लिए अन्तरित की रई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल जिम्मीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मित में वास्तिविक ख्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) जैरेसा रोसारियो

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० क्रुप्णस्वामी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारोक्स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त मों हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पान निस्ति मा किए जा सकरी।

न्पय्टोकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि भ्रांर निर्माण टी० एस० स० 1/1475, ट्रिची रोड, कोयम्बदूर।

(डाकुमेट स० 5649/81)।

ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेप-II, मद्रास

तारीख: 1-6-1982

मोहर.

प्रकप धाई । टी । एन । एस ---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) कं प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास. दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ने आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० ने श्रिधक है,

भौर जिसकी स० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड, कोयम्बट्टर मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेट सं० 5650/81) मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रमत्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाने प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण विखन में वास्नबिक रूप से कथिन नहीं किया गया

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त श्रिक्षित्यम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम को बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:--- (1) श्री श्रनटोनि जासफ

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कृष्णस्वामी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) रंग स्वना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तीकों री के पस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दा ग्रोर पदां का, जो छवा श्रिष्ठितियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण टी० एस० स० 1/1475, द्रिवी रोड, कोयम्बट्टर ।

(डाकुमेंट स० 5650/81) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

नारी**ख** 1-6-1982 मोहर: प्ररूप भार्ष. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

यर्जन रजनी। महास

मद्रास, दिन/क 1 जून 1982

निवंश मं० 11693---यतः, मुझं, ग्राप्० पी० पिल्ले अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिल इसर इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का क्रिक्ट है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका ६० टे.० एग० 1/1475 है, जा दिवी रोड, कोयम्बदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (उ कुमेट सं० 5651/81) में जिस्ट्राकरण श्रिधित्मम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ताराख श्रवस्वर, 1981

को भूबोबंद संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठ के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भूह प्रतिश्वान ने अधिक है और अतरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उच्त मिंध-नियम के अभीन कर दोने के मन्तरक के वाणित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी पन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन गिम्नियिक योगियों अभीत (1) लडम ग्रानद् दि सिल्बा

(ग्रन्सरकः)

(2) थः एस० कृष्तस्थामा

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्राँर निर्माण टी० एस० 1/1475, ट्रिची राष्ट्र, कोयम्बट्ट्र।

(डाकुमेंट मं० 5651/81) ।

ग्रां १० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रांयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , मद्रास

नारंख: 1-6-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-11, महास

मद्रास, दिनाक 1 जून 1982

निवेश सं० 11693—यन मुझे, श्राय० परं० पिल्ले आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं टा एस 1/1475 है, जा दिवा रोड, कोयम्बट्टर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्राकर्ती ग्रिधकारों के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं 5652/81) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1909 (1908 का 16) के ग्रिधान ताराख ग्रक्तूबर, 1981

को प्रांचित संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब उसन अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नित व्यक्तियों अधीन:---

(1) श्रीः जोसपः ग्रानद् दि सिल्वा

(भ्रत्नरक)

(2) श्री एम० कृष्नस्यामी

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वा कित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध कि.मी अन्य व्यक्ति स्वारा, अथाहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

अवसची

भूमि श्रौर निर्माण टी० एस० 1/1475, द्रिची: -रोड, कोयम्बट्टर।

(डाकुमेंट सं० 5652¹81)।

ग्रार० पी० पिरुलै मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राल

नाराख: 1-6-1982

प्रक्ष बाइ . टी. एन. एस . ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सचना

भारत त्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकार शाय्वत (निर्नीक्षण) ऋर्जन रेज-2, मधारा

मद्रास, दिनाक । जन, 1982

निदेण सं 1169: ---यत. मुझे, आरं पार पिल्ले नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार माल्य 25,000/- रुट से अधिक है

श्रीप जिसकी स० टा० एस० 1/1475 है, जो दिची रोड, कोयम्बद्ध में स्थित है (श्रीर इससे उरावद्ध प्रनुस्च: में श्रीप पूर्ण कर स विजित है), पित्रस्टातनी प्रधिक्षित के कार्यालय, कोयम्बद्ध (डाकुमेंट ए० 5656/81), ए पित्रस्टीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रक्तुबर 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्देत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्मिलिया उद्देष्य में उक्त अन्तरण जिम्मिल में अन्तरित का प्रमिक हैं भी अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्मिलिया उद्देष्य में उक्त अन्तरण जिम्मिल में अन्तरित कर्षा के स्थान नहीं किया गया है.

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के क्रन्टरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ वर्धातः-- (1) श्री केन्नन मैंकेल डि सिस्वा

(ग्रन्तरक)

(়) श्री एस० क"णस्याम

(अन्तर्गनः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबीच या तत्सम्बन्धी स्पित्तमों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की सबीध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी स्पक्ति द्वाराह
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु जिसान में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जां उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि श्रीर निर्माण टः० ४० मं० 1/1475, द्रिचा रोड, कोयम्बट्रा

(डाक्मेंट मं० 5656/81)।

श्चार० पा० पिल्ले अक्षम प्राधिकारी सहाया ग्रायतः भायुक्त (निरीऽण) ग्रर्जन रेंस, मद्रास ।

नार_िख: 1-6-1982

प्रकप माई० टीं० एन० एस०----

ेधनियम. 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) पर्यान रेंज-2, महारा

मदास, दिनांक 1 जून, 1982

निवेश सं० 11693-—यनः मुपं, श्राण्० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संघत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीए जिसका संव टीव एसव संव 1/1175 है, जो द्रिची रोड, कोयम्बद्ध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यार्थिय, कोयम्बद्ध (डाकुमेंट संव 5657/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधतियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत तारीख श्रक्तूबर, 1981

को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में शम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, िक पाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्राः धनटोनि जीसफ

(श्रन्तरक)

(2) थं: गम० भः जम्बामा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त मंपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस मूचना के राजपश में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जी उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० 1/1475, ट्रिवी रोड,

(डाकुमेंट सं० 5657/81)।

ग्रार० पी० पिल्ले • अस प्राधिकारी गहायक ग्रायकार स्नायुक्त (निराक्षण) यर्जन रेंज-2 भद्रास ।

नारीख : 1-6-1982

प्रकप भाई • ही • एन • एस •-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सि:०/एक्यू०2/एस० ग्रार०-2/ 10-81/6025--प्रतः मुझे, नरेन्द्र मिह, ग्रायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे

आयकर माधानयम; 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/-रुपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबक श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय नई दिल्ली मे र जिस्ट्।करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख अक्तूबर, 1981 को पृथाभित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार महय उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) प्रीर अन्तरितो 🕊 (अन्तरितियों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रम्तरण लिखित में वस्त-विक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत श्रिवि-नियम के भ्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने वा उससे बचने में मुनिधा के लिए; भीर/णा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य शास्त्रयों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिए। में मृबिधा के लिए।

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 265-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: → 6—176 GI/82

- (1) श्री जगमल सिंह सुपुत श्री खजान सिंह, निवासी ग्राम हैवरपुर, जीं० ए० श्री नेकी राम, सुपुत श्री जदमी, निवासी ग्राम सिरमपुर, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती साविद्धां देवी पत्नी श्री होरा लाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री गीरी लाल, निवासी 2131, मुकीमपुरा, एस० मंडी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मरूटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि तादादी । बीघा (1000 वर्गगज), खसरा नं० 588. ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

ताराख: 21-6-1982

प्ररूप आइ. टी एन. एस.----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्लः

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून, 1982

निर्देश म० ब्राई० ए० म०/एउय्०2/एम० ब्राप्ट०-2/ 10-81/6026—-श्र-3 मुझे, तरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. स प्रीथक हैं

श्रीर जिसकी सख्या रिष भृमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप में क्षणित है), रिजस्टी शिं श्रीकार, के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रें,करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीम ताराख श्रक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रिक्षित के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यवितयों, अर्थात —

- (1) श्राः चगमल सिह् सुपुत्र श्राः खजान सिह, निवासी हैदरपुरा, दिल्ली द्वारा जा० ए० श्री नेकी रामा, सुपुत्र श्री उदमा निवासा ग्राम सिरमपुर, दिल्ला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजीन्दर जैन सुपुत्र श्री गोपी राम जैन, नियासी 5288 कोल्हापुर, हाउम एस० मडी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**म्**स्ची

कृषि भूमि तादादी 1 बीघे (1000 खसरा न० वर्गगज 588, ग्राम भिरसपूर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

> नरेन्द्र भिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 21-6-1982 मोहर प्ररूप काइ. . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

गारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-81/6018—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख श्रक्तूबर, 1981 को को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहें हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ग्रतर सिंह, करतार सिंह, दरीयाम्रो सिंह सुपुत्र श्री धर्मा, राजीन्दर सुपुत्र एस० सरदार सिंह, मुखतीयार सिंह, मोहीन्दर सिंह नफीसिंह सुपुत्र श्री दाता राम, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्याम लाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद श्रौर गोरधन दास सुपुत्र श्री बारू सिंह निवासी-शास्त्री नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे 10 बिश्वे, ग्राम--सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह्
सक्षम प्रधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-6-1982

मुक्यु मार्च , की. प्र. प्र. प्र. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निर्देक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०-भार०-2/ 10-81/6020---श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपतित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्मी कलां, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981 को का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किनानितिका उद्विश्य से उक्त जन्तरण निक्तित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नया है:--

- (क) अन्तुरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सियो; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सम, जनत जिथिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में बुधीन्, निम्मसिचित व्युक्तियों वर्षात् हु---

- (1) श्री जगजीत सिंह सुपुन्न श्री राम सरूप, निवासी— ग्राम श्रीर पो० होलम्बी खुर्द, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला रानी पत्नी गुरु धत्त, निवासी--के०-4, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को ग्रहसूचना जारी करके पूर्वोक्स संपति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण .--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिश्वे, ग्राम–होलम्बी कलाँ, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सा**रीख:** 21-6-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- फ. स आधक हु

श्रीर जितकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर

ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981 को
को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण
लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (भा) अन्तरण प्रे हुई फिसी लाग की बाबत उक्त लिए-नियम के नभीन कड़ योगे के जन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे ब्रुचने में सृद्धित के लिए; शौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री श्याम लाल सुपुत श्री मथुरा प्रसाद मौर गोरधन दास सुपुत श्री बारू राम, निवासी-शास्त्री नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शान्ती देवी पत्नी पं० ज्ञान, निवासी-मेरट, यु० पी०।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बीघा ग्राम-सिरसपुर, विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम घ्रधिकारी सहायक घ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-6-1982

ोमहर:

प्रारूप आर्द. टी. एन. एस. -----

भायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० म्रार०-2/ 10-81/5973---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियमे' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिसः, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000 ∕- रुत. से अधिक हैं। **ग्रौ**र जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम **खे**रा खुर्द, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981 को भवां क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्दोषय से उन्त अन्तरण लिसित में वास्तियक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (स) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कैं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—- (1) श्री भारतु सुपुत्र श्री सुधन, निवासी ग्राम खेरा खर्द, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलजी सिंह मुपुत श्री केवल राम, निवासी शमेयपुर, दिल्ली, श्रौर श्री ए० सी० दुश्रा सुपुत्र श्री लाघा राम निवासी झार०-524 न्यू राजीन्दर नगर, नई दिल्ली, श्री देविन्दर कुमार विज सुपुत्र श्री एन० ग्रार० विज, निवासी मुलतानी ढान्डा, पहारगंज, नई दिल्ली, श्री श्रमीत गोयल सुपुत्र श्री जे० पी० गोयल, निवासी डी-13 ए/8, मोल टाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के जि़्यू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 नीघे 11 विश्वे, ग्राम खेरा खुर्द, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----ग्रायतर ग्रांश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-म (1) के ग्रंथोन सूमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० भ्रार०-2/ 10-81/6024---- प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह, वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रक्षिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो होस्पीटल रोड, चानन-मिह, पार्क, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यट विश्वाप करने का कारण है कि सथाप्रवीकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐप दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है 🥫 यन्तरक (अन्तरकों) श्रोर श्रन्तरिती (अन्तरियों) के वींर हेसे भ्रम्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण प हुई किनो आय को बाबन उकन मिन्नि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए। भौर/था
 - (ख) ऐमा किया आय या विस्ती धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिश के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरणं में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-नं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री राम लाल सुपुत्र श्री रेवा राम, निवासी-टोडापुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुबाश चन्द जैन मुपुत्र श्री मदन महाजन, निवासी-196/4, सदर बाजार, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को शह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टो करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, दही धर्व होगा, जो उप श्रष्टयाय में दिया गया है

वन्स्ची

भूमि तादादी 217-1/2 वर्गगज, होस्पीटल रोड, चानन-सिंह पार्क, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 21-6-1982

मोहर

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/ 10-81/8503—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिदवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई-6 है तथा जो राजन बाबू रोड, श्रादर्भ नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

- को पूर्विवत संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिये तय पाया गया प्रतिक स, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई िकसी आयकी वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- कत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) श्री विरेन्दर कुमार श्रौर श्रीमती सुनन्दा, निवासी ई-6, राजन बाबू रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली-33। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भूप सिंह श्रौर श्रीमती मूर्ती देवी, दोनों निवासी 810/48, त्री नगर, नई दिल्ली-35। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनुसुची

ई-6, राजन बाबू रोड, म्रादर्श नगर, दिल्ली+33 म्राबादी ग्राम भारोला, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० म्रार०-2/ 10-81/6022—म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्भी कलां, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल कन निक्तितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल कन निक्तितियों उद्देश्य से उक्तरण कि लिए तय गया गया प्रतिफल कम से कि थत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--7—176GI/82

(1) श्री बेंग राज सुपुत्र श्री कालू, निवासी ग्राम भौर भोरु होलम्बी कर्मा, दिक्ती ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विवन्दर सिंह सुपुत श्री मंगल सिंह नियासी ए/2 स्वर्ण सिंह रोष, श्रादर्ण नगर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे, 6 बिघ्वे. ग्राम होलम्बी कलां, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह्
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/10-81/6021—ग्रन मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी कलां, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्या अन्तरण निम्नल में वाम्तविक रूप से किंग्ज नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अप्तः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नृलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री बेग राज सुपुद्ध श्री कालू, निवासी ग्राम होलम्बी कलां, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला रानी, परनी स्वर्गीय श्री गुरु दत्त, निवासी के०-4, माडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक³गे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 8 बीधे 12 निश्वे, ग्राम होलम्बी कलां, विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख . 21-6-1982 मोहर: प्रस्प आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० श्रार०-2/10-81/6097—यत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसेमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-नागली सकराबती, विरुष्त में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधवार के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीवरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख श्रमतूबर, 1981

को प्रांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्त्रित की गर्छ है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिबक रूप स किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के निए,

ग्रत: अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सूबे-सिंह सुपुत्र श्री, हरकाल -सिंह, निवासी-ग्राम-केर, दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) ईश्वर सिंह शर्मा सुपुत्र श्री छत्तर सिंह, निवासी-श्रार०-जेड-22, नया बाजार, नजफगढ़, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्तर संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्ब 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म⁻ दिया गया ह³।

गनसची

ऋषि भूमि तादादी 1 विघा 3 विश्वे, मु० न० 32, किला नं० 21/1, ग्राम-नागली शकरावती, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख - 21-6-1982 मोहर प्ररूप आहर्षे. टी. एन्. एस्.————— कर अधिजियम् १०६१ (१०६१ का ४२) करी

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982 निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/ 10-81/5871—श्रत: मुक्के, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पात्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० जे०-10/13 है, तथा जो राजोरी गाईन, नई दिल्ली ग्राम ततारपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्च। में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रवत्वर, 1981

को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) ए**स० गुरबचन सिंह सपुत्र** श्री एम० रणधीर सिंह कुकरेजा, निवासी-स्टेशन रोड, पटना-1

(भ्रन्तरक)

(2) मैं असुभाष चन्दर कथुरीया एच अयू अपूरिक द्वारा कर्ता श्री सुभाष चन्दर कथुरीया श्रीर मैं असे चन्दर कथुरीया एण्ड सन्स एच अयू अपूरिक द्वारा, कर्ता-श्री रमेश चन्दर निवासी-ए०- 47, कीर्सि नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

प्लाट न'० जे०-10/13, क्षेत्रफल-272 वर्गगज, स्थान पित राजोरी गार्डन, नई दिल्ली एरीया ग्राम-ततारपुर, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख . 21--6-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ८, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 23 मई 1982 निर्देश स० श्राई०ए०सी.०/एक्यू 2/एस०ग्रार 2/10-81 6070,--अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 26% के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० डब्ल्यू-जेड-64 ए/5, है तथा जा मुखर्जी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रवतू-बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वहरू प्रतिकत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) में बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निशियत उद्देश्य में अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण संदुई किया आप की **गायत, उक्त अधिनिय**म क अधीन कर देने के अ**ग्तर**ण के दायि**स्व में कमी करन** या उससे बचने में सुविधा के लिए; **बोर/**या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिनियम, या बन-कर शिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रता अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुबरण में, में, उब्त अधिनियम की धारा 269-च की चपधारा (1) के अधीन, । नम्निनिश्वत व्यक्तियां, ध्राचीत् ---- (1) ब्रीन्त कोर पक्षी श्री प्रेम सिंह, निवासी-141 एस० पी० मुकर्जी पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) जगन नाथ शर्मा सपुत्र श्री बन्त राम शर्मी, निवासी-डब्ल्यू-जेंड-46 विष्ण गार्डन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के सर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

अपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उन्स स्थावर क्ष्मिस में हितबद्ध किसी प्रान्य व्यक्ति द्वारा, मधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणात्न-इसमे प्रयुक्त शक्दों भीर पर्वी का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,वही पर्व होगा, जा उस खाउँ याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान न० डब्स्यू-जेड-64 ए०/5, भूमि का माप-233-1/3 वर्गगज, स्थापित-मुकर्जी पार्क, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
मक्षम श्रधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख 25-**5-**1982 भाहर प्ररूप मार्चेटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982 निर्वेश स० श्राई० ए०सी०/एक्यू०-2/एस-ग्राग/ 2/10-81/6044--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ई०-2 है तथा जा फतेह नगर, मोहल्ला गुरुनानक पुरा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वेक्स सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिवत उव्देश्य से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, आर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— (1) एस० **ज्ञाम सिंह** संपुत्त श्री एस० कोशि सिंह, 14/22, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) इन्दरजीत कौर पत्नी एस० हरपाल सिंह, 208-एच०, एम०ग्राई०जी० फ्लेट्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति को अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण - इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

असमाची

प्लाट न० ई-2 तादादी 200 वर्गगज, खसरा न० 454 फ्रोह नगर, मोहरूला गुरुनानक पुरा, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीय 25-5-1982 मोहर प्रस्प प्राई॰ टी•एप• एस॰--

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धाय 269-व (1) के घष्टीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्वेण मं० श्राई०ए०सी०/एसयू/2/एस-श्राप-2/10-81/5916,—श्रत: सुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि है तथा जो पंखा रोड दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबंध श्रनुसूर्ष। में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अन्त्रवर, 1981 को पृत्रीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिये अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (प्रश्वितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/गा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

श्रतः श्रव जनत श्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुपरग में, मैं, उन्त श्राधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) मदन मोइन जैन सपुत्र श्री एल०सी०जैन, निवासी-196/न, मदर बाजार, दिल्ली केन्ट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वासदेव गैन सपुत्त श्री मदन मोहन गैन, निवामी-ए०2/287 पंखा रोष्ठ, जनकपुरी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन** के निए का**र्यवाहियां करता है**।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ऑक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारी है से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि तादाक्षी 351 वर्ग मीटर, स्थापित पंखा रोड, दिस्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिस्ली

त(रीख: 25-5-1982 मोहर: प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश मं० म्राई०ए०मी०/एवयू० 2/एम०म्रार०--2/10-81/5795,--भ्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व्य के श्रिषीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर संस्थलि, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ए० ने श्रीष्ठिक है

ग्रीर जिसकी म० बी०-64, है तथा जो इन्दरपुरी, कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मारीख ग्रक्तूवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त मिलियम के भिल्लीन कर देने के धक्तरक के वाबित्व में कमी करने मा उसमे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठिनियम, या धन-कर प्रिश्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जियाने में श्रृतिका के लिए।

अतः थज, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीय, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) मैं० क्षाउथ एरिया, इन्डस्ट्रीज प्रा० लि॰, 10-वरिया गंग, नई दिल्ली रिजि० पाफिप राजपुरा पटियाला ।

(भ्रन्सरक)

(2) भै० डालिमयां ब्रिस्कुटम प्रा० वि०. राजपुरा, पटियाला (दिल्ली गाफिम 10-दिरयोगंज, नई दिल्ली)

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी आर्थय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बड़ी अर्थ होगा, जो उनग्रध्याय में विमा गया ै।

अनुस्ची

प्लाट नं० बी-64, इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली, 256.68 बगमीटर (306.7/8 वर्गगज) ।

> नरेन्द्र सिंह. मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नारीख 21-6-1982 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्थान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षिण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देण सं० भ्राई०ए०सी०/एत्रयू०/2/एस०म्रार०-2/10-81-6063—श्रन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- एक के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो भिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के ग्रधीन नारीख ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हड़े किसी आय की बाबन, उक्त शिक्षिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जिल्ला था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री नक्ष्मी नारायण गर्मा मुपुत्र श्री रामजीलाल, निवासी-ए-229, शास्त्री नगर, दिल्ली प्रणासन दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) सरन जीत सिंह सोधी सुपुत्र श्रो रघबीर सिंह, सोधी निवासी-ए०ई-1. टैगोर गार्डन, नर्ड दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अवस्त्री

कृषि भूमि तादादी 14 विषये (700 वर्गगज), खमरा नं० 215, ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज-2. नर्ष दिल्ली

नारीख: 25-5-1982

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयाजर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज 2, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश म० ग्राई० ए०मी०/एवश/2/एम०ग्रार० 2/10-81/5814---ग्रन मुझे नरेन्द्र निह, ग्रायकर भोवेनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधित्यम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के

वण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीत सदार प्राधिकारी की, यह विष्याय करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अक्षिक है

ग्रौर जिसकी स० ऋषि भूमि है तथा जो कादीपुर दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इभसे उपावज्ञ ग्रनुसूची में पूर्ण मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्तूबर, 1981। को पर्वोक्त मंपलि वं उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए श्रन्तरिक की है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यपापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, धुष्यनान प्रतिफल रो, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से प्रधिक है शौर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक छाते कथा तहा किंग गया है: → -

- (क) अन्तरण सं हुई किसी धाय की बाबत जवत प्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ब) ऐनो किसो आप थः किसी धन या ग्रन्थ ध्रान्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में स्थिपा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात —

- (1) श्री जय प्रकाण, प्रेम प्रकाण, श्रीर श्रोम प्रकाण, लपुव श्री प्यारे लाल, निवासी-प्राम-मुखमेल पुर, दिल्ली ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रो भीम सिंह प्युत्न श्री राम मेहर निवासी-ग्राम सिंघोला, दिल्ली । (ग्रन्तरिसी)

को यह मूचना जारा करके पूर्वानत सम्पत्तिक भर्जा है। लिए कार्यवाहियां करताह ।

उत्ता सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ख्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक्ष से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दाना;
- (ख) इस न्ता के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थार सम्पत्ति में हित्तवत्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वदीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पढ़ों का, जो उकत शिवित्यम के 151/प 20-ह में यथा परिभाषित हैं, वहों धर्ष होगा, जो उस ग्रह्माय में वियागया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 बिघे 8 बिग्ने, ग्राम-कादीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
मक्षम श्रधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेज 2 नई दिल्ली,

तारीखा∵ 25—5—1982

माहर :

प्र≰प बाई॰ टी॰ एन॰ एस०------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2 नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्स/2/एस०ब्रार०-2 10-81/6064--- प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मध्यम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थात्रर मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम सिरमपुर विल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्टूबर 1981 को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रम्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक का से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर धिवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवित्यम, या धन-कर धिवित्यम, या धन-कर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:——

- (1) श्री लक्ष्मी नारायण गर्मा सपुत्र श्री रामजीलाल, निवासी-ए० 229, शास्त्री नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीण प्रसाद सपुत्र स्वर्गीय श्री फतेह चन्द. निवासी-सी०3/30, श्रशोक विहार, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन कालए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी छाक्षेप :--

- (क) इप पूजना के राजन जं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हा, के मीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाणन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखा में किए जा किंगें।

स्पब्धी हरगः ---- इना प्रमुक्त अञ्चां प्रौर पत्री हा, ना उका अधि-नियम ह अध्याय 20- क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उन यहवाय में दिया गया है।

अनुसूखो

कृषि भूमि तादादी 14 विश्वे (700) वर्गगज, खसरा नं० 215, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
भक्षम ग्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

तारीख: 25-5-1982

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ण (1) के मधीन सुच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०प्रार०2/10-81/6079—श्रतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्धास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, विल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981.

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वयं से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वाने में अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- (1) श्री सुधीण कुमार गुप्ता सुपुत श्री निवासी—श्रंशारी रोड, दूरिया गज, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देविन्दर सिंह सुपुत एम० करनार सिंह. निवासी ---गुरूनानकपुरा, बिहार । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थाबिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्धी

कृषि भूमि तादादी 9-1/2 बिक्षे, खसरा नं० ग्राम—— ब्रारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

ता**रीख** 25-5-1982

प्ररूप माई•टी•एन•एस•-

आयकर पिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्वेश सं० भ्राई०ए०सी०/एनयू०-2/एस०भ्रार०-2/ 10-81/5835---अत:, मुझे, नरेन्द्र सिह,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ककरौला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981, को वृवींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिगत ग्रिकिक है भीर अन्तर्क (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए या, छिपाने में स्विध। के लिए;

कतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, प्रक्त धिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) प्रधीन, निस्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री उमराव सिंह सुपुत्र श्री नेकीराम, निवासी---ग्राम-शाहवाद, पोस्ट पालम, दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती वीना कखर पत्नी श्री हरदेव कखर, निवासी---बी०-1/632 जनकपुरी, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों घौर पदों का, जो उसत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे 8 बिघ्वे, ग्राम-ककरौला, विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1882

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०2/एस०म्रार० 2/10-81/6061—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रवत्वर, 1981 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अच, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात कि

(1) ईण्वर सिंह सुपुत्र श्री सूरत सिंह, निवासी बी-1447, शास्त्री नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कमल कुमार मित्तल सुपुत्न स्वर्गीय श्री भागवती प्रसाद मित्तल, निवासी-553 ओशी रोड, करोल बाग, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 400 वर्गगज, खसरा नं० 32, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप आहूर, टी. एस. एस.------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-घ (1) वे अधीन सचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू० 2/एस०भ्रार०2/ 10-81/6019--म्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिन्तरी को, यह विद्यास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर निमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्त्य, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**सत** व्यक्तिस्यों अधीत:—— (1) ग्रतर सिंह, दरीयाग्रो सिंह, करतार सिंह सुपुत्र श्री धरमा, मुख्तीयार सिंह, महेन्द्रर सिंह, न फे सिंह मुपुत्र श्री दता राम, राजीन्दर सिंह मुपुत्र श्री सरदार सिंह, निवासी ग्राम सिरसपूर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्याम लाल सुपुत्न श्री मथुरा प्रसाद श्रौर गार-धन दास भर्मा सुपुत्न श्री बार्ग्सह, निवासी मास्त्री नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 विघे 10 बिश्वे, स्थापित ग्राम सिरसप्र दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नारीख: 21-6-1982

प्ररूप आर्द्द, टी. एन. एस.----

बायक ९ व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देण सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/ 10-81/6027—श्रत : मुझे, नरेन्द्र सिह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरस-पुर दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय शया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूदिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृजिधा के लिए:

अप्त प्रज, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रन्सरण में, भी, अक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह, निवासी-ग्राम-हैदर पुर, दिल्ली जी०ए० श्री नेकी राम, सुपुत्र श्री उदमी, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीजय गोपाल सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण, निवासी-23/3, शक्ति नगर, दिल्ली,
- (2) ललीन कुमार जैन सुपुत्र श्री व्रिलोक चन्द जैन, निवासी 4494 गली राणा पाटनवाली, पहाड़ी धीरज दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**मसची**

भूमि तादादी 1 विघा (1000 वर्गगज) खसरा न० 588, स्थापित ग्राम-सिरसपुर दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 25-5-1982

प्ररूप बाई वटी व एन व्यापन

द्यायक**र प्रधिनियम, 1961 (1**961 का 43) की घारा 269-**ष (1**) के संघीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालग, सहायक आध्यकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०2/10~81/6049—श्रत : भुक्ते, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पण्डात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-इ के अधीन सञ्जन गांधि हारी की यह विश्वास करने का कारम है (त स्थावर सम्मत्ति । जनका अचिन चाजार मूख्य 25,000/- क्यंये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तूवर, 1981 को

पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घरतरित की गई है भी र नृसं यह विश्वाम करने का कारण है कि उपापूर्वीकन सम्पत्ति का छाजा बाजार मृहय, उसके शृश्यमान प्रतिफत के एपेन रृश्यमान प्रतिफत का पन्तर प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रनारिती (धन्तरितियां) के बीच ऐस प्रस्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफत, विम्नलिखिक छुंग्य में उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तिविक छुंग से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हु⁵ किसी प्राप की वाक्त, उक्त प्रधि-नियम के प्रधान कर देने के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन वा श्रन्य श्रावित्यों हो जिन्हें गारतीय श्राय-घर उधिनियम 1922 (1922 का 11) या जनत श्रश्चित्यम, या अत-कर श्रश्चितियम, या अत-कर श्रश्चितियम, 1957 (1957 का 37) के प्रपाजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क जनुसरण में, भैं ,उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अधीत्:——
9--176GI/82

(1) शिवराज, मनी राम सुपुत श्री मंगत राम, दया जन्द, सिराज, वेद राज, गंज राज, सुपुत श्री भोंजो राम, मंगत राम श्रीर भाजी राम सुपुत श्री हरदेव, सभी निवासी-ग्राम श्रौर पोस्त लिबासपुर दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) अशोक कुमार सुपुत श्री राम प्रसाद, निवासी-109/2/एच, ब्लाक 'ए' सी० मी० कालोनी, दिल्ली-110007,

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (६) इस तूबना हे राजपत्र में उन्नामन की तारीख में 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धा व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन यूचना क राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणा—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधि -नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, नो खा प्रध्याय में दिशः गया है।

मनुसूची

भूमि तादादी 679 वर्गगज, खसरा नं० 30/5, ग्राम-

नरेन्द्र सिह. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

सारीख: 21-6-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०मी०/एकपू०/2/एस०आर०-2/10-81/6013--श्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

धौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यान्य, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981

को पृवाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य मे उकत अन्तरण जिल्हा में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) प्रान्तरण स हुई किसी आय री बावत, उन्न श्रांघ नियम के प्राप्ति कर देने के प्रन्तरक के शांधरत में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के शिए; गौर/या
- (ख) ऐसी विसं भाग या किसी धन या प्रत्य शासित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय। गया या या किया जाना चाहिए वा खिपाने में सुबिधाक लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्धातः

(1) भ्रायनी शर्मा, सुपुत्र श्री हरवंश लाल शर्मा, निशासी-ग्राम-समेयपुर, लिल्ली जी० ए० श्री मंगफल सिंग सुप्रा श्री धीप जन्द

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीण कुमार मुपुत्र श्री राम लुभाया, निवासी-9635 गली नीम वाली, नवाब गंज, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितथ्य किसी प्रम्य स्थक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास शिज्ञिन में किए जा मकेंगे।

स्यव्हीकरणः --- इसमे प्रयुक्त प्रव्दों और वर्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में वरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकासय है।

अन्स्ची

भूमि तादादी 12 बिश्वे (600 वर्गगज), खसरा नं० 27/25, ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

> तरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली,

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दहली

नई दिल्ली दिनाक 21 जून 1982

निर्देश स० प्राई०ए०सी०/एक्यू०2/एसप्रार०-2ए-10-81/ 6065--अत: मुझे नरेन्द्र सिह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क क अधीन मक्ष्म प्राधिकारों का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुभूनी में पूर्व क्ष्य से विल्ली में स्थित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख अक्तूबर, 1981 को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ईश्वर सिंह सुपुत्र श्री सूरत सिंह, निवासी-बी०1447, शास्त्री नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बाबू लाल ग्रौर गंकर लाल सुपुत श्री मामन चन्द निवासी-सी०107 श्रणोक विहार, भाग-1, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकीए।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बिघा यानी (1000 वर्गगज). खसरा नं 32, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

वा**रीख**: 21-6-1982,

प्ररूप माई॰ टी॰ एम॰ एस॰---

भागकर स्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के संधीत पुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 21 जून, 1982

श्राई०ए०सी०/एभ्यू०/ 2/एस०भ्रार०-2/ सं० 10-81/6030--- श्रतः मुझे नरेन्द्र सिह, धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारः 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्<mark>यावर सम्पत्ति, जिसका</mark> मृहय 25,000/- रूपये में ग्रक्षिक हैं। श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली, नियर ग्राम-भ्रालिपुर, दिल्ली में स्ट्रित है (श्रीर इससे वद्ध अन्भुची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन श्रमत्बर, 1981 ^ए को पृथाँक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दुम्यमन्त प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीनत सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यनान प्रतिकल हा पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरह (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) 🕏 बीच एस मन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफत्त, निम्नलिखित जहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ह) अन्तरण पहुई हिसी पाय को बाबत श्रायकर अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-गं के जनु-सरण में, में, उना ग्रविनियम की धारा 269-में की उपधारा के जुनीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री नरिन्दर कुमार सुपुत्र श्री बिहारी लाल निवासी-29/5 ईस्ट पटेल नगर, नई विरूली द्वारा श्री बिहारी लाल सुपुत्र श्री किशन चन्द सचर निवासी-29ई/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) म० स्नाशा राम मुकन्द लाल, निवासी-5583, नया बाजार, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के खिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्प व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों हा, जो उक्त अधि-नियम के श्रद्भयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रद्भयाय में दिया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि तादादी 4 विषे 16 विषये, खसरा मं० 183, स्थापित ग्राम-बकौली नियर श्रलीपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप नाई, टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज,-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निदेश स॰ श्राई०ए०सी०/एवयू०/2/एस०४००८/11-81/5981--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसं की सख्या कृषि भृमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपावद्ध ग्रमुसूची में पूर्व रूप सं बिलित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रवतूबर 1981 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ग्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान ग्रीतफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिंध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी वन था अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात---

- (1) श्री मोहन साल सुपुत श्री नेतराम, निवासी-ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली, जी०ए० श्री शिवराज सिंह, मैनी राम सुपुत्र श्री मंगित राम, दया चन्द, वेदराज, गीरज, हसराज सुपुत्रगन श्री मोजराम, निवासी-लिबासपुर, दिल्ली ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बाल कृष्ण हन्डा सुपुत्र लाला गुरुसहाय हन्डा, श्रिनिल कुमार हजा, सुनील कुमार हन्डा, प्रदीप कुमार हन्डा सुपुत्र श्री बाल कृष्ण हन्डा, सभी निवासी-5-सी०/99, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचभा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की बबीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सर्कोंगे।

स्थळकिरणः—इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उपके विधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि तादावी 770 वर्ग गज, खासरा न० 24/23 स्थापित एरिया ग्राम लिबासपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली।

तारी**ज** : 21-6-1982 मोहर

प्रकम कार्षं .टी . एवं . एस : ------

श्रायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रीमा सूचना

आर्थ चर्चाड

कार्याचय , सहायक भायकर भायक (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज,-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जुन 1982

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०मार०-2/10-81/5957--ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके परवात् 'उनत विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, विस्का उर्देशत बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिखासपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस से उपायद्ध अनुसूची में पूर्व स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981. को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्षेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक क्या में किथित नहीं किया गया है---

- (क) कल्टरण वें हुई किसी बाद की वादत, उक्द, विधिनियम के बचीन कर दोने के बन्टरक के दायित्य में कवी कारने ना उन्नते क्लाने में स्विधा के लिए। बाँड/वा
- (क) प्रेसी किसी बाब वा किसी वंग वा अन्य बास्तिनी की, विक्रू भारतीय बाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धवकर विधिनियम, या धवकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विष्ण के सिष्ण

शतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्त व्यक्तियों व्यक्तिः— (1) मोह्न लाल सुपुन्न श्री नेत राम, निवासी-शामपुर, दिल्ली जी०ए० श्री शिवराज, इत्यादि,

(भ्रन्तरक)

- (2) दीन दयाल सुपुत्र श्री ज्योति साद निवासी-92 विवेका नन्द पुरी, दिल्ली ।
 - (2) प्रीतम प्रसाद जैन सुपुत्र श्री सूरज भान जैन, निवासी-2904/7, गली नं० 165, गनेश पुरा, त्री नगर विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुई॥

उन्त सुम्पृत्ति के भर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के रायपम् में प्रकारन की तारीय से
 45 दिन की नवीथ या तत्सम्बन्धी ध्यवितमों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 नविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इस्तारा
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा वश्रोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए वा सर्थों में।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह²।

अनुसुची

भूमि तादादी 770 वर्गगज, ग्राम लिबासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह, सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, गर्र दिल्ली ।

तारीख: 21-6-1982

प्ररूप आह^र टी. एन एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंक-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/एस० ग्रार०-1/10--81/ 6116---श्रस: मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित जाजार मन्य 25,000/ रा. सं अधिक है

श्रीर जिपकी संख्या ए-5, है तथा जो इन्दरपुरी, वालोनी, नरायण, में स्थित है (श्रीप इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीप पूर्व रूप से वर्षित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधिन दिनौंक श्रक्त्वर 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया भया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी लाग की नावत उपत विध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; विद/वा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य त्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनिष्म की भारा २, 69-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नजिसित व्यक्तिमों, अर्थात्:--- (1) श्रा के० श्रार० कृष्णामूर्ति सुपुत्र श्रा के० रंगा स्वामी, निवासी:-ई-6ए, डी० गी० ए० (एम० ग्राई० जी०) 'म्लेट्स, मायापुरी, नई दिल्ली

(अन्तरकः)

(2) श्राः नरेन्द्र कुमार खन्ना, सुपुत्र स्वर्गीय श्राः राम गोपाल खन्ना, निवासः ए-5, इन्दरपुरा, नई दिस्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं ।

बक्त सम्परित के क्वंन के सम्बन्ध में कोई भी काऔप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रूण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

मकान नं० ए-5, इन्दरपुरी कालोनी, एरिया नरायणा नई दिल्लो क्षेत्रफल 200 वर्गगज, खसरा नं० 1607।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रःक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारो**ख** : 25-5-1982

शास्त्य आर्⁴ टी. एन. एस. ----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज 2, नई दिल्ल।

नई दिल्लाः, दिनाकः 15 जून 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-81/0046--- श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृत्य 25.000/- रुपए से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रा कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भा तीय एजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ताराख ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिशास के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्यास करने के कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किती नाम की नामत, उस्त जीधीनयज के जभीन कर दोने के जन्तरक के बाजित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए;

अत. अब, उत्थत अभिनियम की भाषा 269-ए के अनुसरण को, की, उक्त अभिनियम की भाषा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, रिम्म्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६── (1) श्री मीर निह सुपुत्र श्रेंपत राम, निवासं-ग्राम-पालम, दिल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमत। कान्ता कथूरिया पत्ता श्री श्राई० के० कथूरिया निवासी डा-133, ई० औ० कैलाण कालोनी, नई दिल्ला

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शख्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 का में परिआधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादार्थः 18 विषे खसरा नं० 84/1 श्रीर 17/2, ग्राम-पालम, दिल्लीः

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंग 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ताराख : 15-6-1982 मोहर : प्ररूप आहें . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्ता (निरोक्षण)

सर्थन रेज 2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सः०/एक्यू०/2/एस०-ग्राप०-2/10-81/6047—ग्रतः सूक्षे, नरेन्द्रसिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा 269-व्य के अधीर राभम पाधिकारी को यह जिल्लाम अपने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या ज्ञीप भूमि है तथा जो ग्राम पालम, हिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वितित है), रिणस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारोख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रद्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके श्रद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्दर्ध में उक्त अन्तरण लिखित में बार्ल्यक क्या से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ∵नमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन रिक्तिलिया व्यक्तियों, अर्धातः :---10---176GI/82 (1) श्री होशियार सिंह सुपुत्र श्री भरतु, निवासा ग्राम पालम, दिल्लो

(अस्तरकः)

(2) श्रामती बीना कथूरिया पत्नी श्री कृष्ण कथ्रिया, निवासी(-डा-133, ई० ग्री० कैलाण कालोनी, नई दिल्लो

(भन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---ध्समे प्रयुक्त इाक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

कृषि भूमि ताद्यादी 17 ब्रिस्बे, खमरा नंव 84/18, 17/2. ग्राम पालम, दिल्ली

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख: 15-6-1982

प्रकप धाई० टी• एन• एस०----

म्नायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) की धारा 269-**म (1**) के प्रधीन सुचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ड विस्ली।, दिनाक 15 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्राण-2/10— 81/6048—म्प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1+61 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित्र बानार मून्य 25,000/-रूठ से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी शृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख शक्तुवर, 1981

को पूर्वोक्त राम्पित के उणित बाजार से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण दे कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छत्त प्रतिगत से पश्चिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्मलिखन उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में बाम्नविक का ने कथिन नहीं किया गया है

- (का) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबच उक्त ब्रिशिनियम के प्रजीन कर देने के भ्रम्भरक के दायित्व में जमी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (व) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धांधनियम, । (1922 का 11) या उवन अधिनियम, गः धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री सुम राम और लडे गम मुपुद्यश्री बहार मिह, निवामी-ग्राम-पालम, विल्लो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रादर्णन श्ररोड़ा पत्नी श्रो श्राई० के० श्रराडा, निवासी डी-133, ई० श्रो० कलाण, नर्ष दिल्ली।

!(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्त्रस्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्ताकारी के पास जिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रधुकत कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अगुसुची

ऋषि भूमि नादादो 17 विस्वे, खसरा नं० 84/17/2, श्रौर 81/18, ग्राम-पालम, दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह् सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, दिल्लो, नई विल्ली-11002

तारीख: 15-6-1982

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०-----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) वे अर्तीम सूपका

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 15 जून 1982

निर्देश मं० श्रार्ह० ए० मी०/एक्यु०/2/ए.स० श्रार०-2/10-81/5922;—श्रन: मुझे नरेन्द्र सिंह

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26फ स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिनका उक्त बाजार स्वय 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख ग्रक्तुवर 1981

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंस दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण सं हुई किसी आय को बाबस, उपल अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे सचने में मृतिधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1522 का 1) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री होशियार सिंह सुपुत्र श्री भरतु निवासी ग्राम-पालम, दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) मैं० ऐंग्रो सीडम कारपोरेशनः 16-एफ० कनाट मिकस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सुचना जारी करके प्योक्त सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्रत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूत्रारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जुक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनु सूची

कृषि भूमि तादादी 17 बिक्वे, खसरा न० 84/18, 17/2, ग्राम-पालम, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह मक्षम श्रक्षिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 15-6-1982

प्रकल आई. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 जून 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/10-

81/5900--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसक पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के ग्रधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को प्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक करण से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से ब्चने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, अन्हर्ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा वाहिए था, छिपाने म मुनिधा के लिए:

अतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री ग्रशोक कुमार सुपुर श्री होटे चन्द, निवासी-21-इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल सुपुत्र लाला राम, मार्फन मे० लाला राम सुन्दर लाल, निवासी समालखा मडी, जिला करनाल, हरियाणा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त भव्यो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिस है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि तादादी 1 विघा 6 बिश्ये, खसरा न० 30/14, स्थापित-ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम भ्रधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रोख** : 15-6-1982

मोहर .

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (रिरीक्षण)

म्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 जून, 1982

निदेश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार० $\sim 2/10-81/6055$ —श्रत मुझै नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कला, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य म उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अभ्यरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आयु या किसी भनु या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अत: श्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तित्यों, अधीत :--

(1) श्री राम जीवन मुपुर श्री निहाल सिंह, निवासी ग्राम-ग्रौर पो० टिकरी कला, दिल्ली

(ग्रन्सरक)

(2) श्री रमेश कुमार गुप्ता मुपुत्न श्री तुलमी राम, निवासी-58 माडल बस्ती, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास निस्तित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 14 बिघा 15 बिश्वे, स्थापित-ग्राम टिकरी कला, दिल्ली, खसरा नं० 41/1 (4-16), 9 (5-1), 10 (4-18) ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम श्रिधकारी सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, विरुली, नई दिल्ली-110002

दनाकः : 15-6-1982

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/10-81/5815—श्रतः मुझें नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जा कादीपुर, दिल्ली में स्यित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम कारने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अभिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतिरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण में, भै, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिक व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री जय प्रकाश, प्रेम प्रकाश, श्रोम प्रकाश सुपुत्रगण श्री भूरे लाल निवामी-मुखमेल पुर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भीम सेन मुपुत्र श्री राम महर, निवासी-सिंघोला

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16 विषे 18 विष्वे, खसरा नं० 1149, 1150/2 1157, 1158/प्राम-कादीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी, महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 11002

तारीख: 15-6-1982

प्रकृप धाई • टी • एन • एत • ----

भ्रायकर **पश्चितियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-घ (1) के जभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश म० भाई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस७-आर०-1/10-81/8462-यतः मुझे, नरेन्द्रसिह भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इपमें इसके पश्वात् 'उस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सवाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का सारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक श्रीर जिसकी संख्या 49, नया न० 49/57 केवल पार्क एक्स० ग्राम माजावपुर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फ के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **उ**चित बाजार भूरुय, उसके दृश्यमान भनिफल से, ऐसे दृश्यसान प्रतिकल का पण्डह प्रक्षित्रात से मधिक है भौर अस्तरक (श्रन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उष्टत ग्रन्तरण निखित में बाय्नविक रूप ने कथिन नहीं किया गया है '---

- (क) अम्परण में नड किसी आय भावायत उपन अधिनियम क श्रधीन कर ३३ के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति में को जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रिधिनियम, 1923 (1922का ।1) या उपन प्रिधिति के मार्थ अविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था अ किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः अवा उपन अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरायण सिंह
सुपृत्व श्री रूप चन्द
निवासी— -317 नीमरी कालांनी
दिल्ली
ग्रटानीं श्री भ्रनन्न सिंह
सुपृत्व श्री मनोहर सिंह,
निवासी——318 नीमरी कालोंनी,
दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्ध्या खन्डेलवाल पत्नी श्री मुरेश खन्डेलवाल, निवासी—बी-52, मी० मी० कालोनी, दिल्ली

(ध्रन तती)

को यह सूचना आरी करके पृथीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत मध्यति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी ब्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, के भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्तेंगे।

रपब्दो करण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धक्त अधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, तही जर्घ रोगा जा छस अध्याय में विया गया है।

अभुसूची

पुराना न० 49, अब नया न० 49/57 एरिया 250 वर्ग-गण. स्थापित---केन्द्रा पार्क एक्टा० दासरा २० ६३, यामणाजाकः पुर, बिल्तो ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी राहाराक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982 मोहर: प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरुकारु

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-भार०-2/10-81/5851--यत., मुझे, नरेन्द्र सिह भागकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/-

६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सारीख श्रम्सूबर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिक्तल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में तास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उपत ग्राधिनयम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक क गायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्याम लाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद, निवासी-ए—406, शास्त्री नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोरधन दाम,
सुपुत्र श्री बारू मिह,
निवासी—-ए-465, णास्त्री नगर,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन वे लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, औं भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदौं का, जो सकत अधिनियम के घड्याय-20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो छस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भृमि तादादी 2 बिघे 10 बिस्वे, खमरा नं० 53 (2-0), 159 (4-16), 54 (3-4), 47 (2-14), 46 (2-10), ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी **सहायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख . 25**-5-1**982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

पायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) ह अधीन स्चना

भारत प्रकार

कायणिय महाग्रक आयक्रर आयुवत (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

मं य ए० सी०/एवय०/2/एस०-श्रार०-2/10-81/5913---यत⁻, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे धममें इसके परवान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन मक्षम अधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ क से बाधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण रै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके कृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त ब्रान्तरण लिखिन में बास्तिबक रूप से सवित नहीं किया गया है:—

- (क अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत उक्त धर्धि-नियम के धर्धीन कर देने के भन्तरक के दायिस्थ में कमो अस्ते या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

11 = 176G1/82

(1) श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री बिशन सिंह, निवासी—नजफ गढ़, दिल्नी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह
मुप्तुव श्री श्रात्मा सिंह
महर सिंह और कुलदीप कुमार जुलका,
तिसासी—ई-37, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिद्या 17-2/3 बिस्वे, खमरा नं० 11/8, स्थापित ग्राम---नजफ गढ़, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 15-6-1982

प्रस्प आहा. टो. एस. एस.----

269-प (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्राक्षण)

प्रार्थन रेंज-2, नई दिल्ली

ृनई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/10-81/5912---यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूभि है तथा जो नजफ गढ़, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर,

को पूर्वीक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्रियमान प्रतिफल से, एस द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रति-क्ष्प से कथित नहीं किया गया हैं:~~

- (क) अन्तरण मं हुइ किमी बाय का खंडत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य अपितयां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिव्याने भासिया के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुमरण मी, मी, उक्ता अधिनियम की धारा 269-च की उपध्यास (1) के अधीन, निम्नतिसिक्ष व्यक्तियों, अधीत :—- (1) श्री रोशन लाल सुपुन्न श्री बिशन सिंह, निवासी-—गग्मःनजफ गढ़, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रणजीत मिह मुपुत्र श्री श्रात्मा मिह, मेहर सिह श्रौर कुलदीप कुमार निवासी—ई-37, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की संग्रिक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारों अधोहरताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों जीर पर्यों का, 'को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में धूर्पीरभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी । विघा 17-2/3 विस्थे, खगरा नं० 11/8, ग्राम—नजफ गढ, दिल्ली ।

मरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहारकः आयकार आय्वत (निर्शक्षण) धर्जन रेज-2, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख : 15-6-1982

प्रकण भार्च . टी . एन . एस . ------

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश सं० द्याई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-द्यार०-2/10-81/6054—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चाक् 'उकत अधिनियम', कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के पश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एंसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्न्नह प्रतिकात से अधिक हैं और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकष्ठ निम्निलिखित उच्चिय से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं---

- (क) जन्तरण संशुर्द किसी बाय की बाबत, उक्त जीवनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बामित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के जिए; जीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्थियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृत्रिधा के लिए

(1) श्री रामा नन्द श्रौर रूप चन्द सुपुत श्री बुद्धा निवासी—-ग्राम—-सिरसपुर, दिस्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्षमी नरायण शर्मा सुपुत्र श्री रामजी लाल, निवासी—ए-119, शास्त्री नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्योहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

स्वध्वीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि सादादी 3 बिधे 19 बिस्बे, खसरा न० 39, ग्राम---सिरसपुर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई गिल्ली-110002

अत अब, उक्त अधिनियम का धारा 269 ग की प्रमूसरण में, में, उक्त मिशियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिकित स्मिक्तमों, अभीत्:——

तारीख 25-5-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

ानदश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/10-81/6036--यत:, मुझे, नरेन्द्र सिह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भृमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तरियक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण म हुर्इ किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृविशा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा

(1) श्री श्याम लाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद श्रीर गोरधन सुपुत्र श्री बारू सिह निवासी—ग्राम सिरसपर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पिशोरी लाल मुपुत्र श्री देस राज, निवासी---सिरमपर. दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाद्विया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, शही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बिघे 10 बिस्थे, स्थापित---ग्राम सिरसापुर, दिल्ली।

> सक्षम प्राधिकारो सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के जनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

नारी**ख** : 25-5-1982

प्रकप आई • टी • एव • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निदण सं० आई० ए० मी०/एक्यू० 2/एस० आर०-2/10-81/6041---यत , मुझे, नरेन्द्र सिह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही,, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा में अधिक ही

श्रीर जिसकी मख्या दुर्गप भृमि है नथा जो ग्राम णामेपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विल्ली में है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

वतः जन, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् .-- (1) श्री महिन्दर यादव सुपुत्र श्री नैयदेव सिंह, निवासी—शामेपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रयन्ती लाल सुपुत्र श्री चसुर भूज राम. निवासी—भाग-2, 121 गुजरनवाला टाउन, दिस्ली-33

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- त्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूर्च।

भूमि लादादी 2 बिघं ७ विस्थे (2300 वर्गगज), खसरा न० 34/12, 34/13, ग्राम णामेपुर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारी राहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

ता**रीख**: 25-5-1982

मोहर

प्रस्प अहा. टो. **एत. एस.----**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रे ज-2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० स10/एस्यू०/2/एस०-ग्राप०-2/10-81/6033—यतः मुझे, नरेन्द्र सिह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी कां, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रन. से अधिक है

ग्रौर जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जा ग्राम श्रालापुर, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्राकर्ता ग्राधिकार, क कार्यालय, नई दिल्ला में राजिस्ट्राकरण ग्राधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अर्थान नाराख श्रक्तुवर, 1981

का पूर्वा क्त सपत्ति के उचित बाजार मल्य स कम के रूरयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिता) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति मे बारतिक रूप स कि पत नहीं किया गया है —

- (क) मृत्यरण वं इन्दं कियी बाद की वाबत, उपत् अमृत्यत्व के ब्योग कर वीने के श्रांतरक के वासित्य में कवी करने या उत्तवे वचने में सुविधा के सिए; अपि/वा
- (क) सुची किसी बाज वा किसी वह वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रधाननार्थ धन्तिरो दिस्या प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियान मा स्विता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की थाएँ 269-ण के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् '--

- (1) श्रा पाम जानवाप मुप्त श्री रूप चन्द
 - (2) श्रीभाराः भानतीः देवी ग्रीर
 - (3) श्रामता चाद कीर मुपुत्ती श्री जय लाल, निवास — श्रलं पुर दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

के० बा० बी० एस० एसोसिएटस,
 25-डिपुटी गज,
 दिल्ला ।

(ब्रारा 4 भागीद(री,)

(अन्तरितः)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवर्षकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होना को उस सभाव में दिया क्या है।

<u> मनुस्</u>ची

हिष भूमि तादादी 8 विघे 16 विस्वे, खमरा न० 1430 स्रोग 1434/2, स्राम-प्रलेसिंग्र, दिल्ली ।

नरेन्द्र गिष्ट

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, विल्ली, नई विल्लो-110002

E. .1000

मोहार

सारा**ख**: 25 ·5-1982

प्ररूप आर्च.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण</mark>)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई दिल्लाः, दिनाक 21 जुन । 1982

निर्देण मं० ब्राई० ए० सः । एक्यू । / 2/एम० व्याप० - 2/10 - 81/5943-ब्रान. मुझे, नरन्द्र शिह,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-स के अधीन भक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ का संगीत है

श्रीर जिसका संख्या अपि भूमि है तथा जो ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली में स्वित है (ग्रांग इतन उपात्रद्ध सनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रावर्ता प्रधिकार: के आर्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्राक्टण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरिस की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रति- कन निम्नतिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतिक स बाम्सविक सम से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावस, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आप-अर र्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूचिधा के लिए;

अत[्] अब्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क**े अ**भीन, निम्न**मिक्ति स्पक्तियों सर्भात्**:-- (1) श्री मोहन लाल सुपुत्र श्रा नेत राम, निवासी ग्राम णामपुर, जिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा वृज मोहन मृपुत्र श्री मुंशा जाल, निवासा-ई-10, मा०मा० कालीनी, दिल्ली

(भ्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्थाव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि तादादो । १९० वर्गगज, स्थापित लिबासपुर, दिल्ल;

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ला-110002

नारीख: 21-6-82

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आपंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय महागक आययार आययत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, नई (दल्ल। नई दिल्ली, दिनाक 21 जुन 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० म(०/एब्यू०/2/एम० ग्राए०-2/10-81/5978---श्रतः मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिस जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

ग्रीप जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जो राम लिबासपुर, बिल्ली में नियत है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्टूबर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रष्ठीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐती किमी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 {1922 का 11} या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, उक्त भ्रिष्ठिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण लें, में, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिष्ठीन निम्निजिलिस काकित्यों, ग्रायति :--

- (1) श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री नेत राम, श्री बिरबल सिंह सुपुत्र श्री दीघा राम, ितासी णामेपुर, दिल्ली, र्ज ० ए० श्री मुख्तियार मुपुत्र श्री टोटा.
 - (भ्रन्तभ्यः)
- (2) श्राराम प्रकाण महेण्वरी भृष्व श्री कपूर चंन्द्र महेण्वरा निवासी 14/224 गुर की मंदी, फुलेटी बाजार, श्रागरा

(अन्यरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्यख्दीकरण :---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त, अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1260 वर्गगज, खसरा मं० 25/24, ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 21-6-82

भारत मरागर

कार्यागय, गहासक अस तर जासका (निरीरण)

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनातः 21 जून 1982

निर्देश मं० बाई० ए० मी०/एवयू०/2/एम०—श्रार०--2/10-81/6040---श्रत. मुझे, नरेन्ट सिह,

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी की, '' विश्वान प्रते का कारण है कि स्थावर संग्रीत जिसना उचित बाजार मुन्य 25,000/-ग० से अधिक है

स्रोर जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जो स्राम लिबासपुर, दिल्ला में स्थित है (स्रोप डरामें उपाबद्ध शतुगुचा में स्रोप पूर्व रूप ने विणत है), रिजम्हीरती याध्यारी के पार्यालय नर्ड दिल्ले में भारताय रिजस्ट्राकरण पिधिनियम, 1908 (1009 1116) के प्रधान तारीख श्रक्तूबर, 81 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के िए प्रकारित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निर्मालिखन गया प्रतिकल निर्मालिखन गर्देश ने अन्तर प्रमारण विधित से अस्तिक क्या में कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने तुई किसी आग की बाबन लबत अज्ञिनियम के शद्वीन कर देने ने जन्तरक के दाराह्य ए कमी करन या उसन्य उचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीं ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरितो ग्रारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री बसन्त लाग सुपुत्र श्री पिन्हो दास , निषासी ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली जी० ए० श्री निहास सिह सुपुत श्री शिण शाम, निवासी लियासपुर, जिल्ला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिती शकुन्तला गुप्ता पत्नी श्रो राम निवास, निवासी-4/47, रूप नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ो 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन ए श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्प होगा जो उस ग्रध्माय में दिशा गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 विघा श्रीर 5 विश्वे, (1260 वर्गगज) खसरा त० 25/5 ग्रराम लिबासपुर,दिल्ली

> नरेन्द्र भिह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आध्कत (निर्माक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नाराखाः 21-6-82

भाह्ना

प्रकृप नार्दं. टी. एन्. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सो०/एवयू०/2/एस० ग्राप०-2/10-81/6014--ग्रतः मुझे, नरेन्द्रसिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या छुषि भूमि है तथा जो ग्राम निवासपुर, दिरुलं। में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय नई दिरुली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन सारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रो अश्वानी शर्मा मुपुत्रश्री हरसंग लाल, निवासी ग्राम-ग्रामेपुर, दिल्ली जीवाएं स्वमंग्रीर श्री मनफूल सिह, मुपुत्रश्रीदीय चन्द
- (2) श्रा इन्दर जीत मुपुत श्री कृष्म लाल, निवासी-मकान नं फाटक, नमक, होज काजी, दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नमील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि तादादी 15 विश्वे, (750 वर्गगण) खमरा नं० 27/25, स्थापित ग्राम-लिखामपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

নাই(জা: 21-6-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनॉक 21 जून 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/एक्यू० 2/एस०ग्रार-2/ 10-81/5972--श्रत मुझे नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पत्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से अधिक हो

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिवासपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में (विणित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भारतीय दिनांक श्रक्तुवर 1981

को पूर्वा क्त सम्पतित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्व ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित म बास्नविक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिय; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अतः अबः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग् के अनुसरण मे, मी, उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अभित् :-- श्री तरिवन्दर पाल सिंह सुपुत श्री विभीत्तर सिंह, निवासी गुजरवाल, जिला लुधियाना ।

(श्रन्सरक)

2 श्री गुरबीर सिंह, मुपुत्र श्री श्रवतार सिंह श्रीर श्री हरिवन्दर्रासह मुपुत्र श्री अवतार सिंह निव(सी 16/14 पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन क लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना क राजपन मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिस्ति मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण — इसम प्रयुक्त रब्दो और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षत्रफल 18 विक्वे (900 वर्गगज) खसरा न० 24/1 ग्राम लिवासपुर विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 4, दिल्ली नई दिल्ली 110002

नाराखः 21- 6-1982

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून, 1982

निर्वेश स० अंडि॰ ए० मी॰ /एक्यू 2/एस॰ ग्रार०-2/10-81/6003 श्रतः मुझ, नरेन्द्रसिंह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इझमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्रलिपुर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उत्तबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रमतुबर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित जुद्देश्य में उक्त अन्तरण कि मिन्नलिसित जुद्देश्य में उक्त अन्तरण कि सिन्न में बास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सृत्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिशा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपनारा (1) को सुधीन्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री फतेह् ग्रीर हुकमी सुपुत्र श्री राम सरूप, श्रौर राज रूप सुपुत्र श्री शिबन, निवासी ग्राम श्रलिपुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री धनश्याम दास भाजनीया, . निवासी ए-29, मी० सी० कालोनी, दिल्ली । (अन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति स्योक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

भूमि तादादी 1 बीघा, 17 विस्वे, स्थापित ग्राम ग्रिलिपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> स्रर्जन रेंज-दिल्ली 2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 21-6-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजंन रज 2 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 25 मर्ट 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/ग्ल्यू० 2/ग्ल०ग्रार०-2/10-81/ 6037—ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

श्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसने उपावद्ध ग्रनुभूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 व। 16) के ग्रीधीन दिनाक ग्रक्तूबर, 1981

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सर्पत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे एक्समान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन दिस्तिविखित व्यक्तिया अर्थातु -- श्री राज सिंह, हुकम चन्द मुपुत श्री जगराम, निवासी ग्राम मटियाला, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2 श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री दरबारा सिंह, निवासी 211/4, पदम नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त संपत्ति के अजन क लिए कार्यवाहिया करता हो।

जक्त सर्पात्त कं अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र्भाम तादादी 13 विस्वे, स्थापित ग्राम पालम, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह् सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली 110002

नारीख ' 25-5-1982 मोहर ' प्ररूप आही. टी. एन एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रज 🕹, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश म० ग्राई० ए.० मी०/एक्यू०2/एम०ग्रार०-2/10-81/6050—ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी क कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक ग्रक्तूवर, 1981

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफाल सं, एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरित (अतरिका) और अतरिती (अतिरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत , अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ——

- श्री णिवराज, मिनराम सुपुत्र श्री मगत राम, दमा चन्द, हस राज, वेद राज, गज, राज सुपुत्र श्री भोजी राम, मगतराम, भोजी राम, मुपुत्र श्री हरदेव निवासी ग्राम श्रीर पो० लिवासपुर दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री परमीद कुमार मुपुत श्री नरेण कुमार सुपुत श्री राम प्रमाद निवामी 109/2/एच, ब्लाक-ए सी० सी० कालोनी, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

भूमि तादादी 1720 वर्ग गज, खसरा न० 30/5, ग्राम---लिबामपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख 21-6-1982 मोहर मरूप आहा. टी. एन. एस -----

मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एम०ग्रार०-2/10-81/6011—ग्रत मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके परवात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित वाजार मेल्य 25,000/-रु. सै अधिक है

ग्रीर जिसकी मं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है ग्रीर अस्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरूप के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनरण लिखित में वास्त्रविक रूप से क्षात न्दीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण त हुई हिमी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रश्तरक के दायित्व वं हभी करने या उसने बचने में मुक्किश के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राथ या किसी घत या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर ब्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धनकर ब्रिधितियम, या धनकर ब्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत. ग्रन, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री मनगोहन लाल सुपुत श्री राम दाम, निवामी 14/32, पंजाबी बाग, दिल्ली

(श्रन्तरक)

3 श्रीमती राजा रानी पत्नी श्री काश्मीरी लाल, श्रमवाल निवासी २-ए, न्यू गोविन्द गह जालन्धर, पाजान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रंकित सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हू।

उन्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इ स्यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्रत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिनवः किसी श्रन्य व्यक्ति हारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुवन अव्हों ग्रौर पदों का, जो उवत ग्राधिन नियम के ग्राध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही ग्रायें होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि तादाधी 1 बीघे 17 बिस्वे, ग्राम टिकरी कला, दिल्ली खमरा नं० 1132, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरोजण) मजीन रेज-2, दिल्ली. नई दिल्ली-110002

नारीख: 21-6-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जुन 1982

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एवयू०-2/एम०म्रार०-2/10-81/6051—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण ६५ से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिभारी के मार्थिक मार्थिक में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्सूबर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नोलिसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे वचने में मृदिधा के लिए और/या
- (ख) एसी नैकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अतः जब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अधितु :---

 श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री सुरज प्रसाव, निवासी नजफगढ़, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

२ रेक एफ०-धार०-प्रत्योनी थेग काबील एम० डी० बी० मृपुत्र थी । रकेय थेडीगाराम्बील, निवामी डान बीमको दैशनिका नि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पन्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- क) इन सचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि । व में समाण होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के राम कि राम का कि किसी के स्थाय का सकर्ण।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी श्रोखला, दिल्ली स्थापित-ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्ष्म ग्रिधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982 मोहर: प्ररूप आई. डी एन एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2'5 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/10-81/ 6043---अत: मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शामेपुर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रम्तूबर, 1981

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अन्य था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13--176GI/82

1. श्री महेन्दर याद्यल सुपुत्र स्वर्गीय श्री नैदर सिंह, निवासी ग्राम शामपुर, दिल्ली जी० ए० श्री जानकीवास सुपुत्र श्री जदेमल श्रीर श्रोमश्रकाश श्रीर श्रा रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री देवी दास, निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

 श्री भारत राम सुपुत्त श्री प्रसादी राम, निवासी 121 भाग-2 गुजरनवाला टाउन, दिल्ली-33

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-बाहियां करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि तादादी 1 बीघा (1000 वर्ग गज) खसरा नं० 34/12 श्रीर 13. स्थापित-ग्राम-शामगुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०-2/एम०ग्रार०-2/10-81/ 5823—म्प्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी विल्ली में स्थित है (ग्रौर इभने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में विज्ञ है) रिजिङ्डी हर्ना श्रीध करेरी के कार्याचय नई दिल्ली में रिजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन श्रक्तुवर, 1981

कें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिगठन के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य मे कथित नहीं किया गया है:--

- क) अन्तरण से हुई िकयी आयं की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- को, ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्लियाने में सन्या के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

 श्री सांग्ती संबद्धप सुपुत्र श्री शिवदमाल, निवामी ग्राम बुरागी, दिल्ली प्रणासन दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कैलाण चन्द गुप्ता सुपुत्र श्री शिव प्रसाद निवामी मी-5/4, राणा प्रताप बाग, विल्ली (अन्तरिती)

का यह स्वता जारी करके पृथाँकत सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्य में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, क भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता गरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ग्र**नुसूची**

कृषि भूमि 18 विषये खसरा नं० 475 ग्राम बुरारी विल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन-रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

न(रॉक: 25-5-1982

मोहर

प्रस्य बाइ^{*}.टी.**एन.एस**.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ला दिनांस 25 मई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सा०/एक्यू०-2/एस०श्रा४०-2/10-81/6056—प्रतः मुझे, नरेन्द्रसिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

म्रीर जिलकः संब हापि भूमि है तथा जो ग्राम घेवारा, दिस्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारो के कार्यालय नई दिल्ली में राजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वों कर सम्पतित के जीवत बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, जसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्त-धिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दान के असारक ठं वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री प्यारे लाल सुपुत्र श्री राम दत्ता निवासी ग्राम घेवरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री गंगा विश्वन गुप्ता, सुपुत्र श्री कार्ला सम, निवासो ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ला । (श्रन्तरिता)

को यह सुचना जारो करके पृथंकित संपरित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांडे भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

ष्ट्रांष भूमि तादादी 8 बीघे 12 बिस्वे, ग्राम घेवरा. दिल्लो ।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-2, नई दिल्ली-110002

भारीखाः 25-5-1982

प्ररूप बाह्र टी एन एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्**भ**ना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/10-81/6032--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

श्रौर जिसका सं० 23, डब्ल्यू० जैड 40/ए है, तथा जो मीनाक्षी गार्डेन, ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्रवतूबर, 1981

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय को बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 अभेमती उषारानी खन्ना पत्नी श्री ब्रज मोहन खन्ना निवासी खब्ल्यू-जेड-40/ए, मीनाशी गार्डेन, नर्ष दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रा अवतार सिंह माकन, सुपुत्न श्री स्वर्गीय श्री मूलचन्द राज माकन, निवासी डी-78, श्रजय इन्कलेब, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 23, डब्स्यू-जैड-40/ए, मीनार्का गार्डेन, नई दिल्ली, ग्राम तिहाड़, एरिया, 133.33 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज 2, नई दिस्सी-110002

ता**रीख** 21-6-1982

माहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस:-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०-2/ए स०आर०-2/10-81/ 6031—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवासा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय न ई दिल्ली में रिजस्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

का पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की दिई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित रहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात :--- भी मीर सिंह सुपुत्र भी घेर सिंह घौर श्री वयानच्च सुपुत्र भी किमानलाल ग्राम नवादा, दिस्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री राज गुप्ता, सुपुत्र श्री ग्रार०पी० गुप्ता, श्रीर ग्रार०पी० गुप्ता, सुपुत्र श्री फतेह धन्द निवासी डब्ल्यू-जेख-10 रतन पार्क दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

भूमि तावावी, 12 बिश्वे, स्थापित ग्राम नवादा,दिस्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

नारोख: 21-6-1982

प्रक्रम बाइ. टी. युन्, एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०म्रार०-2/10-81/ 6029—म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरमपुर, विल्ली में स्थित ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) रजिस्ट्री क्रित श्रिधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नलिशित उद्योष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) बन्धरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ब्रुधीन कर दोने के बन्धरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीद/या
- (क) एसी किसी अप्रय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह निवासः ग्राम हैदरपुर, दिल्ली जी० श्री नेकी राम सुपुत्र श्री उदमी निवासी ग्राम सिरमपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री भगवान गायल सुपुत्र श्री काशा राम, निवासी 1795, राम गर्ला, मोहन गंज, सब्जी मंडो, दिस्ती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बीघा (1000 वर्ग गज) खसरा नं० 583, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज २, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982 मोहर: प्रकथ आहाँ. टी. एन. एस. ------

अग्रयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धर्मीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/10-81/6028—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के प्रधीन समय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छन्तित बाजार मूख्य 25,000/-से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

को पृयोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मालिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्तिक रूप स किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के प्रस्तरक के शिवस्त में कमी करने या छ छमे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिश्हें भारतीय भाय-जर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के निए;

अब. उन्त तीधानयम की घारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री जगमल सिंह सुपुत श्री खजान सिंह निवासी ग्राम हैदरपुर, दिल्ली जी० ए०, श्री नेकी राम सुपुत श्री उदमी निवासी ग्राम सिन्सपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

थे। मितर सिंह सुपुत्र श्री राम चन्दर, मार्फन श्री राम कुमार जैन, निवासी 140, पंजाबी मोहल्ला, घंटाघर, सब्जा मंजी, दिल्ली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पन्ति क अजन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शख्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि सादाची, 1 बीवा (1000 वर्ग गज), खसरा मं० 582, ग्राम सिरमपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

पक्षप आर्ड टी एन आएम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०मार०-2/10-81 5875—म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रियला, दिल्ली में स्थित है (भौर इपसे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणा है) रजिस्द्रोकर्ती श्रीधकारों के कार्यात्रय नई दिल्ली में रजिस्द्रोकरण श्रीधित्रयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधा दिमांक धक्तुवर् 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की धावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की रपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—- श्री ह्रीपाल, नाहर सिंह, धरम सिंह, राम पाल, प्रेमवती मुप्त श्री अमर सिंह,

(अन्तरक)

2 श्रीमतं मालतं वेर्वा, पत्नं श्री मदनलाल ग्रीर श्राणा रानी पत्नी श्री भागारयो निवासी 1545 रानी बाग, शक्र बस्ती, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिल्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाचाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

कृषि भूमि तादाक्षी, 1 बीघा 2 बिश्वे, खसरा नं ० 943/1, 943/2, स्थापित ग्राम रियला दिल्लो ।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली-110002

ना**रीख 21-6-198**2

मोह्नर:

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

प्र⊦पकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च(1) के **प्रधीत सूचता**

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज 2. नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निदेण म० म्राई० ए० मा०/एक्यू-2/एम०म्रार०-2/10-81/ 6100--म्रातः मुझे, नरेन्द्र मिह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् ¹उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ए० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विलित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्राकरण ग्रीधिनिंग्म 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में बास्तिक कप मे कियत नहीं किया गया है;—

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व से कसी करन या उससे बचने में मुक्तिशा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती बसन्ती पत्नी स्वर्गीय श्री देणराम, |नवासी गाम पालम, सई दिल्ली । (अन्तरक)
- शामतो प्रभा देवी पत्नी श्रां सम्बण कुमाप, निवासी-डो-30, रामदत इन्कलेव, उत्तम नगप, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहक्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पवतीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वोक्ता, जी अकत अधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

अभसची

कृषि भूमि तादादी 10 विषये, खसरा नं 0.05/1.5/1, स्थापित , ग्राम पालम, नई दिल्लो ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली-110002

तारीज : 21-6-1982 मोहर प्ररूप आई० टी० एन• एस•---

श्रायकर श्र**धिनियम, 196**: (1961 का 43) की धार। 269-थ () के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्गालय, महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ला,दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सं०/एक्य्०/2/एस०ग्रार०-2/10-81/6091—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त यिश्वनियम' हा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

बाजार मृहय 25,000/-रपने से अधिक है

का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

श्रांग जिसकी संव कृषि भूमि है तथा जो मिरजापुर , दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबध श्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है) गिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई, दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है शौर प्रस्तरक (अन्तरकों) शौर पन्तरितों (अन्तरितों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य मे छुन अन्तरण लिखित में वास्तिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत **उन्त प्रधि**-नियम के प्रधीन कर देने क अन्तरक के दायित्य म कमी करने था उसमे बचने में सुविधा के लिए ; और/य।
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, श्रव, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ब्रन्-सरण में, में उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारम (1) के अधीन निम्निक्खित व्यक्तियों, अर्थान:—— शि रिणी कुमार, णिवकुमार, कृष्ण कुमार, ह्री कुमार, छोटे लाल, सुपुत्रगण श्री चान्दगी राम, मुपुत्र श्री समीर सिंह, पृथ्वाराज, रघुनीर सिंह, सुपुत्र श्री तेजराम, निवामी ग्राम श्रीर पो० पालम, विल्ली ।

(ग्रन्तरक्)

2. श्रा जवाहर सिंह सुपुत्र श्री साह्य मिह निवासी ग्राम डाबरी, दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उयन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सुबता के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को प्रविध या तत्संबंधों व्यक्तियों पर सुबता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों कें स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्वस्ताक्षरी के पान निखित में किए जा सकेंगे।

म्बब्दोकरण:---इसर्ने प्रयुक्त प्राब्दों धौर पदों का. जो उक्त ग्राधि-निगम के ग्रष्ट्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा,जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादा, 4 बिघे, 16 बिश्वे, ग्राम मिरजापुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारा महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 21-6-1982

प्ररूप आइ° टी एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश स ० श्राई० ए० सी ०/ए क्यू-2/एस०श्रार०-2/10-81/ 6136---श्रतः सुन्ने, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी में कृषि भूमि है तथा जो मिरजापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) जिल्हीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन, निम्लेशित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) को अधीर, निम्निनित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री भोला, श्रीमती ब्रह्मोदेवा सुपुत्री श्रीमता चुनीयाँ पत्नी श्री भागवाना, निवासो—-लाधोत जिला—-रोहतक, एण्ड ग्राम—-पालम, नई दिल्ला श्रींग चुन्नी लाल सुपुत्र श्रा कुल सिंह निवासी—-पालम, नई दिल्ली-45 । (ग्रन्तरक)
- 2 श्री पी के के समल सुपुत्र श्री एस० एस० समल, निवास:—वेनहोइ 139, बैंक्बैय रीकले मेणन, बम्बई-21।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण —-इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाधी, 4 बीघे 16 बिस्थे, खसरा नं० 33/16, मिरजापुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्राप०-2/10-81/ 6135---श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/• रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० भूमि है तथा जो ग्राम—मिरजापुर, दिल्लो प्रशासन विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक श्रक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का क रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण म हुई किसो ग्राय की बाबत जक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसो कि । अप आ किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रक्रितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः थवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, इस अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री खजान सिंह मुपुत्र श्री भोला, निवासी—-ग्राम पालम, नई दिल्ली।
 - (2) श्रीमती ब्रह्मो देवो, मुपुत्ती श्रीमती चुनिया, पत्नी श्री भगवाना, निवासो—नाधन, जिला रोहनक ग्रीर पालम. नई दिल्ली ।
 - (3) श्री चुनी लाल सुपुत्र श्री फूल सिह, निवासी—ग्राम गलम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी किरण सुपुत्री श्रां पो० के० समल, निवासी----इवनहाई, 139 बैकबेय, रीकलेमेटिक, बम्बई-21।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की मवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तं स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त प्रश्वितयम के प्रध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अये होगा, जो उन अध्याप में (द्रया गया है।

मनसची ।

कृषि भूमि तादादी 4-12 खसरा नं० 32/20/4(0-19), 33/25/1, एम०जी॰एल०-11, 33/25/3, एम-जी-1-1, 33/25/4, एम०जी-1-1, मिरजापुर दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

नरेन्द्र सिहे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नद्दी दिल्ला-110002

नारीख: 21-6-1982

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 2

भाषाल, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश स० श्रार्ड ए० मी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/10-81/ 5836—श्रत मुझे नरेन्द्र सिंह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वर्ग धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वृषिभूमि है तथा जो ग्राम ककरीला, दिल्ला में स्थित है (श्रीण इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीन दिनाक श्रवट्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप में कथित महीं किया पया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम का धारा 260-म के अनुसरण में मी, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री उमसाव सिंह मपुत्र श्री नेकी राम, निवासी भाहाबाद पालम, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरबम रानी केहर पत्नी श्री श्रार० एल० केहर, निवासी-बी-1/632, जनकपुरी दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीनन सम्पत्ति के धर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में कित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिः नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अभवाची

ग्रांप भूमि तादादी 4 बोधे 1 बिखे, किला नं० 28/20, ग्राम ककरौला दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रीधकारी, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 21-6-82 मोहर :

प्ररूप मार्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2

नई विल्लीं, दिनांक 25 मई 1982

निर्देण सं० म्राई०ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/10-81/ 6939—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ककरौला, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्व का रेविंगत है) रिजस्ट्री कर्ती स्रिधकार्र के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्राधीन दिनौंक स्रक्तूबर 1981

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकीं) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक क्ष से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जबत अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा को लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थीत् रू— श्री बलवान सिंह सपुत श्री राम सिंह, निवासी-ग्राम-नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सूरज भान गोयल सुपुत्र श्री नाई राम,

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भ्मि तादादी, 2 बोधे 4 बिग्ये खसरा मं० 27/17, स्थापित ग्राम-ककरौला, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख 25-5-1982 मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2

नई दिल्लो, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2 एस०/ग्रार-2/10-81/5859--- ग्रसः मुझे, नरेन्द्र सिंह श्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के

अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समेपुर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उगबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रजिद्र। कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई ल्लिंग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक ग्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धोर अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्तिक्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिया गया है:--

- (क्त) भन्तरण सं दुई किसी ग्राय की बाबत उसर श्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमो करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, वा धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री महीन्दर यादव सुपुत्र श्री नैदरसिंह, निवासा-ग्राम-समैपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 शा कमल कुमार श्रग्रवाल मुपुत्र श्री गोकल चन्द अग्रवाल , निवासी- 1110 तथा वाजार, पहला मंजिल, दिल्ली। (ग्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधिया त'सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामाल से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर **पूर्वीक्**त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही द्वार्ष होगा, जो उस प्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूनि तादादा ३ वीघे (३००० वर्गगज) नं० 33/9, 33/12, ग्राम-समेपुर दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब अवस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के

अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 25-5-1982

प्ररूप बाइ . टी, एन एस -----

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2

नई दिल्ला, दिनाव 25 मई 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/एम० ग्रार०-2/10-81/6094--- ग्रन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

स्रोर जिसक। स० वृषि भूमि है तथा जो स्नाम खार-खार, रोड, दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपावद्ध स्नुसूर्वी मे स्रोर पूर्ण रूप मे विलित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्निधियारों के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकण स्निधितयम 1908 (1908 का 16) के स्निधित दिनाय सक्तुबर, 1981

को पूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसिन में वास्त्रिक रूप से किथा गया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थार—

1 श्री रामनाय और राममेहर सुपुत्र श्रा स्ताम, जिल्लामी आग भी पो प्राप्तिकाण जहसीन महरौली, दिल्ली

(अन्तरः)

थ। प्रेम चन्द्र सुपुत श्री चरन सिह निवासं ग्राम-ग्रीर पो० वमन(ली, दिल्ला । (ग्रन्त रिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की उविध गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

कृषि भूमि 44 बीघे 5 विश्वे ग्राम-खार-खारी रोड, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह् मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-1100/

नारोख: 25-5-1982

मोहर

प्ररूप आई० टी० एत० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत मर ार

कार्यालय, महायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्राप०-2/10-81/5885---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार भूट्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जटिकरा, दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपावक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता श्रीध कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिव्ट्री हरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वीक्न संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण मे तुई किसी प्राप्त की बाबन उक्स मिलि नियम के मिलिन कर देने के मन्सरक के दार्थित्व में कम! करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐता किसो प्राप्त मा किसा धन या मन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्तमम, वा धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मृबिधा के लिए,

मत: म्रज, उक्त प्रवितियम का धारा 249-ग के प्रतृप्तरण मं, में, उक्त पश्चितियम की धारा 269-य की उपचारा (1) के महोत्त, निम्नलिखित अपस्तियों, अर्थात ---15—176GI/82 श्री राम नरायण, सुपुत श्री माक्सनिनासीः ग्राम-जटिकराः, दिल्लो

(ब्रन्तरक)

2. कुमारी पूना मंगानी, सुपुत्री श्री एन० ए०० मंगामी, निवासा-ए-5-सी/28-ए. जनकपुरी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के चिए कार्यवाहियों करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी बासे 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ब्रह्मोइस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों जा, खो उत्तत श्रक्षित्रयम के ग्रन्याय 20-क में परिचालित है. वहीं श्रषं होगा जो उस श्रन्याय में विशा गया है।

अभूस्ची

कृषि भूमि तादादी 13 बंबि, 8 बिस्बे, रक्ट नं० 26, खनरा नं० 1,खसरा नं 2, 3/1, रेक्ट नं० 22, खनरा नं० 21/2 ग्राम जटिकरा दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तार(ख: 25-5-1982

४स्प आ**र्**टी.एन एम.-----

डायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०म्रार०~2/10-81/6038—म्रत मुझे नरेन्द्र निह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/रा संअधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ककरौला, दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप स वर्गेगा है) रोज द्वी कार्यी क्रियेलिय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक श्रक्तूबर, 1981

का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्चाप करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए स्य पाया म्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से की बत नहीं दिक्या गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा को लए, और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्रियिन्दम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भा, मो, जनत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— श्री बलवान सिंह सुपुत्र श्री रामिसह निवासी ग्राम नवादा, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2 ्श्रा सूरजमान गांयत्र सृपुत्र श्री हरी राम निवासी डब्ल्यू जेड-13 बमईवारापुर, दिल्ली (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्वीय वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 बिन की बंबीय, थो भी वर्वीय बाव में समान्त झेती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा एकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, बो उसते अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्त्ची

भूमि तावाधी 2 बीघे 16 बिस्वे खसरा नं 27/18, ग्राम ककरौला दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

> नरेन्द्र मिह्र सक्षम शाधिकारी सहायक्त ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2

मई विल्ली, विनोक 25 मई, 1982

निर्देश सं भाई० ए० सी०/एक्ट्र०-2/एस०भार०-2/10-81/6052--भतः मुझे नरेन्द्र सिंह

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके क्रवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्तों ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रन्तुवर 1981

को पूर्वों कर संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिव्स के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करमें या उससे ब्यने में सुणिधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भो, नी, अन्तर बहुनिन्दन की पाछ 260-छ की स्नृदाद्धा (1) को न्धीन, निस्नृत्तिस्त स्वानितर्ग, न्धात्ः— श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री सूरज प्रकाण, निवावी नजफगढ दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री फादर एन्यनी, थाइपाराम्बल एस० डी० बी० सुपुत्र मि० वर्केय थाइपा राम्बल निवासी डी० बी० टेकनिकल इन्टीच्यूट, ग्रोखला, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को वह सूचना बारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त बंपरित के वर्षन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्ची

भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिस्वे ग्राम नजफगढ़, दिल्ली

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रयाकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982

प्**रुप्, शरह**े, द्वी. पुत्र. **एव**ं ------

कामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2

नई दिल्लो, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/पक्यू सं०-1एस०ग्रार-2/10-81/5813—न्य्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हो), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000 रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नको सं० कृषिभूमि है तथा जो ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रांकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कलित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्डिंगा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

ं जतः सब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपभास (1) की अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- श्री बकशोश सिष्ट् सुपुत श्री खूशाल सिष्ट निव.सी सी-7/335, जनकपुरी, नई दिस्मी (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री सुभाष जैन, निवासी शिवाजी मार्ग, नजफगढ़, दिल्सी (ग्रन्तरिती)

स्त्रोयहसूचना जारी करकेपूर्वों क्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-विष्य व्यक्ति वृद्यारा अधाहेस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्त्वी

कृषि भूमि तादादी 7 बीधे 12 बिस्वे, स्थापित ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली खसरा नं॰ 307, 308, 309

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज।2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मे।**री**थ 21-6-1982 मोहर: अकप प्राई० टी० एन∙ एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

ऋर्जन रेंज-2 नई दिल्ली,दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एस्यू ०/2/एस०ग्रार०-2/10-

81/6003—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क्ष के अधीन सक्षम शिक्षकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये में धिक है

स्रीर जिपकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होतम्बी कला, दिल्ली में स्थित है (ग्रांश इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है) जो रिजस्ट्राकृती प्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ल, में श्रिस्ट्री एण ऋधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवान दिल्ली स्वनूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के जिंचत बाजार मूल्य स कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसा आप की बाबन अक्त म्राह्मिक नियम के मधीन कर देने के श्रस्तरक के वाणिश्व में आधी। करने या उससे बचने में मुविधा के लिए भौर/या
- (क्ष) ऐनी किसी आप या किथी धन या अन्य आस्तियौं को; जिन्हें भारतीय ग्रांसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, **बब, उन्त अधिनियम**, की धारा की 269-गके स्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, स्वर्णत !-- श्रा जगजात सिंह सुपुत श्राराम सस्प, निवासी ग्राम होलम्बा खुर्द दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगर्दाण चन्दर सुपुत्र श्रा संत राम, निवासी बी-63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, जी टी रोड, करनाल दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्त में हितबब |किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताकारी के पाम |लिखित में किए जा सर्वेग ।

स्प्रध्यां करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि तादादी, 7 बीघे 17 बिस्वे, ग्राम् होलम्बी कंलॉ दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी, कर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

प्ररूप काई टी एन. एस -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सं10/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-81/5788—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रिथला, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्चों में पूर्ण रूप में विज्त है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ला में रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूष से कथित नहीं किया गया है है =--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड़/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अ्तः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के जनुसरण् भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-मुकी उपधारा (1) के अधीन् क्रिम्नलिखित व्यक्तियं, अर्थास् ह— रमेण्यर श्रोर राम मेहर, सुपुत्र श्री बलवन्त निवासी ग्राम रिथला, दिल्लो ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा ग्रोमप्रकाश सुपुत्र स्वर्गीय श्रो रामगोपाल जी निवासी सो-151, नरायणा, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 10 बीचे 4 विस्त्रे, स्थापित-ग्राम रिथला दिल्ली।

> नरेन्द्र मिह सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली 110002.

तरोख: 25-5-1982

मोहर

अस्य आहे तो एन एस ────

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षीय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त

ध्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली , दिनांक 25 मई 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०री०-2/एस०श्रार०-2/ 10-81/6106—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

कां प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के गिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक कर्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्त्रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

- श्रीमती चानो पन्ती स्वर्गीय श्री रीशल सिंह ग्रौर श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री सतवीर सिंह निवासी-डब्ल्यू-जेड-619 ग्राम— पालम, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- श्री दयानन्द दिह्या, श्रोमप्रकाश, धर्म पाल निवासी- मोप नं० 15, एक्स० सर्विस मैन स्टोर, सत्य निकेतन, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त गम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गय है।

अमुसुची

कृषि भूमि तादादी 10-1/2 बिम्बे, मुस्तातीतल नं० 59, किला नं० 20/2, स्थापित ग्राम पालम, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नर्ष्ट दिल्ली-110002

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिक्सिन स्विक्तियों सर्वातः—

नारीख 25-5-1982 मोहर :

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरौक्षण)
श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/10/ 81/6105,—म्रानः मुझे नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कादीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण व्य से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1981

का पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिकत उद्वेषम से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व करे उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थातः—- श्री भूरू सुपुत्र श्री नेता निवासी- ग्राम श्रीर पो० समेपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री प्रेम कान्ता भाटिया, पत्नी श्री सुरेन्दर कुमार भाटिया निवासी- 2 सी/ 3, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि तादादी 8 एकड, ग्राम- कादीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख . 25-5-1982 मोहर : प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०2//एस० आर०-2/10/ 81/6102- अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्णरूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रव्तवर, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- श्रीमतीवशन्ती पत्नी स्वर्गीय श्री देश राम निवासी-ग्राम-पालम, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. सोहन राम, सुपुत्र श्री हजारा राम, निवासी-ग्रार जैंड-58, उत्तम नगर दिल्ली-1 (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 10 बिग्बे, स्थापित-ग्राम-पालम, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1981

मोहर:

16-176 GI/87

प्ररूप बार्क टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारतं सरकार

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 25 मई, 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०/सी० श्रार०-2/10 81/6101—श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयक ग अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रमुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तवर, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ग्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती ससन्ती पंत्नी स्वर्गीय श्री देश राम, निवासी, ग्राम~पालम, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती चंचल ग्रगेड़ा, पत्नी श्री के० एल० श्ररोडा निवासी--श्रार० ए० बाजार, रूड़की, कैट (यू०पी०) (श्रन्नरिती)

का यह सूचना आरो करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) ६ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्डीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्ध्यी

कुषि भूमि तादावी 10 बिग्धे, ग्राम-पालम, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

प्रकार बाहाँ. टी. एन. एस.-----

ाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यूं०/2/एस०म्प्रार०-2/10/81/6092—म्रतः मझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्यात, जिसका उच्चत दाजार मूल्य 25,000/रुट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्री-करण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्रक्तुवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित मे वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किशी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों अर्थात :---

 श्री रामानन्द श्रीर रूप चन्द मुपुत्र श्री बुघा, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री लक्ष्मी नारायण धर्मा सुपुत्र श्री रामजीलाल, निवासी-ए-229, धास्त्री नगर, विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शमुसुची

भूमि ताद्मदी 4 बीघे 16 बिग्वे, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह स्थाम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/ए०/म्रार०-2/10/81/6082—म्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्बी खुर्द, में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्णस्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रवत्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय़ों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :——

 श्री बेगराज सुपुत्र श्री कालू, ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली।

(श्रवतरक)

 श्री जगजीत सिंह सुपुत श्री राम सरूप निवासी—ग्राम होलम्बी खुदं, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बीघे 3 बिण्वे, ग्राम-होलम्बी कलां, दिस्लो ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 25-5-1982

प्ररूप आहें.टी.एम.एस. ******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/10/ 81/6074—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

नाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्रलीपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में पुणं रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तबर, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्राचन में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— भी मांगे राम श्रीर राम पत सुपुत श्री मुखराम, निवासी-धाम-धलीपुर, दिल्ली

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री सधनाम सिंह निवासी-9103, श्राजाद मार्केट, दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकांगे।

न्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीचे 6 विश्वे, स्थापित ग्राम ग्रालीपुर, दिस्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली-11000

तारीख: 25-5-1982

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/ 10-81/6073---भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्रलीपुर, दिस्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फस निम्मिलिक उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/मा
- (ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थासु:—

(1) श्री मांगे राम भीर राम पत सुपुत श्री मुख राम, निवासी-प्राम---भलीपुर, विल्ली ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुन्सी रानी, निवासी--4583, श्रार्थापुरा रोशनारा रोड, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी खसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोहा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

भूमि तादादी 2 विधे 8 विश्वे, ग्राम-ग्रलीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/ 10-81/5792---ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दरवान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रह स अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1981

को प्वोंकित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने भे स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विभा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री बीर सिंह सुपुत श्री हुकम चन्द, निवासी—ग्राम—बरारी, दिल्ली

(प्रन्तरक)

(2) रामा ग्रमा पत्नी एस० के० णर्मा श्रीर डा० पी० सी० यागनिक सुपुत्र श्री पी० डी० यागनिक, निवासी—बी०/एम०-145 (पश्चिमी) शालीमार वाग, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि ना भी अविधि ना में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में प्रिया मृथा है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी (0~10) विश्वे, **वासरा नं॰** 634, एरिया ग्राम—बुरारी, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 21-6-1982

महिर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/ 10-81/5810--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के नधीन सक्तम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ़िष भूमि है तथा जो ग्राम—बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल सो, एसे एरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ्ल निम्नलिचित उद्वेदय से उच्त अन्तरण जिचित में वास्तिवक स्पूर्त कथित महीं किया गया है:—

- (भा) जन्तरण से हुई सिन्सी आम की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बीड/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आसकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री रामिकशोर सुपुत श्री विद्या सागर, निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली क्षारा भ्रष्टानी श्री प्रवीन कुमार जैन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार णर्मा सुपुत्र श्री ए.न० एन० धर्मा, निवासी-1576/30 एच० एम० नालवा करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिक्तित में किए जा सकीगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त काब्यों और पर्यों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्युची

कृषि भूमि तादावी 2 विघे, खसरा नं० 798, स्थापित----ग्राम-बुरारी, विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिन्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-82

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुन 1982

निर्देश सं० न्नाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-न्नार०--2/ 10-81/5845-- प्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-खुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे जाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वीक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुजिशा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री मोहन लाल सुपुत्त श्री गोबिन्द सहाय, निवासी-ग्राम बरारी, विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सन्तोग कुमार अग्रवाल सुपूत्र श्री राम करत दास, निवासी-भार०-54, माञ्च द्वाउन, दिख्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाग;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया go I

अनुसूची

कृषि भृमि तादादी (1-8) खमरा नं46/6/1. एरीया ग्राम-ध्रारी दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

िंदींग स० ग्राइ० ए० सी०/एक्यू०/2/एत०ग्रार०2/10-81/5857--श्रतः मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य '25,000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी में कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ब्रेगरी. दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण मूप से बिल्ली है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीबकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

को पर्योक्त मम्पित्त के उचित बारार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल का निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप म की धन मही किया गया है:--

- (क) अलगण से हर्द्य विशी शाय की बाबत, उनेत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरुच या उसमे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विद्या का या किया जाता चाहिए था जिल्हा में संविधा के लिए;

अत. अब, उन्त अधिनियम की भाग 269-व की, अनुसरण मो भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) की अधीन, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) तारा गुप्ता पत्नी श्री श्रो० पी० गुप्ता, 5439 बस्नी हरफुल शिह सदर बाजार दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुरिन्दर कुमार प्रानन्द सुमृत श्री राम लाल प्रागन्द, निवासा-ए०--11-12, मालका गज, ई(०/ए९०, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिर्त्()

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सपस्ति के अर्जन क लिए कायवाहिया करता हु।

उन्नत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधिया तत्म म्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत श्रीपनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

कृति भृमि (0-15) खमरा न० 830/1, एरिया याम-बरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिप्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, दिल्ली, सर्ट दिल्ली—110002

दिनाक 21-6-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखमा

भारत सरकार

कीर्यालय, सहाथक आयकर आयुक्ते (निरीक्षणे) ऋजीन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश म० श्रार्ड० ए० मी० एक्यू०-2/एस० \sim श्रार०-2/ 10-81/5861--श्रत , मुझ, नरेन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद ग्रमसूची में र्छार पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1981

को पृथिकित सपित के उचित बाजार मृत्य स कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्यमान प्रतिफल से एमे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कार बान के अन्तरक के दायित्व मो अभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजि**क्ति व्यक्तियों, अधीन्: च**⊷ (1) श्री परस राम सुपुत्र श्री खेम चन्द, ए० श्रदानीं श्री राजेन्द्र सिह, बिजेन्द्र सिह चान्दबिर, भरत सिह मुपुत्र श्री जीत राम, सभी निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी एला साधु राम, निवासी---14/38, शक्ति नगर दिल्ली । (अन्तरिती)

का यह मुचना जारा करक प्राक्त सम्यक्ति क अर्जन के लिए कार्गदाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अजन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध खाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**व से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-व्ह में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मम्सूची

कृषि भूमि तादादी 1 विघे और 6 विष्वे, स्थापित—प्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-5-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुन 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्य०/2/एस०भार०-2/ 10-81/5940--- श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-स. से अधिक **ह**ै

श्रर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नरेला, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रम्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्देश्य से उत्रत अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क), एंसी किसी आय या किसी धन यां अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री शिवनरायण, राम किशन श्रौर श्री रामनिवास सभी स्पृतागण श्री भगवान दास, मनोहर लाल सुपुत्र श्री राम सरूप, राम कुमार सुपुत्र श्री रामपत, मांगे राम मुपूत्र श्री भीखा मल,, कनोज राम, राम चन्दर, शिव लाल सुपुत्र श्री गोधा राम निवासी-ग्राम नरेला, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगीन्दर सिंह, विजेन्दर सिंह सुपुत्र श्री रीसल सिंह, श्री धरम पाल, प्रह्लाद सिंह, महाबिर, सर्ताबर, जगदीम सिंह श्री रणबीर सिंह सुप्रवगण श्री निहाल सिंह निवासी–राना उद्याल नरेला, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तावावी 15 बीघे खसरा नं० 1/13, 18, 19, 22, 23/1, 2, 4/2, 3, 8, 9, 27/13, 14, 17, 18, 23/1,ग्राम नरेला, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

दिनांक : 21-6-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-2, भई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/ 10-81/5827--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप स विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक ग्रक्तुबर, 1981

को पृविक्ति सपित्ति के उचित बाजार मृध्य ग कम क देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओं यह विश्वास करन का करण है कि यथापूर्वों कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल स, एस देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (का) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा १६०-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातुः—

(1) श्री बलजीत श्रीर श्रमर सिंह सुपुत श्री टीका निवासी-ग्राम बुरारी, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामदुलारी गोयल पत्नी श्री प्रह्लाद राय गोयल, निवासी-एफ-2/12, माडल टाउन, दिल्ली (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 10 बिश्वे, खसरा न० 874/4, ग्राम-बुरारी, दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 21-6-1982

प्ररूप आर्द्दा एम. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निवण स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/ 10-81/5858—श्रत मुझ, नरेन्द्र सिह

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भीम हं तथा जा ग्राम समेय पुर. दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसम उपायद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीश्वकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके राश्यमान प्रतिफाल से एस राश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मूर्विश्वा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रा महीन्दर यादव मुपुत्र श्री नैदर सिह. निवासी-ग्राम समयपुर. दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाण चन्द अग्रवाल मुपुत श्री णिव नाथ अग्रवाल, निवासी—4110 तथा बाजार, पहली मंजिल, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो छम अध्याय में शिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बीधे 6 विषये. (3300 वर्गगज), खसरा नं० 33/9, 33/12, ग्राम-समेयपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 दिल्ली. नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-82

प्ररूप आई० टा० एन० एस०---

श्रामकर पश्चितित्रन 1961 (1961 हा 44) का भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनाक 21 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं0/एक्य्0/2/एस०-ग्रार०-2/10-81/6083—म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), को द्यारा 269-ध के अधीन मक्षन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्राजार मृत्य 25,000/- दे में प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० 14/53-सी०, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रत्मुची में पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक स्वक्तूबर, 1981

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के कृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है मीर मूझे यह विश्वाम करन का कारण है कि ययापूर्जोका नम्मिल का उतिन वाजार मूल्य, उस क दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण मिखिन में वास्तविक क्यान अयिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, छक्का अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे बचते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आप या कियो घन या प्रत्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्नेरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, डियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अधीन, --- (1) श्वामतो पुष्पा रानी पत्नी श्री राम प्रकाश, निवासी—कोठी नं० 14, रोड नं०-53, पत्राबी वाग, नई दिल्ली।

(अन्तर १)

(2) टा॰ निर्मतः वर्मा धना श्री यद्याः भूषण निर्माताः भार्फन भारतः भूषण मिहकीरनाः 16/63---पत्रार्वाः वामः नर्ड दिल्लीः।

(भ्रन्तरिती)

को प्रमुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

अका सम्यन्ति हे अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

- (F) उस सुत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पादशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रद्ध होता, जो उस अध्यार में दिया गया है।

ग्रन्स्चो

बना हुआ प्रो० नं० 14, रोष्ट नं० 93, क्लास-सी०, स्थापित पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ला- 110002

दिनांक 21-6-1982 मोहर प्ररूप पाई०टा०एन०एस०~~

भागकर अधिनियम, 196 ((1961 का 43) हा धारा 269-च (1) क प्रधीन सूचना

भारत म कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/10-81/6098--श्रतः सुप्ते, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है); की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- का से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भृमि है तथ जे ग्रम कार्स किलं भे रियक्ष है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूष्णी में पूर्ण कर से विकि है). विजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली मे विजेन स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण में हुई किया आय को अधित उस्त अधितियम के अधीन कर वेने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपचारा '1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री कली राम सुपुत्र श्री जय राम निवासी-ग्राम हरावली, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह सुपुत श्री राग कन्दर, पत्रम कुमार युपुल श्री राग चन्दर विवासी-कनानुधा जिला-रोहनक (हरियाणा) । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीख के 45 दिन की धविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्य
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बन्त में हिसबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा मर्कोंगे।

हरष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनमुची

कृषि भूमि 1/4 हिस्से नादादी 37 बिघे 8 बिश्वे, स्थापित— ग्राम—हरावली, दिल्ली, खसरा न० 21/5/2, 6/2, 22/1, 2, 9, 10, 11, 12, 12 ग्रीर 19।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2; दिल्लो, नई दिल्लो-110002

बिनांक : 21-6-1982

प्ररूप आई टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णानग, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस०श्रार०--2/10-81/9863--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उनन प्रधितियम' कहा गया है), की ध्वरा 269—ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खित बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिमकी संख्या कृषि भृमि हैं तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्लं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तूवर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिपाल के लिए उन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत धिक है और प्रन्तरक (मन्तरकों) श्रोर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित खहेश्य से उसत अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से कांबन नहीं विया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत चक्त प्रश्चितियम के प्रधीम कर देने के प्रस्तरक के प्रक्रित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविद्या के जिसा; और/या
- (त) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अण्य भास्तियों को. जिन्हें भारतीय पायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिर्धिनियम, या धन-कर भिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रत: तथ, उक्त श्रविनियम की बारा 269-म के मनुसरण में, में उक्त मिनियम की घारा 269-थ की उक्षारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथीत् ६-18--176 GI/82

(1) श्री पारस राम मुपुत श्री खेम चन्द भौर दूसरे निवासी-ग्राम-सिरसपुर, विरुक्षी

(ब्रन्तरक)

(2) श्रामती सुशीला जैन पत्नी श्री सागर धन्द जैन, निवास: -240-चिराग दिल्ली, नई दिस्सी । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करहे पूर्वी न सम्बति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की धवांत्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी व से 30 दिन की अविधि, जो थी धवांत्र वाम में ममान्य होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धंधोहस्ताबारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टी करण: --इसमें प्रवृत्त अन्दों और पर्दों का, जो उपत प्रिकित्यम के अक्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

कृषि भूमि तादादी 1 बिधा 2 बिश्वे, (1100 वर्गगज) खसरा नं० 643, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्तः (निर्रक्षण) म्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21--6-1982

प्ररूप आई^{*}.टी.एन.एस.-----

आयहर प्रक्रितियमं, 1961 (1961 का 43)को आरा 269-घ (1) के अधीन मुचना

• / • / • / • / • / • / •

भारत मर हार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-2, दिल्ली नई

नई दिल्ला, दिनाक 21 जन 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/10-81/5826---श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मून्य 25,000/- कार्य से प्रधिक है और जिसकी स० इणि भूमि है तथा जो ग्राम हस्तमालं, दिल्ली में स्थित है (और इससे उशावद प्रनुसूचों में पूर्ण कर से विणित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकार दे वार्याक्य, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिकार 1908 (1908 वा 16) के अध न दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मनान प्रतिकल क निए धन्तरिन का गई है और मुझे यह निश्चास करा का कारण है ह ग्याप्वोंका समानि का उनित बाजार मूल्य, उसक दृश्यम । प्रतिकल से, ऐसे दृश्यम । प्रतिकल से, ऐसे दृश्यम । प्रतिकल से, ऐसे दृश्यम । प्रतिकल के एत्वह प्रतिका श्रविक है और अन्तरह (अन्तरकों) थार प्रवृश्यम । प्रतिकल, निम्नलिखन ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से उका प्रनरण लिखिन मे बामनिक का के कथित नहीं किय गय है .—

- (क) अन ॥ म ह हूं किसा छाग की दाबत उक्त अधि-राम । अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में - ' करने या । म बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- व ऐसी करा आर या हना अनु या अन्य आस्तियों रो, जिन्हे भारतीर अध्य-कर यिश्वनिषम, 1922 (1922 के 11) या उस्त पश्चितियम, या धन-हर पश्चितिरम, 1957 (1957 के 27) के प्रसातनाथ अन्य रना द्वारा पहेट तरी किया पद्मा था ए किया जन स्तित्य शिक्याने में

अत: अब, उक्त पश्चितिया को बारा 269-त के प्रमुपरण में, में, उक्त प्रवितिया हो पार 269-त ने उपगारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रा याद राम सुपुत श्री बुधराम, ग्राम-हस्तसाल, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा ग्रनन्त राम सुपुत्र श्रा लाघा राम, निवासो-67/2 मीनाक्षी गार्डेन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त समाति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि ।। तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दि । की प्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इन मुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवह किसी श्रन्थ व्यक्ति इस्रा, अञ्चोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किसे जा मकेंगे।

स्वध्वीकरम:--इसमे प्रयुक्त मध्वी श्रीर पदों का, जा उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय पं दिया गया है।

अनुसूची

ऋषि भ्मि तादादी 2 बिघे 15 बिग्ने, स्थापित-ग्राम-हस्तसाल, दिल्ली मुस्तातील न० 54, किला न० 8, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, दिल्ला, नई दिल्ली-110002

दिनांक 21-6-1982 मीहर . प्ररूप आद्र⁴. टी. एन. एस.----

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2/10-81/5837--भ्रत. मुझे, नरेन्द्र सिह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बुरारी, दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक श्रक्तूदर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विक्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्या से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (कः) ग्रस्तरण मे पूर्व किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिकि नियम क ग्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचन म सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रिष्ठिमियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भ्रिष्ठिनियम या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपिक्तियों, अर्थातः— (1) श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी–ग्राम–बुरारी, दिल्ली द्वारा श्रटार्नी श्री धान सिंह सुपुत्र श्री खचेरू

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेश प्रसाद सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम श्रासरेय राय, निवासी-एम०-19, पोलीम लाइन, किंगजवे कैम्प, दिल्ली ।

(श्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंश र लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रत्रिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील उ 30 दिन की श्रविष्ठ, जो शं श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत न्यक्तियों में किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र संप्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति वे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार। अधाहस्ताकरी के पास जिल्लिन मंकिए जा सकेंगें

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रपृक्त शब्दो और पटो का, जो उक्त मधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ हो त को उप प्रदेशाय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 बिख्ये खसरा नं० 671, ग्राम— बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली

> नरेन्द्र मिह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनाक . 21-6-1982

प्रकप भाई• टी॰ एन॰ एस॰ ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०एन्यू०/2एस०—श्रार०-2/10-81-5860—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, विस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से का अत् नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री परस राम सुपुत श्री खेम चन्द स्वयं ग्रौर बिहाफ आफ श्री राजेन्दर सिंह, बिजेन्दर सिंह, चान्द बिर ग्रौर भरत सिंह सुपुत्र श्री जीतराम, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेश गुप्ता (माइनर) सुपुत्र श्रीमती बिमला देवी, 3968 नया बाजार, दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में मैं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदीं का, जो उक्त श्रिष्ठितयम के श्रध्याय 20-क म परिभाषित ं, वहीं श्रयं हो गा, जो उस श्रष्ठयाय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 14 बिश्वे, (700 वर्गगज), खसरा नं० 643, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

मोहरः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/11-81/6173--श्रतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 15, रोष्ड नें० 41, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर, 1981

का पूर्वा क्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के स्थीन निम्निलिखत व्यक्तिसों, अर्थातुः—

- (1) श्री एस० सज्जन सिंह सेठी सुपुत एस० मेहर सिंह सेठी, निवासी-67/5, रोहतक रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री जय राम मिलक (2) सोम नाय मिलक सुपुत्र स्वर्गीय श्री करम चन्द मिलक निवासी—57 बस्ती हरफुल सिंह, दिल्ली (3) कृष्ण लाल मिलक श्रौर (4) धरमवीर मिलक सुपुत्र श्री उत्तम चन्द, निवासी—1/13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सर्म्पास्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- धर्म किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 15, रोड नं० 41, स्थापित—पंजाबी बाग, नई दिल्ली एरिया ग्राम—मादीपुर, विल्ली प्रशासन, दिल्ली, 2195.37 वर्ग गज में बना हुम्रा है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारे सहायक घायकर ग्रायुक्ट (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, विल्ली, नई विल्ली–110002

तारीख 21-6-1982 मोहर: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 24 जून 1982

निदेश सं० एल० मी०583/82-83--यतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं अनुसूचि के स्रनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कालिकट में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30-10-1981

को पूर्नोक्त संपर्तित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उभित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ज) एसी घिन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित न्यानितयों, अर्थात् :—

- (1) श्री के० एम० मुहम्मन कृट्टि हाजि ग्रांर पात्नुम्माबी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कें नोईनीन कोया

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करकं पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

201 costs of land with a building in Sy. No. 52/11A T.S. No. 17-10-599 of Kalathillanna Village.

पो० जे० तोमसकुट्टि सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनांक : 24-6-1982

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०-

थ्रायकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ब्राधोन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 24 जून 1982

निदेश सं० एल० सी०584/82-83—यतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टि,

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूचि के ग्रनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कालिकट में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 6 ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित वाजार मूल्य से कम के प्रति उध्यमान फर के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टक प्रतिफल से दृश्यक प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्शित्यों) के बीच कि अन्तरण के नियान प्राप्त प्रया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण के नियान प्राप्त कर में उपित नहीं किया गया है ——

- (क) अस्तरण महुई किस आप का बावत उका आधि-नयम के स्थान का देन ह अस्तरक हा दाणिस्थ में कम नया उत्तस स्वन में होबद के लिए, भीर/या
- (ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी घा या ग्रन्थ श्राह्मिश्री को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों कु अर्थात् :-- (1) श्री ए० रामचन्द्र

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० ग्रब्दुल ग्रलीम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में को है भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसा अन्य व्यक्ति हार, धन्नोहस्ताक्षरी
 के पाम लिखित में हिल् कर सहेगे।

स्वब्दोक्तरगः —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिमापित है, वही अयं रोगा, जो उस अध्याय में दिया गय है।

अनुसूची

12% Costs of land with a building in T.S. No. 614/1A and 614/1B in Calicut.

पी. जे० तोमसकुट्टि सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त,(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 24-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधिन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून, 1982

निदेश सं० खरड़/13/81-82—अतः भूझे, मुख देव चन्द ग्राय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिस इसमें इसके पानाम् 'उक्न प्रधिनियम' कहा नया है), की जारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट सं० नं० 503 फेंज 1 है तथा जो मोहाली तहसील खरड में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में भारती। रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम (1908 का 16) के श्रधीन रिनांक श्रक्तुवर 1981

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मलिखित उद्देश्य में उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बानत, उक्त निध-नियम के बन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में मुविधा के निए। गौर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयो- जनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

 श्री तारा चन्द राणा सुपृत्न श्री ईम्बर. राजस्थान निवासी 14/4, सैक्टर 4, नया नंगल जिला रोपड ।

(ग्रंतरक)

 श्री मंगल दास सुपुत श्री कृष्ण लाल निवासी मकान नं० 3220, सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(श्रंतरिती)

को यह मूचना गारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उस्त सम्मति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आर्थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोह शताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाणित हैं कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्पी

प्लाट नं ० 503 फेज 1, तहसील खरड़ मोहाली में स्थित है। (जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 3918 श्रक्तूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 25-6-82

प्ररूप माई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लुधियाना

नुधियाना, दिनाक 25 जून 1982

निदेश स० चण्डी/167/81-82---श्रत मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/र से अधिक है

श्रीर जिसकी मंख्या 1/3 हिस्सा प्लाट न० 77 है तथा जो इष्टस्ट्री-यल ऐरिया, चण्डीगढ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से वर्णित है), रिजस्टीनर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीएढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 10/81

को पृतांक्ति सम्पत्ति हे उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सृचिधा के निए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा वन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एर धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिभा के लिए;
- अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थीत् :——
 19—176GI/82

- ग्राम्था दिवबाग सिंह ग्रार श्री बहादुर सिंह सं मुपुत्र श्री सत सिंह निवासी मकान न० 285, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ माध्यम उनके ग्रटोरनी श्री श्राम दत्त कीणल मुपुत्र श्री बीरा चन्द कौशल, निवासी एस सी एफ-1, सैक्टर 27 सी. (श्रन्तरक) चण्डीगढ ।
- श्री श्रीतम सिंह भरज ग्रौर श्री सन्तोख सिंह भरज मुपुल श्री बावा सिंह भरज निवासी 16/3, डब्लू०ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली ग्रब प्लाट न० 17, सैंक्टर 6, फरीदाबाद।
- श्री कृष्ण मलहोत्रा,
 प्लाट न० 77, इडस्ट्रीयल ऐरिया,
 चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसक ग्रिधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेंबत क्यन्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए का सकेंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा ग्राफ प्लाट न० 77 इंडस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ । (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीभर्ता ग्रधिकारी के चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या 1203 श्रक्तूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है)।

्र स**खदेव चन्द**

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 25-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर मवन, लुधियाना त्रिशता, दिनाह 25 ज्न 1982

निदेश सं० चण्डी/156/81-82-अतः मुझे, सुखदेव चन्द, प्रायक्तर प्रश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रशीन जिनक उचित वाजार मृत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एस भी एफ नं० 415 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय. चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 10/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रितिकल के सिए प्रग्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और प्रग्तरक (प्रग्तरकों) भीर प्रग्तिरिती (प्रग्तिरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के अधीन कर देने के धन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या घम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अग्निनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मंबिष्ठा के लिए;

श्रम: श्रव, उन्त अधिनियन की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम गांचा 269-घ जी उपचारा (1) हो कभीन, निस्निसित व्यक्तियों, अभीत :---

- श्रीगती श्रमार प० श्री उत्तम सिंह,
 श्री उत्तम सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह,
 श्री ग्रचरनजीत सिंह मुपुत्र श्री उत्तम सिंह
 श्री राजदीप सिंह माइनर सुपुत्र श्री गुरचरन सिंह
 श्री मनपरीत सिंह
 श्रीमती राजपाल कौर प० श्री गुरचरन सिंह,
 सभी निवासी मकान नं० 1627, सैक्टर 7 -सी, चण्डीगढ़।
 (श्रन्तरक)
- श्रीमती रजनी सेठी प० श्री परीतपाल सिंह सेठी
 मास्टर शेलू सेठी माइनर सुपुत्र म० परीतपाल सिंह सेठी
 मास्टर बाबी सेठी
 मास्टर सुमीत सेठी
 सभी निवासी श्रार-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की प्रविध, को भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मुचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी प्रश्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रमुखत शब्दों ग्रीर पदों का, जो सकत प्रविनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस सी एफ नं० 415 सैक्टर 35–सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1100 अक्तूबर 1981 के श्रधीन दर्ज है) ।

> मृखदेव चन्द यक्षम प्राधिकारी यहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लुधियाना

नारीख: 25-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, ल्घियाना

ल्घियाना, दिनांक 25 जून, 1982

निदेश सं० चण्डी/183/81-82----श्रत. मुझे सुखदेव चन्द धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से घ्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या बंगला नं० 230 है तथा जो सैक्टर 9 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में, श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिवारी के वार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10/81

को पूर्वीनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐन दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) को बीन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का पे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के सिए और/या
- (ख) ऐसी किसा आप या किसी धन या ग्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. श्री जगत सिंह
 - 2. श्री विक्रम सिंह
 - श्रीमती गुरनेल कौर प० श्री जगदेव सिंह एस सी श्रो 8-9, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

श्री हरमोहन धवन सुपुत्र एस० श्रार० धवन
 श्री हरीश धवन श्रीमती राम प्रकाश धवन
 निवासी मकान नं० 2027, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

बगला न० 230, सैक्टर 9-सी चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1180 श्रक्तूबर 1981 के श्रधीन दर्जे है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 25-6-82

मोहर:

(श्रन्तरक)

प्रकप वार्द्, टी. एन. एस ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रज, प्रायंकर भवन लुधियाना

ल्धियाना, दिनाक 25 जून, 1982

निदेण स० चण्डी, 152/81-82-म्प्रत मुझे, सुखदेव चन्द, णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसका सन्या पनाट न० 516 है तथा जो मैक्टर 33-बी, चण्डीगढ म स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्भुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 10/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मातशत म आयक है और अतरक (अतरको) और अतरिनी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

बंत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण बं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अभीन, निम्निनियन व्यक्तिया, अधीत .——

- श्रीमती विमलजीत बैंम निवासी 43/6 बहल कशलटेट क्वार्टर (रामपुर हरद्वार) माध्यम श्रीराम कवर गुप्ता सुपुत्र श्री टिक्का राम निवासी मकान न० 401, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ ।
- 2 श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र श्री हरबन्स सिंह श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री मनमोहन सिंह माध्यम श्री मनमोहन सिंह निवासी मकान न० 727 मैक्टर 11, चण्डीगढ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विश्व की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्ट्यांन में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वाण, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मनुसूची

पलाट न० 516 सैंक्टर 33-बी, चण्डीगढ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ के कायालर क विलेख सख्या 198 श्रक्तूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

्तारीख 25 ज्ञान 19२<u>४</u> मो**हार** प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सुचना

भागत सरकार

कार्यालय, महत्यक आप्रकर आयक्त (निर्धाक्षण)
प्रजीन रेज, प्रशाकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनाक 25 मून 1982

निर्देश स० चण्डी/161/81-82-अाः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्स अधिकार' कहा गया है), बरे धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार है ये १० कारण से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सख्या पो० न० 1686 है तथा जा सैवन्त 34-डो, नण्डीगढ़ में स्थित ह (श्रीर इस उपाइक अनुसूचों में स्रोर पूर्ण स्प से वणित है) राजस्हाकतो श्रीधकरी क कायालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्हाकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 10/81

को प्योवत सम्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रक्रमान प्रतिकल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, जनारे ६ स्थान गोलक मा, एमे इस्ट्रिंग प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकल में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाम गया प्रतिकल, जिन्निलिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नितिस्त में वाम्नियक म्हण भे काशित नहीं किया गया हैं.——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म्ह) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (१९२० का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी उक्त श्रीतियम की धारा 260-म की उपधारा (1) की अधिन, निम्मिनिया सिनामों, अधीत .---

- श्री ग्रोम प्रकाश वीरमानी मृषुत्र श्री राधा कृष्ण वीरमानी
 माध्यम
 श्री ग्रायनी कुमार निवासी 1686, सैक्टर 34-डी,
 चण्डीगढ़।
- मि० लाजवन्ती निवासी 1686, सैंक्टर 34—डी, चण्डीगढ़। (ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत पालिसकों मो मो किसी व्यक्ति दागरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर। के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

श्रनुसूची

पलाट न० 1686 मैक्टर 34-डी, चर्ण्डागढ़ में स्थित है। (जायदाद जा कि र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1135 अक्तूबर 1981 के अधीन दर्ज है) 5

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

नारीख: 2,5~6-1982

भोहर :

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निदेण सं० चण्डी/158/81-82-ग्रत: मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या पलाट नं० 3407, सैक्टर 35—डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 10/81

ंको पूर्वोक्त सम्पत्ति के खंबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण जिल्लित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधि-नियम, के अधीन कर देंगे के अग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसरा बचने में मुनिष्ठा के लिए खोर/या
- (ख) ऐसी किसा आय या किसी धन या अध्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनिथम की धारा 269-ग के चन-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्तिविद वाक्तियों; ग्रथीन

- श्री केहर सिंह सुपृक्ष श्री हरनाम सिंह निवासी चण्डीगढ़ माध्यम स्पशल पावर श्राफ श्रटोरनी श्री विजय कुमार भल्ला सुपुत स्व०श्री जे०बी० भल्ला निवासी मकान नं० 624, फेज~1, मोहाली (एस०ए०एम०) । (श्रन्तरक)
- 2. श्री बी० एस० छाबड़ा सुपुत्र श्री बाल कृष्ण छाबड़ा श्रीर श्रीमती पुष्पा छाबड़ा निवासी 3209, मैक्टर 23-डी चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

का यह सूधना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे!

स्वकाकरण !--- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पत्रों का, का जनत प्रतिनियम के प्रध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं वर्षे होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 3407 सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1112 श्रक्तूबर, 1981 के ग्रिधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्णन रेंज, लुधियाना ।

तारी**ख**ः 25-6-1982 माहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

धारा 269-घ (1) क अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकार आग्वत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, स्रायकर भवन, लुधियाना
सुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निवेश सं० चण्डी/164/81-82—श्रतः मुझ, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000,'- रह. से अधिक है

अौर जिसकी संख्या पलाट नं० 26-सी (नया नं० 107) है तथा जो सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हम से किथा नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण में हर्ज किसी आय वो बावा. उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों सथित---

ा. मि० जसवला कीर प० श्री किरपाल सिंह लांबा

ादासी 4/55 ड ई ए, करोल बाग, नई दिल्ली माध्यम ा० लक्ष्मी सिरा ग० लै० कर्नल मनकमेश्वर मिसरा निवासी मकान नं० 283, सैक्टर 11-ए, बण्डीगढ़ । (ग्रन्तरक)

 ल० कर्नल मलकमेण्वर मिसरा सुपुत्र लै० श्री हरीश चन्द मिसरा निवासी 283 सैंक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जरो करक प्रांका सम्मति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में द्वित-बद्ध किसी ग्रन्य श्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रिक्ष-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही असं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 28-सी (नया नं० 107) सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़ में है । (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1181 श्रक्तुबर, 1981 के ग्राधीन दर्ज है) !

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी राहायव श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 25-6-19**8**2

मोहर :

प्ररूप आहूर.टो.एन.एस.------

সাযকৰ प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-খ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरका

कार्यालय, महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 25 जून 1982

निदेश स० चण्डी/168/81-82-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षा मिश्री कि यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलाट नं० 612 है तथा जो मैंक्टर 36-बी, चण्डीगढ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाद्यद्व श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

को गुर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमक दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणान अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरक निखित में वास्तविक सूप में कियत नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण में हुई किसी धाय. की बाबत उक्त ग्राधिनयम के ग्राधीन कर वेने के ग्रन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था श्रिपाने में सुविधा । लिए ;

धतः धवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरत्र में, में, उक्त अधिनियम की खारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविद्या व्यक्तियों, ग्रंथीन :---

- श्री पुरजान सिह्दानवालिया सुपुत्र भा गर्भ स्त्र । ।
 निवासी 25 पी० एस० रावे सिह्
 नगर, जिता गगा दगर (राज-अन) । (सन्तरक)
- 2 श्रीमती वरिन्द्र कौर श्राहलूवालिया प० श्री हरविन्द सिंह निवासी ई-1 2 कैं नाग कलोनी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यांक्तयों पर मूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी प्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तयां में में किनी क्यांक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रवृत्त गढ्या और पदों का, जो 'खबत ऋधि-नियम', के क्षड्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं ग्रंथें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

वनुसूची

पलाट न० 612 सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1215 अक्तूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

> सृखदेव नन्द मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, लुधियाना

तारीख: 25-6-1982

मोहर:

^५ प्ररूप भाई व टी॰ एन ● एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लिधियाना

ल्धियाना, दिनाक 25 जुन 1982

निर्देश सं० चण्डी/166/81-82--अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी स० पलाट न० 211 है तथा जो सैवटर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारी श्रिश्चतूबर, 1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मूस्य से कम क दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का वन्द्रह प्रतिणत से श्रिधक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बाव ऐस प्रस्तरण के लिए तय पाया श्रिक्त, निम्नलिखन उद्देश्य स उक्त श्रन्तरण लिखन में वास्तिक का से स्थित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थित में स्विधा के लिए;

भन: यब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थें की उपक्षारा (1) के अशोन, निम्नानिखित व्यक्तिमों, ग्रंथीत् :---20—176GI/82

- (1) श्रा रामस्वरूप लोखा सुपुत्र श्री कांगी राम लीखा निवासों 286, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती धनकौर प० श्री करनैल सिंह मनकू मध्यम श्रा राख। सिंह सुपुत्न श्री रुलिया सिंह निवसी मकान न० 3284, सैक्टर 19—डी०, चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनन सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध ने कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुकता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत तूबना के राजनब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पब्दी करण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों थीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिश गया है।

वन्सूची

्लाट न० 211. सैंक्टर 37-ए, चण्डांगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रोक्ती श्रधिकारी के चण्डीगढ़ कर्यालय के विलेख संख्या 1190 अक्तूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 25-6-1982

मोहर:

प्ररूप बाहर टी एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना</mark>

भारत सरकार

अपालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 25 ज्न, 1982

निर्देश स० चण्डी/165/81-82---श्रतः मृझे सुखदेव चन्द

आयकर प्रिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 से का अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का क्षारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० मकान न० 323 है तथा जो सैक्टर 21-ए, कण्डीगढ में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजर्स्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ में रिजर्ट्राक्तण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1981

को प्विति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठां कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिफल का पन्नाह प्रतिफल का पन्नाह प्रतिफल के प्रतिकान में अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के ल, निम्निलिक उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निकान में वास्तियक है प म किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सहुद्द किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम का अधीन कर दन के अन्तरक का दासित्य भी कमी करने या उसमें बचन में मूबिशा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्योजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित :—— (1) सि० असपास कौर प० श्री बक्शीश सिंह निवास। मात्र सनगत्राल, तहसील गढ़णवर, जिला होश्यारपुर ।

(भ्रन्सरक)

- (2) मि० हरविन्द्र कौर प० श्री जोगिन्द्र सिंह् चावला माध्यम उसके घटोरती श्री प्रदुमन सिंह् चावला सपुत श्री कर्मसिंह चावला निवासी मकान न० 1067 सैंक्टर 19-वी०, वण्डीगढ़। (धन्तरिती)
- (3) मैन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया मकान न० 329 मैक्टर 21-ए, चण्डोगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति हैं) को य**ह सुचना जारी करके पृत्रों वत सम्पत्ति के वर्जन के** लिए कार्यवा**हियां करता ह**ूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी नचधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्र**नुसूची**

महान न० 329, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-नय के बिलेख संख्या 1183 ग्रक्तूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है।)

> मुखदेव अन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, लुधियाना ।

तारीखः 2**5**-6-1982 मोहर: प्रकल काइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 25 जून 1982

निर्देश स० चण्डी/159/81-82-म्ब्रतः मृक्षे सुखदेव चन्य

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० व्य नं० 56 है तथा जो सैक्टर 16-डी, भण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क प्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1981

का पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिचित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तिसारों, अर्थातु:--- (1) श्री जयिकशन दास भ्रम्नवाल सुपुत्त श्री चन्द्रभान निवासी सी-33, नोर्थ गोडा माध्यम जनरूल पावर श्राफ भ्रटोरनी श्री कुलदीप सिंह सुपुत्र श्री नरिन्त्र मिह निवासी 3247, सैक्टर 15--डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रामर्ता जासिन्द्र कॉर प० श्रा कुलवीप सिह, निवासी 3247 सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ (अन्तरिती)
- (3) (1) मैं० बख्रिं। साऊङ सर्विसस ब्थ न० 56, सैक्टर 16-र्डा, घण्डीगढ़।
 - (2) मैं० कुलदीप प्रापर्टी ग्रींग ग्राटो डाल्प ज
 - (3) मै० चम्पा खन्ना निवासी बूथ न० 36, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़। (बह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिट पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस स 45 दिन के भीतर उत्थस स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

बूथ न० 56, 16—डी, चण्डीगढ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यान्य के विलेख संख्या 1114 श्रक्तूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है।)

मुखदेव घन्स सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज लुधियाना

नारी**ख**: 25-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियुम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज लुधियाना
लुधियाना, दिनाक 30 जून, 1982

निर्देश म० चण्डी/162/81–82——ग्रतः मुझे सुखदेव बन्द

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3331 है तथा जो सैक्टर 21—डो, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्रोप्तियाँ करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा को लिए;

जतः सन्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात् :--- (1) श्री सरूप 'सिंह न्सुरजीत मिंह माध्यम श्रीमती रामप्यारी निवार्स। 2866, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा ाटकम चन्द बल्ला,
एँक्शन कन्द्रशन-2,
पी० डी० डी० बी० एण्ड ग्रार, लुधियाना ।
(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाकत मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्वी

मकान नं० 3331 सैंक्टर 21-डी० चण्डीगढ़ मे स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यान्य के विलेख सख्या 1164 ग्रक्तूबर, 1981 के ग्राधीन दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारी**ख**∹ 30~6~1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 30 ज्न 1982

निर्वेश सं० चण्डी /154/81-82--ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुआत 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25.000/- रु. स जावक ह
श्राँर जिसकी सं० प्लाट नं० 11पी है तथा जो सैंभटर
28-ए, खण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रन्तुबर, 1981
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित
में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से झुई किसी नाय की बाबत उक्त लिंध-नियम के सधीन कर दांने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचन मा सुविधा के लिय, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मि० राजिन्द्र कौर ^{न्}ढलों प० मेजर जनरल जी०एस ढिलों माध्यम श्री रवी कुमार एस०सी० एफ० नं० 33, सक्टर 7—सी चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) मि० कृष्णा देवी अग्रवाल ग्रौर मि० प्रदीप कुमार निवासी मकान न० 126 संक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करक पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा कार्ड़ भी आक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11-पी, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में है । (जायदाद जोकि रजिस्टीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1096 श्रक्तूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है)।

सुबदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 30-6-1982

मोहर :

प्ररूप आइ टी. एन. एस. -----

भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 30 जून, 1982

निर्देश सं० चण्डी/153/81-82---ग्रतः **मुसे** सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 302 है तथा जो सक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1981।

को पूर्वा का 16) के अवान, ताराख अपत्वर, 1981 ने को पूर्वा कत सम्परित के उष्टित बाजार से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पर्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अभिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धून या अन्य नास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती कुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थारः—— विंग कमांखर जी० बी० सिह (रिटायर्ख) सपुत्र डा० नारायण सिंह ।

(भ्रन्तरक)

- 2. 1. डा० (मि०) प्रयथी बाई नय्यर,
 - 2. डा० (मि०) लीला रामाकुमार ग्रीर
 - 3. डा० केणवन नय्यर सभी निवासी मकान नं०, 302, सैक्टर 35—ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को शह सूचना जारी करके पृवाकत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्स्चीं

मकान नं 302 सैंक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जोकि रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1094 श्रक्त्यूबर, 1981 के श्रधीन दर्ज है)।

सु**खदेव चन्द** सक्षम प्रा**धिका**री सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 30-6-1982

मोहरः

परूप धार्दः हो। एन•एस०-----

ग्रायकर पविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/169/81—82——श्रत : मुझे सृखदेव -

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 105 है तथा जो सैक्टर
18—ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर. 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफत के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह
प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिसन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखन में
वास्तिवक रूप में किथान नहीं किया एया है ——

- (क) अन्तरण य दूर्व किसी प्राय की जाबत, तका पछि-नियम के अधीन कर देने क अन्तरक में शायित्व में कसी करने या उसके बचने में भुविद्या के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी धन या घटन भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना चहिए छा, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रत: **शव, उन्त भविनियम को** बारा 269—ग के श्रत्मरण में, मे, अ**न्त भविनियम को बारा 269-व की उपवारा (1)** के अ**धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्**:—— (1) शीमती जगदीश कौर पं श्री जसमेर सिंह नियामी महान नं ए--!/७७, सफदरजग इन्क-लैंब नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री णिवलाल तलबाङ् निवासी मकान नं० 50-51, सैक्टर 27-ए, चण्डीगढ ।

(प्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारो करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्गन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:~-

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिक्किन में किए जा सकोंगे।

स्विष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाध-नियम, क अध्याय 20क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो छम श्रद्ध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मकान नं० 105, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़ में है । (जायदाद जा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-लय के निलेख सख्या 1220 अक्तृबर, 1981 के अधीन दर्ज है।

> मुखदेव जन्द सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 30-6-1982

मोहर :

प्ररूप शाई. टी. एन. एस.-----

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 25 मई 1982

निर्देण सं० ए०सी०/रेज-IV/-कल/1982--83---श्रतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रौर जिसकी संज है तथा जो गोबिन्टपुर थाना—सोनापुर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय डायमंड हारबार में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन नारीख 30—10—1981

की पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में बाग्तिक इप में किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहित था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री गौरी प्रसाद धक्रवती

(मस्तरक)

(2) श्री ग्रब्दल हसन घरामी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा अरके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखिन में किए जा सकारी।

स्पटिकरण .-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन-49.31 कटठाह बिल्डिंग के साथ पता--मौजा-गोबिन्दपुर, थाना--सोनापुर, जिला --24, परगनाज डीड सं० 6011, 1981 का ।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

नारीख: 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1\े प्रधीत सुनमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आस्कार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 22 मई 1982

निर्देश स० राज/सहा०ध्रा० भ्रर्जन/1213—यतः म्झे वी० के० भ्रम्रवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रमीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000-इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० ई-2, ई-1, है तथा जो पाली मे स्थित है, (श्रीर इससे उपवाद्ध ग्रनुसृची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय पाली मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 16-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के वृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए गण पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखन में बास्तविक अप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर येने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सूथिधा क लिए; और/या
- ंव) ऐसी किसी श्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों

 का जिस्ते भारताय पाल र ग्रीधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

 के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

अभः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अर्थ बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 21—176 GI/82 (1) श्री हनुमान मल पुत्र महल चन्द चन्डालिया निवासी सरदार शहर पार्टनर ग्राफ मैंसर्स एम० के० मी०पी० टैक्सटाईल्स पाली

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्भ नाहटा फैबरिक्स (प्रा०) लिमिटेड, पाली (ग्रन्निरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कायँवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धिक धर्मन क सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीतत उपित्तयों में पे किसी व्यक्ति हारा;
- (ल) उस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास निखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---द्रसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त भिष्ठितियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई०-1 एवं ई-2 ग्रौद्योगिक क्षेत्र द्वितीय भरण, पाली जो जिला पिजयक, पाली द्वारा ऋम सख्या 39-81 दिनांक 16-10-81 पर पाजबद्ध विकथ पल में भौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी० के० **श्रग्रवा**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **श्र**ुपत रेंज, जयपुर

तारीख 22-5-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंस रेज, रोहतवा

रोहनक, दिनाव 16 जुन 1982

निदेश सं० जगाध $\widehat{\tau}/66/81-82+-$ यन:, मुझे, गो० सि० गोपाल

अधिकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृख्य 25,000/- अपर से प्रधिक है

श्री किसके। भूमि 7। कनाल 8 मध्ये भूमि महित है तथा भील छपार में स्थित है (श्रीर उसमे उपावस अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) र्राजस्ट्रे कना अधिकारे। के नायी-लय, जगाधरी में रिजस्ट करण अधिनियम, 1908(1908 वा 16) के श्रीकान तारीख श्रवनुंबर 1981

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस्त प्रतिशत से अधिक ही और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियो) क बीच एम अन्दर्श के लिए तय पाया रंग प्रतिक्त किन्तरितियो कि बीच एम अन्दर्श के लिए तय पाया रंग प्रतिक्त के निम्तिया एस उच्च अतरण निश्चित के शस्त्रिति हम से किन नहीं किया गया ही ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी बरन या उससे बचने में सुविध। के लिए, और/या
- 'म्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उपका अधिनियम, या भनकार अधितियम, या भनकार अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्य िती द्यारा पका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए,

अर. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितियित त्यितिस्या, अर्थात् —

(1) श्री तारा सिंह पुत्र धन सिंह गांव न डा० भील তথ্য নং সমাগ্ৰহ

(अन्तरक)

(2) था रिजन्दिर भहि चरण विभव सिह, सेवा सिह निरु भीति छपर तरु जनाधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना। जारी कारके पूर्णावन सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुए।

उक्त मपत्ति के अर्जन के सबभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की आधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर संभान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्विकत व्यक्ति में सिमी सीत देवारा,
- (म) इस स्चना क राजपत्र मा प्रकाशन की नारीम भे 45 दिन की अयोधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियां धर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिस्सि मा किए जा स्कोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

रुम्पत्ति भीम 71 बनाल 8 मंग्ले मकान सहित भील छप्पर में स्थित है जिपका अधिक बिवरण रिजस्ट्रीक्त ते कार्पालय जगाधरी में दिया. 1-10-91, क्रिस्ट्र, संख्या 1121 पर विपाती।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्रापिकारी सहायक आयक्षर आयक्ष्म (निरीक्षण) अर्जनरेज, रोहनक

नाराख 16-6-1982 माहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 26th June 1982

No. \-32014_[1]80-Admn.H.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby makes the following appointments for the period indicated against each or until further orders whichever is earlier:—

- Shri S. P. Bansal, Assistant Controller (DP) to offliciate as Deputy Controller (DP) on ad-hoc basis for the period from 3rd June 1982 to 9th July 1982 ruce Shri M. 1. Dhawan, Deputy Controller (DP) granted leave for the period 3rd June 1982 to 9th July 1982.
- 2 Shii M. M. Shaima, Supdt. (DP) to officiate as Assistant Controller (DP) on ad-hoc basis for the period from 3rd June 1982 to 9th July 1982 vide Shii S. P. Bansal, Assistant Controller (DP) promoted as Deputy Controller (DP).
- Shii J. J. Chakraborty, Investigator (DP) to officiate as Supdt. (DP) on ad-hoc basis for the period from 3rd June 1982 to 9th July 1982 vice Shii M. M. Shaima, Supdt. (DP) promoted as Assistant Controller (DP).

These appointments are purely on ad-hoc basis and will not entitle the ad-hoc appointees to claim seniority or regular appointment on the basis of these appointments.

Y. R. GANDHI
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1982

No. S-161/67-AD-V.—In continuation of the Notification of even number dated 27th January 1982, the President is pleased to further extend the service of Shi S. P. Bhardwai, Adl. Legal Adviser in the CBI who attained the age of 58 years on 28-2-1982, for a period of 6 months w.e.f. 1st Sept. 1982 to 28th 1 eb. 1983.

The 8th July 1982

No. M.2₁65.AD.N.—Shri M. Ramakrishna, Dy. Legal Advisci. Central Bureau of Investigation, Hyderabad on attaining the age of 58 years, retired from Government service with effect from 30th lune, 1982 (A.N.).

No. P. 6/67.AD.V.—Shri P. N. Nambisan, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Invsetigation, Madras on attaining the age of 58 years, retired from Government service with effect from 30th June, 1982 (A.N.).

No. 1-10 82-CFSL(AdV) 5 88.—The President is pleased to appoint Shif P. S. Nayar St. Scientific Officer (Finger Print). Central Forensic Science Laboratory. New Delhi as Assistant Director (Finger Print) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi in a temporary capacity w.c.f. forenoon of 24th June 1982 until further orders.

The 12th July 1982

No. A-19036/9 82-A.D.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to promote the following Inspectors to officiate as Dy. Superintendents of Police in CBI on ad-hoc basis from the date mentioned against their names until further orders:—

| Name of the Officer | Branch to Whice Posted | ch Date of ad-hoc Promotion |
|---|--|---|
| | | |
| 1 S. K. Rattan 2. Surendran K. Nai 3 K. N. Sinah 4. S. Parsad 5. N. C. Jha 6. A Prasad 7. M P. Sharma | Co-ordintion r Special Unit Shillong CIU (NC) GOW: Bombay Paina CIU (E) II | 3.4.1982 (AN) 14.6.1982 5.4.1982 AN) 3.4.1982 22.5 1982 4.5.1982 3.4.1982 |

R. S. NAGPAL Administartive Officer (E) Central Bureau of Investigation.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st June 1982

No E-38013(4)|5|82-Pers.--The President is pleased to appoint Shii S. S. Chib, on promotion on ad-hoc basis, as Assit. Commandant, CISF Unit, HIL Rasavani with effect from the forenoon of 30th April, 1982.

SURENDRA NATH Director General.

New Delhi-110003, the 9th July 1982

No. F-29020 2₁82-G \ \text{A.I.}—The President is pleased to appoint Shir R. C. Tiwari substantively as Assistant Commandant in the Central Industrial Security Force w.e.f. 1st rannary, 1981.

The 13th July 1982

No L-31013(1)|1|82-GA-1.—The President is pleased to promote Shri N. N. D. Kaul, Assistant Commandant, NW| zong, CISF. New Delhi, to officiate in the rank of Assistant Inspector General, NW|Zong, CISF, New Delhi on ad-hoc basis w.c.f. the forenoon of 23rd June, 1982 till 31st July 1982 (AN).

SHIVRAJ BAHADUR Director General.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 3rd July 1982

No. 10₁28₁80-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shii Y. D. Sharma, Programme Assistant|Console Operator in the Computer Centre, Department of Statistics, as Assistant Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 19th June, 1982, until further orders.

2 The headquarters of Shii Sharma will be at New Delhi.

No. 11/44/81-Ad. I The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officers as Assistant Director (Data Processing) in the office of the Director of Census Operations in states as mentioned against each, on a purely to nporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date as indicated against each or till the post is filled in, on a regular basis whichever period is shorter:—

| SI. Name of the officer No. | | | | Office in which working | Date of appointment | prescribed Head- quarters |
|--------------------------------|---|------|---|----------------------------|---------------------|------------------------------|
| 1 2 | | | | 3 | 4 | 5 |
| 1. Sh P. K. Rout | | | | DCO, Orissa, Bhubaneswar | 1-6-1982 (F/N) | Bhubaneswar |
| 2. Sh. J. Thomas Machedo | • | • | • | . DCO, Maharashtra, Bombay | 16-6-1982 (F/N) | Bombay |

P. PADMANABHA Registrat General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th July 1982

No. BNP C/5/82—On the recommendations of the DPC (Group 'B') the following officers are appointed in substantive capacity against the permanent posts and from the dates shown against each.

| Sl. Name No. | Post against which appointed in substantive capacity | Date of substantive appointment |
|------------------------|---|---------------------------------|
| 1. Shri D. R. Mansingh | . Assistant Engineer (Mechanical) | 27-2-81 |
| 2. Shri S. L. Malhotia | . Assistant Engineer (Air Condition- ing) | 23-5-81 |

J. C. GULATI, Dy. Gen. Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF HIE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 7th July 1982

No Admn.t]8.132[82-83]132.—Str Gulam Yazdant, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Adm.,1[8,132]82-83[132.—Str. T. Lakshmipathi, Accounts Olificer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admn.1/8.132/82-83/132.—Sri V. R. Jayavelu, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradseh, Hyderabad, has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admit [8.132]82-83[132.—Sri O. V. Narasimhani, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admn.I|8.132|82-83|132,—Sri G. J. Manual, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh Hyderabad has retired voluntarily from service on 1st July 1982 C.N.

B. MASON

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, POSTS & TELEGRAPH

New Delhi-110054, the 13th July 1982

No. Admit. III/132/23(A)(2)Notification—The Director of Audit, Posts and Telegraphs has been pleased to promote a nd appoint the following Section Officers as officiating Audit Officers and to post them in the P&T Branch Audit Officers indicated against eacht until further orders. Their promotions are on ad-hoc basis and are subject to revision.

| S. Name No. | , | | P&T Branch Audit Office to which belong as S. O. | P&T Branch Audit Office to which posted | Date of promo- tion as Audit Officers |
|----------------------------------|---|---|---|--|---|
| 1. Shri Sund Bhushan Ghosh . | | | Calcutta | Given proforma promotion under N. B. R. | 14-9-81 F.N. |
| 2. Shri Vishwalingam Ramaswamy-l | | | Madias | Bombay | 5-10-81 F.N. |
| 3. Shri Amiya Kumar Chakraborty | | | Calcutta | Given proforma promotion under N.B.R. | 30-10-81 F.N. |
| 4. Shri Sohan Lal-II | | | Lucknow | Jaipur | 30-10-81 F.N. |
| 5. Shri Joydeb Karar | | | Calcutta | Given proforma promotion under N.B.R. | 29-1-82 F.N. |
| 6. Shri Madhukar Raja Ram Dhoki | • | | Nagpur | Delhi | 22-1-82 F.N. |
| 7. Shri P. Radha Krishnamurthy . | | | Hyderabad | Bombay | 22-1-82 |
| 8. Shri Bhuban Chandra Hazara . | - | | Calcutta | Given proforma promotion under N.B.R. | F.N. 29-1-82 |
| 9. Shri Sushil Chandra Biswas . | - | | Calcutta | N.B.R. Delhi | F.N. 29-1-82 |
| 10. Shri Banglore Srinivasan . | | | Madras | Delhì | F.N. 18-2-82 |
| 11. Shri Arun Bikas Banerjee . | | | Calcutta | Lucknow | F.N. 12-2-83 |
| 12. Shri Amalendu Bhattacharjee | | • | Calcutta | Ahmedabad | F.N. 24-2-82 F.N. |

K. K. THAPAR Deputy Director of Audit (H.Q.).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 6th July 1982

No. 33|G|82, --The President is pleased to appoint the untermentioned officers as Offg. D.M.|DADGOF with effect from the date shown against them:--

- (1) Shri A, K. Piabhakar, AM (Prob)—30th April, 1982.
- (2) Shii B. Saha, AM (Prob)-30th April 1982.

No. 34|G|82.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. A.M.|TSO with effect from the date shown against him:—

+1) Shri S. B. Thambuswamy, Foreman -- 29th April, 1982.

The 8th July 1982

No. 32₁G/82.—Shii R. A. Krishnan, Offg. Jt. General Manager, (Permt. Manager) retired Voluntarily from service with effect from 1st Sept. 1981. (AN)

V. K. MEHIA Assti. Director General, Ordnance Luctories.

Calcutta-700069, the 2nd July 1982

No 7/82/A/E-1.—Shri P. G Goswami Subst. & Permit. Assistant, Offg. Assistant Staft Officer has been declared permanently incapacitated for Govt. service by the Competent Medical Authority, and the D.G.O.F. has sanctioned invalid pension to him under Rule 38, C.C.S. Pension Rules, 1972. Smil Goswami is transferred to Pension Establishment accordingly well. 11th June 1982, the date on which the Medical Authority declared him permanents incapacitated for further stevice under Government.

C. S. GOURISHANKARAN Member Personnel.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th June 1982

No A-19011 29 79-Admin II(A)—The President 1, pleased to permit Shri V. Krishnaswamy lyengar, Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Madras to retire from Gevernment service with effect from the afternoon of the 30th June 1982 on attaining the age of superannoation.

The 5th July 1982

No. A-19011,10/79-Admn. II(A).—The President is pleased to permit Shri P. K. Prabhakar, Deputy Director (Designs) in the Weavers' Service Centre Bangalore to retire voluntarily from Government service with effect from the affernoon of the 30th fune, 1982

Addl Development Commissioner for Handlooms

(DEPARTMENT OF COMMERCE) KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Gandhidham-370230, the 18th May 1982

No. FTZ/ADMN₁7/2/79/10932.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Ghandhidham—Kutch hereby appoints Shri S. Ramanathan Examiner (O.G.) Madras Collectorate of Customs as Appraiser, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/60 E. TH dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the payscale of Rs. 650-30-740-35-810-1.B-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from A. N. of 19/4/1982 until further orders.

NIRANIAN SINGH Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVFLOPMENT) OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011 the 7th July 1982

No \tag{No}19018[846]a4\tag{Admn(G)}\tag{Consequent on his appointment as Assistant Manager (Technical) (Southern Region) in Bharat Feather Corporation Ltd., New Delhi

Shri K. S. Naida relinquished charge of the post of Assistant Director (Gt. II) (Leather/Footwear) at Central Footwear fraining Centre, Madras under Small Industrie, Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 19-4 1982.

C. C. RO's Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-I, the 9th July 1982

No. V-11(1156) —The President is pleased to the continuance of ad-hoc appointment of Shirt. V. Pote as Assistant Director (Litigation) (Grade 1) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay for a further period of six months beyond 15-4-1982 or till the post is alled on a regular basis whichever is earlier.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
For Die General of Supplies and Disposals

(ADMN, SECTION A-6)

New Deihi-110001, the 8th July 1982

No A-6 247(49)57.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Bhaduri, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) in the Office of Director of Inspection Calcutta to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Cirade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26th May, 1982 in the same office at Calcutta and until turther orders

2 The ad-hoc appointment of Shii N. N. Bhadini will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count ior the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

Deputy Director (Administration)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th July 1982

No 29[6]81-S11.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri 1. Chakraborty to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio. Silchar with effect from 24-5-1982 (F.N.).

No. 29/7/81-SIL-- Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Bhag Chand Panwar to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Suratgath with effect from 14-4-1982 (F.N.).

S. V. SESHADRI Deputy Director Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SURVICES

New Delhi, the 8th July 1982

No A.19012,4]79-SI.—The President is pleased to appoint Shri P K. Guha. Assistant Depot Manager, Medical Store Depot, Madras to the post of Depot Manager, Medical Store Depot, Kainal for three months with effect from the forenoon of 5th May, 1982, on an ad-hoc basis and until further orders.

SHIV DAYAL Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 8th July 1982

No. A.12025,13;78(NTI)Admn.1—Consequent upon his appointment to the post of Veterinary Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, Dr. K. N. Tandon relinquished charge of the post of Veterinarian at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the afternoon of the 13th May, 1982.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O & M)

Nizamuddin

MINISTRY OF RAILWAYS

.RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 20th July 1982

PUBLIC NOTIFICATION

No. 82 RI-1616.—It is hereby notified ich the general information of all users of Railway lines and premises situated on the undernoted sections of the Northern Railway, that the 25000 Volts 50 cycles A.C. Overhead Traction wires have been energised on the date specified against the section. On and from the same date, the Overhead Traction wires shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead

| Nection . | Date |
|--------------------------|-----------|
| Nizamuddin-Chanakyapuri | 14-6-1982 |
| Chanakyapuri-Patel Nagar | 15-6-1982 |
| Patel Nagar-Sadar Bazar | 30-6-1982 |
| New Delhi-Tilak Bridge- | |

HIMMAT SINGH Secy., Railway Board

BHABIIA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay 400085, the 9th July 1982

No. PA[15(1)]77-R-IV[678.—The Director, Bhabba Atomic Research Centre, appoints Shri Radhe Shyam Upadhyay as Scientific Officer Engineer Grade SB in BPP Project of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 29, 1982 until further orders.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd July 1982

No. PPHD₃32(20) 82-Adm P.H.—Chief Project Engineer. Kakrapar Atomic Power Project is pleased to appoint Shri B. M. Ganatra, a permanent Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity in the Kukrapar Atomic Power Project with effect from the forenoon of May 3, 1982 until further orders.

The 5th July 1982

No._PPED[3(283)[82-Fstt.1]9110.--Director, Power jects Engineering Division, Bombay hereby appoints
P. Vasu a permanent Upper Division Clerk of BARC officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of June 21, 1982 until further orders vice Shii S. R. R. Rao, Assistant Accounts Officer promoted.

No. PPED[3(282)]81-Estt_I[9177.-Director, Power jects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V. V. Sawant, a permanent UDC and officiating Assistant Accountant of Directorate of Purchase and Stores as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of June 25, 1982 until further orders.

R. V. BAJP Λ l General Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Rombay 400001 the 5th July 1982

No. DPS[23]3[79-Est.]15043.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nilkanth Baburao Nadkarni, Storekeeper, to officiate as Assistant Stores Officer (ad-hov) in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the in the same Directorate with effect from May 15, 1982 (FN) to June 15, 1982 (FN) vice Shri K. Chandresckharan. Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer.

No. DPS[23]3[79-Est.]15049.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanjirakkatt Essac George, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from April 30, 1982 (FN) to June 11, 1982 (AN) vice Shui John Vareed, Assistant Store, Officer granted leave.

> B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001, the 6th July 1982

No. DPS[2]15]80-Est.]15081.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakodan Radhakrishnan, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from December 28, 1981 (I·N) to April 30, 1982 (AN) and in a regular capacity with effect from May 1, 1982 (FN) in the same Directorate until further orders.

> K. P. JOSEPH, Administrative Officer

HEAVY WATER PLANT

Tuticorin-628007, the 17th April 1982

CASE

No. Ref. HWPT|Fstt|H-4|TUT|CO|036.—Shri A. R. Haribman, a temporary Tradesman 'C' in the industrial establishment of Heavy Water Plant in Tuticorin was granted leave from June 15, '81 to August 14, '81. A telegram dated August 7, '81 requesting for extension of leave upto October 31, '81 was received from Shri Haribaran and he was informed vide telegram dated 17.8.81 that the leave has not been granted and he should report for duty immediately not been granted and he should report for duty immediately. Shri Hariharan did not however turn up for duty after expiry of the leave sanctioned to him upto 14.8.81. Since Shri Hariharan did not report for duty after the expiry of the leave sanctioned upto 14-8-81 he was charge-sheeted under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 for unauthorised absence from 15.8.81 vide memorandum No. HWP [Estt]H-4|9026 dated September 18, 81. The inquiry was conducted in terms of Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965 and the Inquiry Officer has submitted his report dated 12-11-81 stating that the charge that Shri Hariharan remained absent unauthorisedly from 15 8.81 (antamounting to violation of the provisions contained in Rule 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules 1964 according to which every Government servant shall at all times do nothing which is unbecoming of a Government servant has been proved. I agree with the findings of the Inquiry Officer. A Government servant absenting himself in this manner cannot be said to be devoted to his duty by any standards. After taking all aspects of the case into consideration I have come to the conclusion that Shri Hariharan is not a fit person to be retained in service. is not a fit person to be retained in service.

ORDER

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred under Rule 12(2)(b) of Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965, I hereby order that the said Shri A. R. Harihatan be removed from purposes with immediate effect. service with immediate effect.

C. B. RAMAMURTY, Works Manager

Copy to : Shri A R Hariharan, 32 AA, Private Lane, Chairman Muthuramier Road, Madurai-9.

OFFICE OF THE DIRECTOR GLNERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 8th July 19

PRFM CHAND Asste Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 8th July 1982

No 2/1982—Consequent upon their promotion to the grade of Administrative Officer/Asset Clinef Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200, the following Office Superintendents, Central Excise assumed/tookover the charge of Examiner of Accounts/Administrative Officer, Central Excise Group 'B' on the dates and places mentioned against each—

| SI Name No | Place of posting | Date of joining |
|-----------------------|--|-----------------|
| S/Shrı | | |
| 1. U R Sen | Fxamines of Ac- counts Hdqis Office, Kanpiii | 30-4-81 Г N |
| 2. Radhe Shyam Sinh i | Do | 29-8-81 F N |
| 3 M K Batra | Administrative Officer | 13-4-82 F N |
| 4 A K Kar | Administrative Officer Kanpui Division II | 24-4-82 A N |

No 3/82—The following Group 'B' Officers of this Collectorate retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each

| | Name of the Officer & post held at the time of retirement | Date of retirement |
|---|---|--------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| | C/CL | |

S/Shri

1 G D. Singh, Superintendent Gola Range, Sitapur Division

31-9-81 A N

| | 2 | 3 |
|-----|--|----------------------------|
| 7 | S/Shii H B Shaims, Superintendent (Lav.) Headquarter Office Kanpin | 31-10-81 A N |
| 3 | D D Jun, Supermendent Batelly Division | 30-11-51 A N |
| 4 | K. K. Chaturvedt, Superintendent Kaungant Farrukh ibad Division | 21 12 81 A N |
| 5 | J K Dhuraiya, Superintendent Gurshaiganj, Fatrukhabad Division | 31-12-81 A N |
| 6 | D N Chaturvedi, Superintendent Fairukhabad Division | 31-1-82 AN |
| | S N Marwah, Superintendent Lakhimpur Rauge, Sitapur Di- vision | 31-1-82 A.N |
| 8 | S N Kharma, Superintendent Bareilly Division | 28-2-82 A N |
| | J S. Sexena, Superintendent (Audit) Headquarter Office, | |
| | Kanpur J N Tewan, Superintendent | 31-3-82 AN |
| } J | Kanpur Division I M. K. Batta, Administrative Offi- | 31-3 S2 A N. |
| | cer Headquarter Office, Kanpur | 30-4-82 A N RAMAKRISHNA |

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 6th July 1982

No \ 19012 988 82-Estt.V—Chanman, Central Water Commission hereby appoints Shri Biswapati Basu, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 231d March, 1982

No A 19012|998|82 Estt V — Chairman Central Water Commission hereby appoints Smt I Pra anna Kuman to officiate in the grade of EAD|AE (Engineering) on purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 17–5–82,

MEHNGA RAM, Under Secretary

Collector

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. JDR/62/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

House No. 5-82 Shivaji Park, situated at Yamunanagai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lagadhari in Oct 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (Y) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Pushpa Devi W O Gopal Dass Chawla, Smt. Nihal Devi R/O Patwa Pur, Smt Birda Devi wd/o Sh Prem Parkash i o T-2/3, Baljit Nagar, Delhi, Smt Shanti Devi w/o lagadish Lil Nihal Devi i o S. H. 4-54, New Moti Nagar, Delhi-15.

(Trunsferor)

(2) Smt Santosh Kohli w o Pian Nath rio 16 Vishmi Nagar, Jagadhari Shri Rajinder Nath s/o Nathu Ram, i/o 38/2 Chand Nagar, Alem Bach, Lucknow.

(Transferce)

(3) Shu Rajparl Setia s/o Shri Munshi Ram Setia, House' No. 5-82, Shivaji Park, Yamunagai,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used liciein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being house No. 5-82, Shiyan Park, Yamunanagar, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 134? dated 15-10-1981 with the Sub Registrar, Japadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-6-82

Scal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Madan Isal S/O Sh. Gurditta Mal, R/O Jesico Colony, Jerroda Gate, Jagadhari.

(Transferor)

(2) Smt. I ajwanti Devi w/o Som Parkash House No. 507, Jesico Colony, Lagadhari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. JDR. 65 81-82—Whereas I, G. S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House No. 507 Jesico Colony, situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari on Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax ...et, 192' (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—176GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by 2019 other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being house No 507 situated at Jesico Colony, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4158 dated 8-10 81 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-6-82

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMP TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak the 16th June 1982

Ref. No. JDR 63-81-82s-Whereas L. G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the "and Not"), have rea on to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No.

House No. 536-1. Model Town situated at Yamunanagai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhari in Oct. 31

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to each team fer as agreed to between the parties has not been truly study in the each instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which outlit to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Leome tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ρ (Sens, namely :-

(1) Shri Ved Parka h Chopra 5/0 Shri Raja Ram Chopra, (20 536-L, Model Town, Yamunanaga)

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh's o Shri Mahonder Singh House No. 536-L, Model Town, Yamunanagar.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLONATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 536 L. Model Fown, Yamunanapar and as more mentioned in the sale deed registered at Soc. 1273 dated 1:40-82 with the Sub Registrar, Jacadhari

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robbit

Date , 16-6-82 5 d :

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Karuna Walis V/O Shi/ Manohar Walia

Shir Firlok Chand 5/O

Shii Hushiar Singh R/O 18B, Mahesh Nagai,

Ambala Cantt.

(Transferor,

Shir Karima watis 37,0 Shir Manohar Walia House No. 316, Mahesh Nagar, Ambala Cantt.

(Transferee)

OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROITIAK D.L.F. COLONY

Rohtak the 16th June 1982

Ret No. AMB/41 81-82. -Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0'90, and bearing No.

House No. 316. Mahesh Nagar situated at Ambala Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81.

for an apparent consideration, which is less than the tail market value of the aforestid property, and I have reason to believ, that the ran market value of the property as discretal exceeds the apparent consideration therefor by more than betteen per cent of such apparent ech ideration and that the maderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Iacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other per on interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The term, and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being house No. 316, Mahesh Nagar, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4014 date. 29-10-1981 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-6-1982 Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. AMB/50/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 90 Kailash Nagar situated at Model Town, Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurnam Singh S/O Sh. Puran Singh, R/O Kailash Nagar, Model Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Singh S/O Shri Soba Singh, House No. 90 Kailash Nagar, Model Town, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 90 Kailash Nagar, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3703 dated 6-10-81 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-6-82

Seal:

Ambala on Oct 81

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THI INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMFNT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK DLF COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. AMB/42/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1428 Ward No. 6, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office; at

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Amei Devi, Shri Badri Parshad, R/O Ambala City.

(Transferor)

(2) Shir Jawahar Lul S/o Sh. Moti Tul, House No. 1428 Ward No. 6. Ambala City,

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1428 Ward No. 6, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. .3982 dated 26-10-1982 with the Sub Registrar, Ambala City.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-6-82

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFF1CE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. AMB/44/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 5088-W-3/1212-B-III, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirmal Kumar, Komal Kumar, Anil Kumar sons of Shri Kamla Wanti wd/o Late Sh. Dharam Parkash, Smt. Rita Jain w/o Shri Nirmal Kumar, 1/o B-328/1, Sham Singh Road, Civil Lines Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smtt. Trishla Jain w/o Shti Sushil Kumar r/o 5088/3, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 5088-W-3/1212-B-III, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3958 dated 23-10-1981 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-6-82

Seal:

FORM ITNS-

F UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. AMB/46/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. AMC/606/3-B/2, Model Town, situated at Ambala city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar Lamba S/o Mulakh Raj, R/O Kailash Nagar, Model Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Narain Dass s/o Ram Roop Shakuntala w/o Shu Vijay Narain. House No. 606/AMC/3, Kailash Nagar, Ambala City.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. AMC/606/3-B/2, Model Town Ambala City and as more mentioned in sale deed registered at No. 3817 dated 15-10-1981 with the Sub Registrar, Ambala

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-6-182

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No AMB/48/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
House No. 205 Model Town, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to 'he following persons, namely:—

 Shri Sain Dass Khanna s/o Shri Hari Chand, R/O C-529, Saraswati Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Harbans Lal Lamba S/O Shii Mool Rai, Devinier Kumur s/o Shii Harbans Lal, R/O 324-B, Model Town, Ambala City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 205 Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3710 dated 6-10-81 with the sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Date: 18-6-182

Scal .

Sonepat in Oct. 81

FORM ITNS-- ---

NOTIC: UNDER SI (FION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAN,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. SP7/83 81 82 - Whereas I G S GOPAI Verification the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing No. I and measuring 73 kinal 17 mula situated at Kisota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an ipparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration there to by more than latteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the itoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23--176 GI/82

- (1) Smt Baiphi wd/o Kanwal Singh, Inder Singn, Mohinder Singh, Hukam Chand and Smt Satbiron, Shei Singh S/O Phool Singh R/O Village Kishora
- (11ansfe101)
 (2) S/Shir Harish Kapoor Satish Kipoor, Arun Kapoor, sons i Shir Des Raj R/O C 12, Kailash Colony, New Defhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an, of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I VII VIVION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A t, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 73 kanal 17 marks situated it village Kishora 1eh Sonepat and as more mentioned in the sile deed registered it No 3189 dated 16 10 81 with the Sub Registrar Sonepat

G S GOPAIA
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 18-6 1982 Seal

FORM 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.I. F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Rci. No. GRG/78/81-82.—Whereas, I. G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No 1375 Sector No. 4. Urban Ustate situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbans I al Sohm s o Shri Kanta Ram Sohni, T-452, Baljeer Nagar, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Smi Murokh Raj c/o Shu 'sha Nand, House No. 105-R, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1375 Sector No. 4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered of Iso 7840 dated 6-10-1981 with the Sub Registrat, Gurgaon

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-6-1982.

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROTTAL D.L.L. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. GRG, 128 81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1,2 portion of Kothi No. 2, situated at New Colony, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guigaon in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the tratica has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Trilochan Singh S/O Sujan Singh, New Colony, Guigaon.

(Transferor)

(2) Shri Rajan Soota S/O Sh. Jai Dayal Soota. Kothi No 2. New Colony, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPTANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1'2 portion of kothi No. 2, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3059 dated 26-10-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtals

Date: 18-6-1982.

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No BGR/500/81-82, --Whereas, I, G. S. GOPAIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No. 117, Chawla Colony, situated at Eaflabgath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ballabgarh in Oct 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ng persons, namely:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfering;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby, initiate proceedings for the acquisition of the proresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Snri Jawahar Lal C O Hudhar Lai K o Dayapur Jen, Kanga (UP.).

(Transferor)

(2) Sm. Premwati w o Sh. Behati Lal. 870 Bira Lal. R70 Vill. Dhoj. No. House No. 117, Chay E. Colony, Ballabrath.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 117 Chawla Colony, Ballabgath and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9805 dated 1-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgath.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-6-182

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No BGR/500/81-82—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No 117, Chawla Colony, situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ballabgarh in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ing persons, namely:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfering; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby, initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jawahar Lai S'O Hardwari Lai, R'G Dayalpur Tch Knorja (U.P.).

(Transferor)

(2) Smt Premwatt w o Sh. Behart I al 5/6 Hira I al R/O Vill. Dhoj, No House No 117, Chawla Colony, Bullabgath

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Property being house No. 117 Chawla Colony, Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9805 dated 1-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-6-182

(1) Shri Shivji Ram S/O Sh. Madho Ram, 10/8 Gali Subhash Chand, Dalhi-32.

(Transferor)

(2) Shii Sham Lal szo Sh. Lishan Lal, Bazar Uchabaon, Ballabeach Now House No. 211 Ward No. 6 (adi-3, Lallabeach.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. BGR/501/81-82.—Whereas I. G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop near Janki Dharamshala situated at Ballabpath (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgath in Oct. 81 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property of aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPI VNATION 5-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being shop situated near lanki Dharamshala Ballabgath and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10014 dated 6-10 1981 with the Sub Registrar, Ballabgath,

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-6-187

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref No BGR 432/8182—Where 1, G S GOPAl A being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No 414 Nehru Ground, situated at N.I.T Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ballabgarh in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alore stud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S K Sharma, Advocate, Sco Sh. Ram Sahal Sharma R o Old Radway Road, Gurgaon (Transferor)
- (2) Shri Mehar Chand S/O Shri N C Gera R O 5-N 2-A New Township, Found thad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being shop No. 414, Nehru Ground, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9844 dated 1.10.1981 with the Sub Registrar, Ballabouth

G S GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Dath 19 6-182

FORM 1.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. BGR '433/81-82 -- Whereas I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 415-B, Nehru Ground situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ballabgarh in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) Inciditating the concentrant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Natesh Sharma W.o. Shii S. K. Sharma. Advocate, R.o. Railway Road. Gurgaon

(Transfero)

(2) 1. Shii Sant Ram Gera S/O Sh. N. C. Gera, R/O House No. 93, Sector 15-A, Faridabad.
2. Shii Ajai Gera S/O Sh. N. C. Gera, R/O H. No. 88, Sector 15-A, Faridabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:xPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 415-B, Nehru Ground, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9845 dated 1-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-6-182 Scal :

FORM ITNS----

Antony Madras. Joseph 86. Secretariat Colony, 7th St,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Combatore-18. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madrus-6, the 1st June 1982

Ref. No. F. 11693.--Whereas, I. R. P. PHIAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 18 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5657181)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Combatate on Oct. 1981

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income (ax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from scrvice of notice on the respective persons, whichever period expired later,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as ate defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475. Trichy Road, Coimbatote. (Doc. 5657|81)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2. Madras-6

Date: 1-6-1982

FORM I.T.N.S.

(1) Shi Kenneth Micheal D. Silva, 3, Hill Haven, Mount Road, Coonoot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Combatore-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPI-CTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref. No. F. 11693.—Whereas, I, R. P. PII.LAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc 5656/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
24—176 GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 1|1475, Trichy Read, Coimbatore, (Doc. 5656/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 1-6-1982

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Joseph Andrew D. Silva, 24, Chettipalayam Road, Podanui, Coimbatoie-23.

(Transferor)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123. MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref No. F. 11643.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. TS 1/1475 intuated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5652/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Caimbatore on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (.) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore, (Dog. 5652/81),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-2, Madras-6

Date: 1-6-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Louis Andrew D Silva 60, Dr. Rajarathnam St., Kattoor, Coimbatore-9.

(Transferor)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Combatore-18. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madoas-6, the 1st June 1982

Ref. No. F. 11693 -- Wherous, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1 1475 situated at Trichy Road, Combatore, (Doc. 5651|81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

ut Combatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties bar not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe., and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the oud immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- F PLANATION :- For terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15 1,1475, trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5648181)

> R. P. PH LAI Competent Authority Inspecting Assistant Commission of the function Acquisition Long-2. Madras

Date: 1-6-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shti Antony Joseph, 86, Secretariat 7th St., Madras. (Transferor)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatoie. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ret. No 1 11693 - Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fau market value exceeding Rs. 25,000/-No. TS 1/1475 situated at 'Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5650(81))

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Combatore. (Doc 5650]81).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Date : 1-6-1982 Seal :

FORM I.T.N.S.-

 Shri Jaresa Rosario, 117, Railway Quarters, Podanur, Coimbutore-23.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Combatore-18. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st lune 1982

Ref. No. F. 11693—Wherens, I, R. P. PH L.M, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Combatore, (Doc. 5649/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE \$CHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc. 5649/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1982

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Josephine Panchout, C/o Kenneth D Silva, 3, Hill Haven Mount Pond, Cconool (Fransferor)

(2) S Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-2, 123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madeas-6, the 1st June 1982

Ref No F. 11693—Whereas, J. R P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5648/81)

(and more fully described in the Schedule innexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office:

at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1/1475, Trichy Road, Combatore. (Doc 5648|81)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 1-6-1982

FORM I.T.N S.-

(1) Shii Kenneth Micheal D Silva Hill Haven, Mount Read, Coonooi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION z69D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S Krishnaswamy, 257, Trichy Road Coimbatore-18 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 1st June 1982

Ref No F 11693—Whereas, I, R P PHI I AI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No TS 1/1475 situated at Trichy Road Combatore, (Doc 5647/81)

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Combatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore (Doc 5647/81)

R P PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Astt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 2, Madras-6

Date . 1 6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madias 6, the 1st June 1982

Ref No F 11693—Wherens, I, R P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5658.81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Taiesa Rosario, 117, Ratiwav Quatters, Podanur, Combatore 23 (Transferor)
- (2) S Krishnaswamy, 257, Trichy Road Combatore-18 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1 and and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc 658/81)

R P PH LAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 2, Madias 6

Date 1-6-1982 Seal:

FORM ITNS ---

(1) Shri Louis Andrew D Silva, 60, Dr. Rajarathnam St., Kattoor, Coimbatore-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER MICTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road Coimbatore-18 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS 6

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madias-6, the 1st June 1982

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 11693.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1/1475 simated at Trichy Road Colimbatore, (Doc 5659|81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- *(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5659|81)

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

R. P. PILI AI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 1-6-1982 Seal

25-176 GI/82

FORM ITNS.----

1) Josephine Panchout, Co. Kenneth Micheal D. Silva, 3 Hill Heiven Mount Road C oncor

(2) S. Kushnaswimy. 257. Trichy Road. Combitore 18

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAY ACT 1961 (14 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME IAS ACQUISITION RANGE 2, 123 MOUNT ROAD MADRAS 6

Madias-6 the 1st June 1982

Ref No F 11693 - Whercus I R P PHLAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fau market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. 15 I 1475 ittrifed at Trichy Road. Combators (J) nc 5660(81)

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer it Combators on Oct 1981

for an approxim consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state! in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilisating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sud Act to the following nerson namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE.

Land and building at 8/258 Trichy Road Coimbatore (Doc 5660 81)

> R P PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 2, Midras 6

1-6-1982 Date Seal

FORM I'INS-

 Joseph Andrew D Silva 24, Chettipalayam Road, Podanur, Coimbatore-23

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Krishnaswamy, 257, Trichy Road, Coimhatore-18.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGL-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6 Madras-6, the 1st June 1982

Ref. No. F.11693.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Combatore (Doc No 5661/81)

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Combatore on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APTANATION The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1/1475, Trichy Road, Combatore (Doc. 5661/81)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2.
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th June 1982

Rei. No. F.11705 .-- Whereas, J, R. P. PILI AI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No TS 328/7/2 situated at takshminagai Main Road Firuppui (Doc. 287[81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firuppur on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the 1an market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeward exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

- (1) Senbahavalli, Thangammal, Muthuswamy Subramaniam, N. Krishnan, N. Muralidharan, N. Senthil, Partners, Jayalakshmi Cotton Textiles and Muthukumar, Cotton Textiles, Tiruppur (Transferor)
- (2) N. Pilaniappan Slo Nachimuthu Udayai Fobacco Stalks Merchant, Avanashi Road, Annur-638 653

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at TS No 328/7ffl2 I akshminagat Main Road, Tiruppur. (Dec. 2874/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 4-6-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th June 1982

Ref. No. F.11698.—Whereas, I. R. P. PHJ.Al being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SF 23ff11/24 and 25 Part situated at Chinnanadampatti (Doc 4786|81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhipuram on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Pathy. Rasokondalu, Circuit House Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) K. Narayanaswamy, 198, Bharathiyar Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 23/1, 24 and 25 part, Sinnanadanepatty village, (Doc. 4786/81).

R. P. PILLA1
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date: 9-6-82 Scal:

FORM INS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 8th June 1982

Ref No F 16731.-Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 36 situated at Wallers Road, 9, Richie St., Mount Road, Madras-2 (Doc. 923|81) (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane on October, 1981

for an apparent consideration, which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ' -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) G. Murugesan, G. Yuvaraj, K. Gangadharan Chettiar, 103, Kalava Chetty St., Chintadripet Madras-2.

(Transferor)

(2) Kunjilal Bhaiya 295, Mowbrays Road, Madras-600 018 and Narayan Prakash Bhaiya 24, Neelakanta Mehta St, Madras-17.

(Transferee)

1 (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 36, Wallers Road and 9, Richie St., Mount Road, Madras-2. (Doc 923|81)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2. Madras-6

Date · 8-6-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE CF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE, ACQUISITION RANEG-II NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81, 6025 —Whereas, I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Agri, land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor of pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1927);

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—.

(1) Shri Jagmal Singh \$75 Shri Khazan Singh, F/O Vill. Haiderpar, as GA of Shri Neki Ram o Shri Udmi R/O Vill Siraspur, Delhi

(Transferor)

(2) Smt Savita Devi w o Sha Hua Lal d o Late Cur Lal 170 2/31 Mukimpura, 8 Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 588 Vill Siraspur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR GUILDING, I.P. ESTATI⁷, ACQUISITION RANEG-II

NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6026.—Whereas, I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Agri, land situated at Vill, Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagmal Singh s|o Shri Khazan Singh, R|o Vill. Haider Pur, Delhi as GA of Neki Ram s|o Shri Udmi R|o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Iain slo Shri Gopi Ram Iain Rlo 5288, Kolhapur, House S. Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 588 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Date: 21-6-1982

Ser1:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) UF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. ACQUISITION RANEG-II NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II]10-81[6018.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land situated at Vill. Sinaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—176 GI/82

(1) Shri Attar Singh, Kartar Singh Shri Daryao Singh s|o Shri Dharma Shri Rajinder s|o Sardar Singh, Shri Mukhtiar Singh, Shri Mohinder Singh Shri Nafesingh s|o Shri Data Ram, Vill Saraspur, Delhi.

(2) Shri Shyam Lal s|o Shri Matura Prashad & Gordhan Dass s|o Baru Singh R|o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas 10 Biswas Vill. Sarapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi| New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, ACQUISITION RANEG-II **NEW DELHI**

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6020.--Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi, Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the propterty as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Shri Jagjit Singh s|o Ram Sarup R|o VPO Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Snit. Shakuntla Rani wo Shri Guru Dutt Ro K-4, Model Town, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used EXPLANATION: -- The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bigha 16 Biswas Vill, Holambi Kalan, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Delhi New Delh.

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6058.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Saraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyam Lal s|o Shri Mathura Parshad and s|o Shri Baru Ram Gordhan Dass R|o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi wo Pt. Gian Ro Meerut, UP.

(Transferec)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha Vill. Saraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 21-6-1982

- THE L

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANEG-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5973.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Khera Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhartu s|o Shri Sudhan r|o Khera Khurd, Delhi. (Tranaferor)
- (2) Shri Baljit Singh slo Shri Kewal Ram rlo Samepur, Delhi & Shri A. C. Dua slo Shri Ladha Ram rlo R-524, New Rajinder Nagar, N. Delhi. Shri Devinder Kumar Vij slo Shri M. R. Vij rlo Multani Dhanda, Pahargani, New Delhi. Shri Amit Goel slo Shri J. P. Goel Rlo D-13A[8 Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 11 Biswas, Vill. Khera Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Date: 21-6-1982

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Lai s/o Rewa Ram R/o Todapur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subash Chand Jain S/o Madan Mohajan R/o 196/4, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6024.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot of land situated at Hospital Road, Chanan Singh Park,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 217½ sq. yds. Hospital Road, Chanan Singh Park, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Virender Kumar and Smt. Sunanda, E-6, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Bhup Singh and Smt. Murti Devi, Both r/o 810/48, Tri Nagar, Delhi-35.

(Transferee)

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHE

New Delhi, the 21st June 1982

ef. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|8503.—Wheras, I, RINDAR SINGH

g the Competent Authority under Section 296B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred s the 'said Act'), have reason to believe that the immov-property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No.

Rajan Babu Road,

ited at Adarsh Nagar, Delhi

more fully described in the Schedule annexed

to), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on October 1981

in apparent consideration

b is less than the fair market value of the aforesiad pro, and have reason to believe that the fair market value
te property as aforesaid exceeds the appartent consideratherefor by more than fifteen per cent of such apparent
ideration and htat the consideration for such transfer as
ad to between the parties has not been truly stated in the
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising frmo the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-sec
(1) of Section 269D of the said Act, to the following is, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

E-6, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-33 in the abadi of Bharola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6022.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Beg Raj s/o Kalu R/o VPO Holambi Kalan, Delhi.
- (2) Shri Davinder Singh s/o Mangal Singh R/o A/2 Swaran Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 6 Bighas 6 Biswas Village Holambi Kalan, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rarge-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

(1) Shri Beg Raj s/o Kalu R/o Holambi Kalan, Delhi.

(Transferðr)

(2) Smt. Shakuntla Rani w/o Late Guru Dutt, R/o K-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq|II|SR-II|10-81|6021.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being

Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transfered under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the situated at Mohalla Shrikrishnapuri, Patna morefully dessection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 8 Bighas 12 Biswas of Village Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

'F UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

E OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6057.—Whereas, I, DAR SINGH he Competent Authority under Section 269B of the tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the ime property having a fair market value exceeding 000/- and bearing

tural land situated at Village Nangli Sakrawati, Delhi nore fully described in the Schedule annexed hereto), in transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Officer at

Jelhi on October 1981

apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to that the fair market value of the property as aforeceeds the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the ration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of with the object of:—

-) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following s, namely:—

'6 GJ/82

 Shri Sube Singh s/o Har Lal Singh R/o Village Ker, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Singh Sharma S/o Chhattar Singh R/o RZ-22, Naya Bazar, Najafgarh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agricultural land Mg. 1 Bigha 5 Biswas Mus. 32, Killa No. 21/1, Nangli Sakrawati, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5871.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. J-10/13 situated at Rajouri Garden,

Village Tatarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Randhu Singh Ri/o Station Road, Patna-81.

(Transferor)

(2) Shrì Subhash Chander Kathuria HUF, Through its Kaita Subhash Chander Kathuria and M/s. Ramesh Chander Kathuria & Sons HUF Through its Kaita Shri Ramesh Chander at R-47, Kirti nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Commet.

THE SCHEDULE

Plot No. J-10/13, Mg. 272 sq. yards Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 25th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.H]SR-H[10-81]6070.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. WZ-64-A₁/5 situated at Mukerjee Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(T) Smt. Beant Kaur W/o Prem Singh R/o 141 S.P. Mukherjee Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath Sharma S/o Sant Ram Sharma R/o WZ-46, Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-64-A/5, Mg. 233-1/3 sq. yards Mukherjee Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 25-6-1982

269B

FORM ITNS

(1) S. Gian Singh s/o S. Kanshi Singh of No. 14/22, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inderjit Kaur w/o S. Harpal Singh of No. 208-H, MIG Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 25th May 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC Acq. II | SR-II | 10-81 | 6044. -- Whereas, I, NARINDAR SINGH

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. E-2 situated at Fateh Nagar, Mohalla Guru Nanak

Pura, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-2, Mg. 200 sq. yards Khasra No. 454 Fateh Nagar, Mohalla Guru Nanak Pura, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant (ommissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-5-1982

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1982

tef. No. IAC|Acq.Ii|SR-II|10-81|5916.—Whereas, I, RINDAR SINGH

g the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immover property, having a fair market value exceeding 25.000/- and bearing No.

t of land situated at Pankha Road, Delhi

d more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at w Delhi on October 1981

an apparent consideration which is less than the fair ket value of the aforesaid property, and I have reason to eve that the fair market value of the property as aforesaid seds the apparent consideration therefor by more than en per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the lies has not been truly stated in the said instrument of 1sfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

 Shri Madan Mohan Jain s/o L.C. Jain, R/o 196/4, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev Jain s/o Madan Mohan Jain, R/o A-2/287 Pankha Road, Janakpuri, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 351 sq. yards, Pankha Road, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-II|10-81|5795.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 8-64 situated at Inderpuri Colony, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1981

for and apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

 South Asia Industries Pvt. Ltd., 10, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Di lmia Biscuits Pvt, Ltd.
 Rajpura—Patiala
 (Delhi Office 10, Darya Ganj, New Delhi).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. B-64, Inderpuri Colony, New Delhi Mg. 256.68 (3067 sq. yards).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 25-6-1982

 Shri Laxmi Narain Sharma s|o Ramji Lal r|o A-229 Shashtri Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Saran Jit Singh Sodhi s|o Late Raghbir Singh Sodhi r|o A-E-1, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. I $_{C}$ C[Acq.-II]SR-II]10-81|6063.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/ and bearing

Agri, land situated at Vill. Sinaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Biswas (700 sq. yds.) Kh. No. 215, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi.

Date: 25-5-1982.

Seal:

Now the of a, in an analog of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jai Parkash, Prem Parkash and Om Parkash sons of Piare Lal ro Vill. Mukhmelpur, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Bhim Singh sjo Ram Mehai rjo Singhola, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF TNCOME TAX, ACQUISITION RANGE.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-II|10-81|5814.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill Qadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Biswas Vill. Qadipur, Delhi

NARINDAR SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 25-5-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP FSTATE, NFW DFLHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No IAC|Acq.-II|SR-II|10-81¹6064 — Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Agri, land situated at Vill Snaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-176 GI/82

(1) Shii Laxini Nurain Sharina 670 Ramji Lul 170 A 229 Shastri Nagar Delhi

(Transletor)

(2) Shii Tagdish Parshad 870 Tate Shii Tateh Chand 170 C 3/30 Ashok Vihii, Delhi

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons witin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land 14 Biswas (700 sq. yds.) Kh. No. 215, Vill. Snaspur, **Delki**.

NARINDAR SINGLE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Fay
Acquisition Range-II
Delhi|New Dethi

Date: 25-5-1982.

FORM TINS-

(1) day sudhrh Vinnig Cupte . e (70 Ansati Road, Daiyagan), Deffii

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Devinder Singh 8/0 S. Kaitai Singh r/o Guru Nanakpura, Bihai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-II|10-81|6079 —Whereas, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Rs. 25 000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 91 Biswas Vill, Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi

Date: 25-5-1982,

FORM I.T.N.S.---

 Shii Umiaoo Singh so Neki Ram ro Shahabad PO Palam, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena Kakkar wo Haider Kakker Ro B 1032 Janakpuri, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DEI HI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC₁Acq II|SR-II|10-81|5835.--Wheteas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Kakrola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 8 Bigha 8 Biswas Kh. No. 29|16, 17 Vill. Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 25-5 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE NEW DELHE.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC]Acq. II|SR-II|10-81|6061.—Whereas INARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Ishwar Singh s|o Surat Singh R|o B-1447, Shashtii Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Kamal Kumai Mital soo Late Sh. Bhagwati Pd. Mittal Roo 553 Joshi Road, Karol Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agu, land Mg, 400 sq. yds Kh. No. 32 Vill, Sirasptti, Delhi,

NARINDAR SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Trate 21 6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Attar Singh, Daryao Singh, Kartar Singh sons of Dharma, Mukhtiar Singh, Mahinder Singh, Nafesingh s[o Data Ram Rajinder Singh s]o Sardar Singh R]o Siraspur, Delhi.

(Transferor

(2) Shii Shyam Lal s|o Mathura Prashad and Gordhan Dass Sharma s|o Baru Singh R|o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq II,SR-II|10-81|6019.—Wheeras I,NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/a and hearing

Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ago, land Mg. 2 Bighas 10 Biswas Vill. Sirasput, Delhi,

NARINDAR SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi.

Date . 21-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMF TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX, ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, MEW DFLHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No IAC|Acq II|SR-II|10-81|6027.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and beating No

Agri. land situated at Vill. Sirasput, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration too such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922(or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagmal Singh slo Khazan Singh, Rlo Vill. Haider Pur, Delhi as GA to Ncki Ram slo Udmi rlo Vill. Siraspur, Delhi.
- (2) Shii Jai Gopal sio Lazmi Najan rio 23/3 Shakti Nagar, Delhi, (2) Lalit Kr. Jain sio Trilok Chand Jain rio 4494 Gali Raja Patnwali, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. lanl Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds) Kh. No. 588, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-If
Delhi|New Delhi

Date: 25-5 1982

Scal:

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE PROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NFW DFI HI

New Delhi, the 21st June 1982

No IAC]Acq II|SR-II|10-81|6049.—Whereas J. DAR SINGH

te Competent Authority under Section 269B of the tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to said Act'), have reason to believe that the immovable, having a fair market value exceeding 100/- and bearing No.

land situated at Vill. Libaspur, Delhi

ore fully described in the Schedule annexed hereto) a transferred under the Registration Act, 1908 (16 of a the Office of the Registering Officer at

1 Oct 1981

apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than percent of such apparent consideration and that the ation for such transfer as agreed to between the bas not been truly stated in the said instrument of with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269D of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the d property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the followsons, namely:—

- (1) Shiv Rai Mani Rain sons of Mangat Rain, Daya Chand Hans Raj, Ved Raj, sons of Bhoji Rain Mangat Rain Bhoji Rain sons of Hardev all rlo VPO Libaspur, Delhi.
- (2) Shri Ashok Kumar s|o Ram Parash 1|o 109|2-H, Block 'A' C. C Colony, Delhi,

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FNPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HIE SCHEDULE

Plot of land Mg. 679 sq. yds, Kb. No. 30[5 Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGII,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi,

Date : 21-6-1982. Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D.1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II|SR-II|10-81|6013.—Whereas I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashwani Sharma alo Harbana Lal Sharma rio Vill. Samepur, Delai for himself GA Sh. Manphoof Singh slo Deep Chand.

 (Transferor)
- (2) Shu Satish Kumai s o Ram Ludhaya r|o 9635 Gali Neem Wali, Nawab Ganj, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agri. land Mg. 12 Biswas (600 sq. yds) Kh. No. 27|25 Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi[New Delhi.

Date: 21-6-1982.

Scal :

n a car is represented

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|6065,---Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Agri. land situated at Viil. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in October 1981,

for an apparent consideration which is less than for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Sacilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely:—
29—176 GI/82

 Shri Ishwar Singh s|o Surat Singh r|o B-1447, Shastri Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Shii Labu Lal and Shankar Lal sous of Maman Chand rlo C-107, Ashok Vihar, Phase I, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 \mathbf{Ag}_{1} i, land Mg. † Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 32 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

G 13 GROUND FIOOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 21st June 1982

Ref. No. IAC Acq II|SR II|10 81|6030 —Whereas I NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein ifter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000|- and bearing

No Agri land situated at Vill Bakauli near Alipui, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the refice of the Registering Officer at Delhi in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Narindei Kumar slo Rlo 29|5 East Patel Nagar Shri Benari Lal slo Kishan

Behari Lal Sachar New Delhi through

(Transferor)

(2) Shii Chind Sachai ilo 29-E 5 Last Patel Nagai New Delhi Mls Asa Rim Muland Lal, 5583, Naya Bizar Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agrı land Mg 4 Bighas 18 Biswas Kh No 183, Vill Bikaulı near Alipur Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assist and Commissioner of Income-tax
Acquisition Range If Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982 Seal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. $1AC|\Delta cq|U|SR-11/10-81|5981$,—Whereas I, NARINDAR SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid 7 perty by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Lal soo Net Ram roo Libaspur, Delhi GA Sheo Raj Singh, Mani Ram soo Mangat Ram, Daya Chand, Ved Raj, Girraj Hans Raj sons of Bhoj Ram all Roo Libaspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Bal Krishan Handa sio Lala Guru Sahai Handa, Anil Kumar Handa, Sunil Kumar Handa, Pardeep Kumar Handa sons of Bal Krishan Handa all rlo 5C/99, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 750 sq. yds. Khasia No. 24/23, Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi]New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5957.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Lal s|o Net Ram R|o Samepur, Delhi GA Shiv Raj etc.

(Transferor)

(2) Shri Din Dayal s|o Jyoti Pd. R|o 92-Viveka Nand Puri, Delhi and Pritam Parshad Jain s|o Suraj Bhan Jain 2904|7 Gali No. 165, Ganesh Pura, Trl Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 750 sq. yds. Vill, Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6116.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing

No. H. No. A-5 situated at Inderpuri Colony, Delhi, fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. R. Krishnamurthy soo K. Rangaswami Ro E-6A, D.D.A. (MIG Elat) Maya puri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shii Narendar Kumar Khanna s|o L. Sh. Ram Gopal Khanna R|o A-5, Inderpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. \-5. Indexpure Colony, Vill. Naraina, Delhi Mg. 200 Sq. yds. Kh. No. 1607

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date :25-5-1982.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6046.—Whereas 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mir Singh so Pat Ram Ro Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Kanta Kathuria wio T. K. Kathuria D-153, E.O, Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 18 Biswa, Kh. No. 84|18, 17|2 Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-6-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC Acq. II SR-II 10-81 6047.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill, Palam, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hoshiar Singh sjo Bhartv Rjo Vill. Palam, Delhi.
 - (Transferor)
- Shrimati Veena Kathuria woo Krishan Kathuria Roo D-133 E.O. Kailash, New Delhi.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 17 Biswa Kh. No. 84|18, 17|2 Vill, Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-6-1982

Seal

(1) Shri Bhram and Lachhe Ram sons of Bhawal Singh R|o Vill, Palam, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shrimati Darshan Arora wio I, K. Arora Rio D-133, E.O. Kailash, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6048.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 17 Biswas Kh. No. 84|17|2 and 84|18 Vill. Palam, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-6-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

\CQUISITION RANGE G-B GROUND 11 OOR CR BUILDING TP. ESTATE. NEW DETHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5922.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Palam Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

30- 176 GJ/82

- 11) Shri Hoshiar Singh s|o Bhartu R|o Vill, Palam, Dellui, (Transferor)
- (2) Agro Seeds Corp 26F Conn. Place, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HYPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, Lind Mg. 17 Biswa, Kh. No. 84118, 1712 Vill. Palam. Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 15-6-1982

Scal:

FORM IJNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok Kumar sjo Hote Chand Rjo 21 East Patel Nagar, New Delhi.

Transferor)

(2) Shri Sunder Lal so I al Ram co Lala Ram Sunder Lal Rio Smalkha Mandi, Distt. Karnal, Haryana. (Transferce)

GOVERMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING I.P. ESTATI', NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II 10 81 5900.-Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Agri, land situated at Vill, I ibaspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consoderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

J-YPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land, Mg. 1 Bigha 6 Biswas Kh. No. 30114 Vill. Libaspur, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-6-1982

Scal:

NOTICE UNDER STCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Ram Jiwan soo Nihal Singh Roo VPO Tikri Kalan, Delhi.

(2) Shri Ramesh Kumai Gupta sio Tulsi Ram Rio 58 Model Basti, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 5-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No JAC|Acq,H|SR-H|10-81|6055.—Whereas I, ARINDAR SINGH,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-.d bearing

o. Ngri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi, ad more fully described in the Schedule annexed reto), has been transferred under the Registration Act, 08) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer October 1981.

r an apparent consideration which is less than the fair triket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration therefor by more than teen per cent of such apparent consideration and that the asidetation for such transfer as agreed to between the tries has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agu. land Mg. 14 Bigha 15 Biswas Kh. No. 41|1 (4-16), 9 (5-1) 10 (4-18) Vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 15-6-1982

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Jai Parkash, Prem Prakash, Om Prakash sons of Prare Lal R¹o Mukhmelpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhim Singh slo Rain Mehai Rlo Singrola, Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE G-13 GROUND PLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.H|SR-H|10-81|5815.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Qadipur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on October 1981,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therfor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

vgri, land Mg. 16 Bigha 18 Biswas Kh. No. 1149, 11502 1157, 1158 Vill. Qadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delh

Date: 15-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|8462.—Whereas 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Azadpur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- Shri Narina Singh s|o Roop Chand R|o 317 Neemri Colony, Delhi as Attorney of Anant Singh s|o Manohar Singh R|o 318, Neemri Colony, Delhi.

 (Transferor)

 Smt. Sandhya Kharnolelwal w/o Shri Suresh
- Khanolelwal, B/52, C.C. Colony, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 25 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

49 (Now known as 49|57) area of land underneath 250 sq. yds. situated at Kewal Park Extn., Kh. No. 63, Vill. Azadpur, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 25-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-t3 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP, ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC¹Acq.II|SR-II 10-81|5851.—Whereas I, NARINDAR SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Sitaspur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vill, Sirsapur, Delhi

in October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid except, the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shi i Shyam Lal so Mathura Pd. Ro A-465, Shastri Nagar, New Delhi.
- (2) Shri Gardhan Dass sjo Basu Singh (Transferor) Shastri Nagar, Delhi. (Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bigha 10 Biswas Kh. No. 53 (2-0) 159 (4-16) 54 (3-4) 47 (2-14) 46 (2-10) Vill, Siraspur, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 25-5 1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 2691(1) OF THE INCOMF-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DEI HI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5913 —Whereas J, ARINDAR SINGH,

sing the competent authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred) as the 'said Act'), have reason to believe

at the immovable property, having a fair market value receding Rs. 25,000/- and bearing

o. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi, and more fully described in the Schedule annexed neto), has been transferred under the Registration Act 208 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ew Delhi in October 1981

or an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than item per cent of such apparent consideration and that the insideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection ()) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rochen I d - le Bichen Smeh Rle Najafeerh Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Singh slo Atma Singh Mehai Singh & Kuldeep Kumai Julkha Ro F 37 Rajouni Guden, New Delhi

(Translerect

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION - The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agri land Mg 1 Bigha 17 2]3 Biswas Kh. No 11¹8 Vill Najagarh, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 15-6-1982 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONI'R OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE-11
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DFLHJ.

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. LAC|Acq-11|SR-11|10-81|5912 --Whereas, I, New Delhi on Oct. 1981

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill Najafearh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Roshan Lal Sjo Bishan Singh Rjo Najafgarh, Delhi.
- (2) Shu Rangeet Singh S o Atma Singh, Mehat Singh and Kuldeep Kumar R|o F-37, Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg, 1 Bigha 17,2|3 Biswas Kh. No. 11|8, Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi]New Delhi

Date: 15-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P FSTATE
NEW DELHI

New Delhi the 25th May 1982

Ref No IAC|Acq II|SR II|10 81 6054—Whereas I NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269:B) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000| and bening No

Agri land situated at Vill Straspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and (o)
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—176 GI/82

1) Shri Ramji Nind & Roop Chand sons of Budha R|o Vill Siraspui, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Natain Sharma So Ramii Iul Ro 229 Shastii Ne Dellii

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Jand 3 Bigha 19 Biswas Kh. No. 39 Vill Strasput Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Lix
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date 25-5 1982 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1). Shri Shyam Lal So Mathura Pd. and Goidhan So Bon Singh, Vill Siraspur, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Pishori Lal S o Des Roul R o Siraspur Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I P ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC Acq-II|SR-II|10.81|6036—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Agri land situated at Vill Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on October 1981.

for an apparent consideration which is less than the law market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atolesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Agri land Mg 1 Bight 10 Biswas Vill Su isput Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 25-5-1982 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-11
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P FSTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ret No IAC|Acq-II|SR-II|10-81|6041 —Whereas, 1 NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a four market value exceeding Rs 25,000 and bearing No

Agni land situated at Mill. Sameptii Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any recome arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Mahinder Yadav Slo Naldar Singh Rlo Vill Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avanti Lal S|o Chatur Bhuj Ram R|o Part II, 121 Gujarwala Town, Delhi-33.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighus 6 Biswas (2300 sq. vds.) Kh No. $34 \mid 12$ $34 \mid 13$ Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SING!]
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Dated 15-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Kanwar Slo Roop Chand, Shanti Devi & Chand Kaur Dlo Jia Lal Rlo Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) M.s. K. B. B. S. Associates, 25-Deputy Ganj, Delhi through its all four partners.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-II
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. $1AC_1Acq-11[SR-11]10-81[6033.$ —Whereas, 1, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Agri. land situated at Vill. Alipur. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the afortsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg 8 Bighas 16 Biswas Kh. Nos. 1430 & 1434 2 Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 25-5-1982

in Oct. 1981

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IJ G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHJ.

New Delhi, the 21st June 1982

Ret. No. $1AC[\Lambda cq-11]SR-11[10-81]5943.$ —Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exec ds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Lal Sjo Net Ram Rjo Vill. Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Brij Mohan Sjo Munshi Lal Rjo E-10, C. C. Colony, Delhi.

(Tiansferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 990 Sq. yds. Vill. Libaspur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi[New Delhi

Date : 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DFLHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. IAC|Acq-11|SR-11|10-81|5978.--Whereas, I. narindar singh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agu, land situated at Vill, Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohan Lal Slo Net Ram, Shri Birbal Singh Slo Digha Ram Ro Samepur, Delhi GA of Mukhtar S'o Tota.

(Transferor) (2) Shri Ram Parkash Maheshwari Sio Kapur Chand Maheshwari Rlo 14|224 Gur Ki Mandi, Phuleti Bazar,

Agra. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1260 Sq. yds. Kh. No. 25/24 Vill. Libaspur, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISTION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, 1. P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. IAC Acq-II|SR II,10-81 6040.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agai, land situated at Vill. Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dethi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Shri Basant Lal S|o Pindi Dass R|o Vill. I iba pur, Delhi GA of Sh. Nihar Singh S/o Sis Ram R/o I ibaspur, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Gupta Wo Ram Niwas R_{{O} 4/47, Roop Nagar Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever priod expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha and 5 Biswas (1260 sq.yds.) out of Kh No 2515 Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-H
Delhi'New Delhi

Date · 21-6-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ETATE.
NEW DELHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. $1AC_1Acq-11[SR-II]10-81]6014$.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill Libaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Ashwani Sharma So Haibans R[o
 Vill. Samepur, Delhi for himself GA Manphool Singh So Deep Chand

(Transferor)

(2) Shri Inder Jeet Sio Krisan Lul Rjo Fatak Namak, Hauz Qazi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or å period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I'XPI ANARION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDOLF

Agri land 15 Biswas (750 sq.yds.) Kh. No. 27125 Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 21-6-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-LI G-13 GROUND PLOOR OR BUILDING, I. P. ETA'LL. NEW DELHI.

New Delbi, the 21 June 1982

Ref No IAC|Acq-II|SR-H|10-81|5972.- -Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Samepur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at Delhi in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tart market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—176 GI/82

 Shri Jaswinder Pal Singh S₁₀ Bachitter Singh R₂o Gujjarwal, Distt. Ludhlana.

(Transferor)

(2) Shri Gurbir Singh Slo Avtar Singh & Harvinder Singh Slo Avtar Singh Rlo 16/14, Patel Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPI ANATION - The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 18 Biswas (900 sq. yds.) Klr. No. 24| Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 21-6-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATI NEW DELHI

New Delhi, the 21 June 1982

Ref No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|6003 --- Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Agri, land situated at Vill Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Fatheh and Hukmi sons of Ram Sarup and Raj Rcop sons of Shiban R¦o Vill Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Gecta Devi W|0 Ghanshyam Dass Bajania R|0 A-29, C. C. Colony, Delhi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg. I Bigha 14 Biswas Vill, Alipui Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Raj Singh, Hukam Chand Slo Jag Ram Rlo Vill. Matiala, Delhi.

(Transferor)

(^) Shij Charan Singh Slo Darbara Singh Rlo 211'4, Padam Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
6-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I P. ETATE,
NEW DELTI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No $-1\Delta C^{\dagger}Acq$ -H $^{\dagger}SR$ - $^{\dagger}10$ -81 6037.— Whereas, J. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 13 Biswas Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 25-5-1982 Senl :

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
GROUND FLOOR OR BUILDING
LP, ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6050.Whereas. 1. NARINDAR SINGH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any tearon or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Shiv Raj, Mani Ram soo Mangat Ram Daya Chand, Hans Raj, Shri Ved Raj, Shri Gaj Raj soo Shri Mangat Ram, Shri Bhoji Ram Shri Hardev all roo VPO Libaspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parmod Kumar slo Naresh Kumar slo Ram Purshad, Rlo 109|2|H Block-A, C.C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 1720 sq. vds. out Kh. No. 30/5, Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date : 21-6-1982

(1) Shri Man Mohan Lal so Ram Dass, ro 14/32 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Radha Runi wio Shri Kashmiri Lai Aggarwal, Ro 2A New Gobind Garh, Jullundur, Punjab.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND TLOOK CR BUILDING JP TSTATT NEW DELHT

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.H|SR-H|10-81|6011,---Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha 17 Biswas Kh. No. 1132, Vill. Tikii Kalan, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING
J P. ESTATI NEW DELHI

Nev Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6051,—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property asaforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prem Wati wo Shri Suraj Parshad, 10 Najafgarh, Delhi.
- (fransferor)
 (2) Rev. Fr. Authony Thurparambil SDB, S|o Mr. Varkey Tharparambil,
 R|o Don Basco Fechnical, Okhla, Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Aeri, land Mg Vill, Najafgath, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission-r of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Drite: 21-6-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-U G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC Acq.II SR-II 10.81 6043.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi, on Oct. 1981, for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- (b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mahender Yadav sjo L. Ch. Niader Singh Rjo Vill. Samepur, Delhi General Attorney of Sh. Janki Dass sjo Sh. Jude Mal and Shri Om Parkash and Shri Raghbir Singh sjo Devi Dass, Rjo Vill. Siraspur vide GPA date 31-12-80 attested by N. Public Sh. G. C. Verma.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Ram s\o Shri Persadi Ram, R\o 121 Part II, Gujranwala Town, Delhi-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 34|12 and 13 in the area of Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SINCH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (1)
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING
I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5823.—Wheteas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shanti Swarup slo Sh. Shiv Dayal, Rlo Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chand Gupta soo Sh. Sheo Pd. Roo C-5/4, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 18 Biswas, Kh. No. 475, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-It
Delhi/New Delhi

Date . 25-5-1982

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING J.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6056.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bhewra, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi, on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—176 GI/82

(1) Shri Piare Lal so Sh. Ravi Datt, Rlo Vill, Ghewra, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Ganga Bishan Gupta Slo Shri Kali Ram, E-38 Rajouri Garden, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 8 Bighas 12 Biswas Vill. Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date · 25-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6032.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. WZ-40/A situated at Meenakshi Garden, Vill. Tihar, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:—

 Smt. Usha Rani Khanna wo Shri Brij Mohan. Khanna, Ro WZ-40 A Meenakshi Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh Makan So L. Sh. Mool Raj Maman, D-78 Ajay Enclave, New Delhi. (Tran-ferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 23 bearing No. WZ-40|A Mg. 133.33 sq. yds. at Meenakshi Garden, area of Vill. Tihar, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-U
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6031.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi, on Oct. 1981. has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Meer Singh slo Sh, Sher Singh, Gaja Nand slo Sh, Kishan Lal, Rlo Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Gupta s|o Shri R. P. Gupta and R. P. Gupta s|o Shri Fatech Chand, WZ 10 Rattan Park Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 12 Biswas, Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dato: 25-5-1982

(1) Shri Jagmal Singh soo Sh. Khazan Singh, Roo Taidar Pur, Delhi as GA Sh. Neki Ram soo Shri Udmi, Roo Vill. Siraspur, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Bhagwan Goyal s|o Kanshi Ram, R|o 1795 Ram Gali, Sohan Ganj, S|Mandi, Delhi, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6029.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land Mg. 1 Bigha situated at Vill. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 583 Viii, Siraspur, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-!I
Delhi|New De!ha

Date: 25-5-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6028.—Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely:—

- Shri Jagmal Singh s|o Shri Khazan Singh, R|o Haidar Pur, Delhi as GA of Neki son of Udmi, R|o Vill. Siraspur, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Mittar Singh s|o Shri Ram Chandar C|o Shri Ram Kumar Jain, R|o of 1499 Punyabi Mohalla, Ghanta Ghar, S. Mandi, Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 582, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition aRnge-II
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.U|SR-U|10-81|5875.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi, on Oct, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Pal, Shri Nahar Singh, Shri Dharam Singh. Shri Ram Lal, Smt. Piem Wati wo Amar Singh. (Transferor)
- (2) Smt. Malti Devi wo Shri Madan Lal and Smt. Asha Rani wo Shri Bhagirth Raj ro 1545, Rani Bagh, Shaker Basti, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 2 Biswas, Kh. No. 943 1, 943 2 Vili. Rithaka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11
Delhi New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 'TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I P ESTATL, NEW DELHI

New Delhi the 21st June 1982

Ref No IAC|Acq II|SR II|10-81|6100 —Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₉ 25000]- and bearing No

Agri land situated at Vill Palam, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui ition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt Basantı woo Late Sh Desh Ram, Ro Vill Palam Delhi

(Transferor)

(2) Smt Prabha Devi woo Sarwan Kumar, Ro D-30, Ram Dutt Enclave, Uttam Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

NARINDAR SINGIF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. JAC|Acq.II|SR-II|10-81|6091.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Mirzapur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Rishi Kumar, Sh. Shiv Kumar, Sh. Krishan Kumar, Sh. Hari Kr. Shri Chhote Lal Sons of Chandgi Ram, Shri Amar Singh, Shri Prithvi Rai, Shri Raghbir Singh So Shri Tej Ram.
Rio VPO Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jawahara Singh slo Shri Sahab Singh, Rio VPO Dabri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- the said interested in (b) by any other person immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 4 Bighas 16 Biswas, Vill. Mirzapur, Delhi.

NARINDAR SINCH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aconisition Range-II Delhi New Della

Date 21-6-1282 Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING 1.P I STATE, NEW DELHI

New Delhi the 21st June 1982

Ref. No. IAC Acq.IIISR-II'10-8116136 —Whoreas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Mirzapur, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—176 G1/82

(1) Shri Khazan Singh slo Shri Bhola Brahmo Devi dlo Smt. Chunla wlo Shri Bhagwana, Rlo I adhot Distt. Rohtak and Vill. Palam, New Delhi and Shri Chunlal slo Shri Phool Singh Rlo Vill. Palam, Delhi.

(2) Shri P. K. Samal So S. S. Samal, R'o Vanhoe 139, New Delhi

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg, 4-16 of Kh. No 33|16, Vill. Mirzapur, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETIAN ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

GROUND FLOOR OR BUILDING,

IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6135.—Whereas. I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Mrizapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the calthW-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khazan Singh Slo Shri Bhola,
 Rlo Vill. Palam, New Delhi, (2) Brahmo Devi dlo
 Shri Chunian wlo Shri Bhagwara, Rlo Ladhot Distt.
 Rohtak and Palam, New Delhi (3) Shri Chunilal
 Slo Shri Phool Singh Rlo Vill Palam New Delhi
 (Transfero)
- (2) Kumari Kutan do Shit P. K. Samal 139, Backlay Reclamat, oBmbay-21.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4-12 Kh. No. 8, 32/20/4 0-19, 33/25 1 Mgl-11, 33/25/3 Mg. 1-1 33/25/4 Mg. 1-1 in Mirzapuc, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi'New Delhi

Date : 21-6-1982

(1) Shri Umrao Singh s|o Neki Ram r|o Shahbad Palam, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Harbans Rani Kakkar w|o R. L. Kakkar r|o B1|632 Janakpuri, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No IAC|Acq II|SR-II|10-81|5836,---Whereas I.NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Kakvola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrı. land Mg. 4 Bıgha 1 Biswas Kılla No. 28|20 Vill. Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
ACQUISITION RANGE-II,
Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESLATI.. NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC₁Acq.II[SR-II]10-81]6039.—Whereas NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Kakiola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which it less than the tain market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balwan Singh soo Ram Singh Roo Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan Goyal s_io Hari Ram

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas 4 Biswas Kh No. 27[17 Vill. Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE-II,
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

Seal

PART III-SEC. 11

10553

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II[SR-II]10-81]5859.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Sameput, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

оц October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mahinder Yadav so Naidar Singh Ro Vill. Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Kamal Kumar Aggarwal s|o Gokal Chand Aggarwal r|o 4110, Naya Bazai 1st Floor, Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agu, land Mg 3 Bighas (3000 sq. yds.) Kh. No. 33 9 33112 Vill. Samepur Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE-II,
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

(1) Shri Ram Nath & Ram Mehar s|o Salga both r|o VPO Khar Khari Road, Tehsil Mehrauli, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Prem Chand slo Charan Singh Rlo VPO Banntouli, Delhi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC, Acq. II | SR-JI | 10-81 | 6094.—Whereas INARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Khari Road, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at on 14-10-1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforeshed property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 44 Bighas 5 Biswas Vill. Khari Khari Road, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for te acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-5-1982

Seal

FORM 1.T.N.S.----

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. AC Seq²(LSR II₁10-81²5885 - Whereas, I, RARINDAR SINGIF.

reing the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nd bearing No.

igri, land situated at Vill. Zatikra, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 908) in the office of the Registering officer at

n October 1981

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifeen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the furties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Narain s|o Maroo r|o Vill. Zatikra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Poona Mansheri dlo NS, Manshani NAC 28 A Janakpuri New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg 13 Bighas 8 Biswas Rect. No. 26 Kh. No. 1, 2, 3 1, Rect. No. 22(Kh. No. 21/3 22/2 Vill. Zatikra, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge II.
Delhi/New Delhi

Date + 25-5-1982 Seal

(Transferor)

(Transferee)

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

NEW DELIII

New Delhi, the 25th May 1982

IAC|Acq II|SR-II|10-81|6038.-Whereas I, Ref. No. IAC NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Vill, Kakrola, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act.1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(1) Shri Balwan Singh slo Ram Singh rlo

(2) Shri Suraj Bhan Goyal soo Hari Ram

rlo WZ-13 Basaidara, Delhi,

Vill Nawada, Delhi

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

terms used EXPLANATION: -- The and CXDICSSIONS herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bigha 16 Biswas Kh. No. 27/18 Vill. Kakrola, Delhi.

> NARINDAR SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:--

Date: 25-5-1982

Scal

TORM LT.N S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10 81 6052.---Wherens I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of te property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Najafgarh, Delhi.

(1) Smt. Preniwati w/o Suraj Paishad x/o

(Transferor)

(2) Father Authory Thaiparambil SDM slo Mr. Varkes Thairarambil R o D. B Technical Institute, Okhla, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg 4 Bighas 16 Biswas Vill, Najalgarh, Delhi

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

Seal:

35-176 GI/82

FORM ITNS-----

(1) Shri Bakshish Singh de Khushat Smeb Ric C2|335, Janakpun, Delhi

(Transferor)

(2) Saroj Devi woo Subhash Jai 1 o Shiyaji Matg. Najafgath, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. $1\Delta C[Acfl.H]SR-H[10-81]5813$,—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri land situated at Vill. Rosanpura, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bigha 12 Biswas Vill. Roshanpura, Delhi Kh. No. 307, 308, 309.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tay
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

(1) Shri Jagjit sjo Ram Singh Rjo Holambi Khurad, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish s|o Sant Ram r|o B-63, Indl. Area G. T. Karnal Road, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. LSTATE NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 25th May 1982

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. IAC | Acq.II | SR-II | I0-81 | 6023.—Whereas the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 | and bearing

No. Agri. land situated Vill. Holambi Kalan, Delhi Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 7 Bighas 17 Biswas Vill, Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 25-5-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No. JAC Acq. II SR-II 10-81 5788.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Rithala, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following extrons, namely:—

(1) Shri Ramoshwar and Ram Mohar Bal Want rlo Rithala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om prakash s|o Late Sh. Ram Gopalji R|o C-151 Naraina, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-valuantation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrı, land Mg. 10 Bighas 4 Biswas Vill, Rithala, Delbi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date | 35.5-1982

NOTICE UNDER SECTIIN 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6106.—Whereas J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Palam New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfrreed under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chano woo Late Sh. Rishal Singh and Smt. Krishna Devi woo Satvir Singh roo WZ-619, Vill. Palam, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shi Daya Nand Dahiya, Om Parkash, Dharam Pal ro Shop No. 15, Ex-Servicemen, Store, Satya Niketan, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10½ Biswas, Mustatil No. 59 Killa No. 20] 2 Vill. Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 25-5-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6105.—Whereas 1, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vil. Kadipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than latteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Shri Bhuru slo Net rlo VPO Samepur, Delhi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Prem Kanta Bhatia wo Surinder Kt. Bhatia ro D-C 3, New Rohtak Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 8 Acre Vill, Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

PORM ITNS

(1) Smt. Basanti woo Late Desh Ram roo Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shohai Ram s|o Hazara Ram, r|o RZ-58 Uttam Nagar, New Delli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. AC|Acq.II|SR-II|10-81|6102.—Whereas, I, JARINDAR SINGH,

eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

vo. Agri land situated at Vill. Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule

innexed hereto), has been transferred under the Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Palam, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

10564

FORM 1.T.N.S.----

(1) Sint, Basanti wo Late Sh. Desh Ram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Chanchal Atora wlo K. f Arora rlo R A Buzar, Rurki Cant UP.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P FSTATF,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6101.—Whereas J. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent econsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferffl and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Setction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-It
Delhi/New Delhi

Date · 25-5-1982 Seal :

(1) Shri Rama Nand and Roop Chand slo Sh Budha rlo Vill. Siraspur. Delhi.

(2) Shri Laxmı Narain Sharma s|o Ramji

Lal rio A-229, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Rcf. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6092.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
36—176 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agu. land. Mg. 4 Bigha 16 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF AHE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-IJ/10-81/6082.—Whereas I, NARINDAR SINGH

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Beg Raj s/o Kalu r/o Holambi Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh s/o Ram Sarup, r/o Holambi Khurd, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land, Mg. 18 Bighas 3 Biswas Vili, Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-5-1982

(1) Shri Mange Ram & Ram Pat sons of, Sh. Mukh Ram r/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Joginder Kaur w/o Sadhnam Singh r/o 9603 Azad Market, Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6074.---Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter returned to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the said immovable publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Agri. land. Mg. 2 Bighas 6 Biswas Vill. Alipur, Delht.

THE SCHEDULE

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-II/6073/10-81.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mange Ran & Ram Pat sons of Mukh Ram r/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kunti Rani r/o 4583 Arya Puta Roshanara Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas 8 Biswas Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

(1-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-/10-81/5792.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bir Singh s/o Shri Hukam Chand, r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Sharma w/o S. K. Sharma and Dr. P. C. Yagnik s|o P. D. Yagnik, r/o B/M-145 (Passchimi) Shalimar Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, Jand. Mg. (0-10) Biswas Kh. No. 634 Vill. Burari, Delbi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date . 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5810.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kishore s/o Vidya Sagar r/o Vill, Burari Delhi through his attorney Sh. Parveen Kr. Jain,

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Sharma s/o S. N. Sharma r/o 1576/30, Nalwa Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg, 2 Bigha, Kh. No. 798 Vill. Burarl, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM ITNS ---

(1) Shri Mohan Lal s/o Gobind Sahai r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santosh Kumar Agarwal 8/0 Ram Karan Dass r/o R-54 Model Town, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5845.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

whichever period expires later.

in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Agri land, Mg. (1-8) Kh. No. 46/6/1 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM IT N.S --

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5857.—Whereas I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Tara Gupta w/o O. P. Gupta, 5439 Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) Surinder Kumar Anand s/o Ram Lal Anand r/o A-11-12, Malka Ganj, D/S Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land (0-15) Biswas Kh. No. 830/1 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATF, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5861.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.060/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Siraspur, Delhi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

37—176 GI/82

(1) Shri Paras Ram s/o Khem Chand GA of Rajender Singh, Bijender Singh, Chandbir, Bhorat Singh sons of Shri Jeet Ram all 1/o Shaspin, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Shauti Devi w/o L. Sadhu Ram, r/o 14/38, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1 Bigha and 6 Biswas Vill. Straspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1982

FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G 13 GPOUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No IAC Acq 11 SR-II/10-81/5940—Wherens I, NARINDAR SINGII

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated of Vill. Narela, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Net or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrl Shiv Natain Ram Kishun & Ram Niwas all sons of Bhagwan Dass, Manchar Lal 6/0 Ram Sarup, Ram Kumur 6/0 Ram Pat, Manje Ram 8/0 Ehikha Mal, Kamhi Ram, Ram Chander. Shiv Lol all sons of Godha Ram all 1/0 Norela, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Toginder Singh Vijender Singh, 870 Risal Singh Dharam Pal, Pethkal Singh, Mahabir Pd. Satbir, Lagbu Singh Ranbir Singh all sons of Nihal Singh r/o Pana Udhyam, Norela, Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHUDULE

Agri, land Mg, 43 Bighas 15 Biswas Kh. No. 1/13-18, 19, 22, 23/1, 2, 4/2, 3, 8, 9, 27–13, 14, 17, 18, 23/1, Vill. Natela. Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Insocction Assist of Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date 21-6 1952 Stat

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Baljit & Amar Singh s/o Tika r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ram Dulari Goel w/o Prahlad Raj Goel r o I 2/12 Model fown Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND I LOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5827.--Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and beering No.

Agri, land situated at Vill Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Dillin on Oct 1981,

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 10 Biswas, Kh. No. 874/4 Vill. Burari, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

Date 21 6-1982 Seal:

FORM 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mahinder Yadav Sjo Naidar Singh, R'o Vill. Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuilash Chand Aggaiwal So Shiv Nath Aggaiwal Rio 4110, Naya Bazai, Ist Flooi, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC |Ac-II|SR-10-81 5858.— Whereas, INARINDAK SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill Samepur, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at those and exceeds the apparent consideration therefor by more than into a property ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the sud maturing of transfer with object of .—

- (a) tacilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Agri, land Mg, 3 Bighas, 6 Biswas (3300 sq. yids.) Kh. No. $33_19,\ 33[12]$ Vill. Samepui Delhi,

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21 6 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONLR
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref No 1AC/Acq-II/SR 1I/10 81/6083 —Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing No

Agri land situated at Vill Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in Oct 1981,

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fall market value of the property as aforesaid word the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Smt Pushpa Ranı w/o Ram Parkash, R/o Kothi No. 14 Rd No 53, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Nirmal Verma w/o Vidya Bhushan, R/o C/o Bharat Bhushan Mehdiratta, 16/63 Punjabi, Bagh, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No 14, Road No 53, Class 'C Punjabí Bagh, Delhi Area 555 55 sq yds

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 21-6-82 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-JI/10-81/6098.—Whereas, J. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Harveli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct 1981,

tor an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforecod property and I have reason to behave that the lair market value of the property as aforeful exceeds the apparent consideration therefor by more than intern per cent of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 4—

- (1) Shri Kalı Ram S/o Jai Ram R/o Viil. Harveli, Delhi.
- (Transfetor)
 (2) Shar Mohinder S/o Ram Chander,
 Pawan Kumar S/o Ram Chander R/o
 Kananthdha, Distr. Rohtak (Haryana)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Agri, land Mg. 37 Bighas 8 Biswos Vill, Harveli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 21 6 82 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAY,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND 1100R CR BUILDING, I P 151 ATE NEW DELHI

New Dellii, the 21st June 1982

No. Ref IAC Acq-II/SR-II/10.81/5863 -- Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 26°B of the neome-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shr. Parus Ram S/o Khem Chand and others R/o Vill Siraspur, Delhi.
- (Transferor) (2) smt Sushila Jam w/o Sugar Chand Jam R/o 240 Chirag Delhi, New Delhi.

(Thansferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agri land Mg, 1 Bigha 2 Biswas (1100 sq. yds.) Kh. 643, Vill, Suraspur Delbi

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 21-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMI-FAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I P I STATE. NEW DELIII.

New Delhi, the 21st June 1982

Rs. No. 1AC Acq-II/SR-II/10-81 5826.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

thereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land smatted at Vill. Hastal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed heleto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Idealitating the concealment of any moome or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Yad Rom S/o Budh Ram R/o Yill Hastal, Delhi
- (2) Shit Atlant Ram Mato So Ladha Ram, C-67/2 Meenakshi Garden Delhi (Transferee)

Objection at any to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used heremas are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas 15 Biswas Vill, Hastal, Delhi Mustail No. 54, Kila No. 8.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELI-II

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/5837.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
38—176 GI/82

- (1) Shri Surjit Singh S/o Pritam Singh R/o Burati, Delhi through his attorney Dhan Singh S/o Khacheru.
- (2) Shri Mahesh Prasad S/o Late Sh. Asrey Rai R/o M-19, Police Line, Kingsway Camp, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 13 Biswas Kh. No. 671 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange-II
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5860,—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Paras Ram So Khem Chand self and on behalf of Sh. Rajender Singh, Bijender Singh, Chandbir and Bharat Singh So Jeet Ram, Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Gupta (M) S/o Bimla Devi, 3968 Naya Bazar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXO of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 14 Biswas (700 sq. yds.) Kh. No. 643 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delh

Date: 21-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CK BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELIII.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-81/6173 -Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of f961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Property No. 15 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Sajjah Singh Sethi Sfflo S. Mehar Singh R/o 67/5, Rohtok Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jar Ram Malik
 - 2. Som Nath Malik son of Late Shri Karam Chand Malik R/o

57, Basti Harphool Singh, Delhi

- 3. Krishan Lal Malik, and
- Dharamvir Malık sons of Uttam Chand R/o 1/13, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15, on Road No. 41, situated at Punjabi Bagh, area of Village Madiput, Delfit State, Delhit Built on a plot measuring 2195-37 sq. 1ds

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-82 Seal :

sear :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ANJ PARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 24th June 1982

Ref. L.C. No. 583/82-83.--Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Calicut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 30-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shri Kunjoosam Marakkarakathu Mohamedkutty Haji (2) Smt. Pathummobi, Kasba Karyakunnu, Calicut.

(Transferors)

 Krithakkantakathu Moideen Koya H. No. 17/530, Puthivara Kozhikodu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 3/4 cents of land with a building in Sy. No. 51/11A-T.S, No. 17-10-599 of Kalathil kunnu village.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 24-6-1982

FORM I.T.N.S.---

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE "ANUPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCIIN-682-016

Cochin-682 016, the 24th June 1982

Ref. L.C. 584/82-83.—Wheteas, I, J. THOMASKUTTY,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-1 bearing No.

- . No as per schedule situated at Calicut, and more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 08) in the office of the Registering Officer at licut on 6-10-1981,
- an apparent consideration which is less than the fair irket value of the aforesaid property and I have reason to seve that the fair market value of the property as aforesaid seeds the apparent consideration therefor by more than een per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the rules has not been truly stated in the said instrument of insfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the follows persons, namely:—

- (1) Mr. I. Ramachandian, Lt. Colonel, (Commanding Officer) C.O. 5 Maratta L.I. Clo 56 A.P.O. (Transferor)
- (2) Sri K. Abdul Aleem, Slo Mohammed Hassan, Kacheri P.O. Nadakkavu, Calicut. (Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12.3/4 cents of land with a building in TS. No. 614/1A and 614/1B of Calicut.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 24-6-1982

FORM J.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGF CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiona the 25th June 1982

Rcf. No. KHR|13|81 82.—Whereas J, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 503, Phase 1, situated at Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Kharar in October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believer that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, ci the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is unsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquention of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tara Chand Rana s|o Shri Ishwai Rajdhan 1|o 14|4, Sector 4, Nawa Nangal Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Mangal Dass sto Shri Krishan Lal rlo H No. 3220, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 503, Phase 1, situated in Mohali Tch Khatar.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3918 of October 1981 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhana

Date: 25-6-1982

FORM L'U.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD|167|81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1|3rd share of Plot No. 77, situated at Industrial Area, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

(1) SShri Dilbagh Singh and Shii Bahadui Singh sslo Shri Sant Singh, R o II. No. 285, Sec. 18C Chandigarh through their attorney Sh. Om Datt Kaushal So Sh. Bira Chand Kaushal, Ro SCF-1, Sec. 27C, Chandigaih.

(Transferors)

(2) Shii Pritam Singh Bharaj & Shii Santokh Singh Bharaj, sons of Shri Bawa Singh Bharaj R|o 16|3, WEA, Karol Bagh, New Dolhi now at Plot No. 17, Sector 6, Fatidabad.

(Transferees)

(3) Shri Krishan Malhotia, Plot No. 77, Indl. Area, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the equisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|3rd share of plot No 77, Indl. Area, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1203 of October 1981 of the Registering Authority, Chandiearh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANΛ

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD 156 81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.F. No. 415, situated at Sector 35C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Amar Kaur Wo Sh. Uttam Singh, Sh. Uttam Singh So Sh. Sunder Singh, Sh. Gurcharanjit Singh So Sh. Uttam Singh, Sh. Rajdeep Singh and Sh. Manpreet Singh Minor sons of Sh. Gurcharan Singh, Smt. Rajpal Kaur Wo Sh. Gurcharan Singh, all residents of House No. 1627, Sec. 7C, Chandigarh.
- (2) Smt. Rajni Sethi Wlo Sh. Pritpal Singh Sethi Master Shellu Sethi, Master Bobby Sethi and Master Sumeet Sethi minor sons of S. Pritpal Singh Sethi, all residents of R-38, Rajouri Gaiden, New Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 415, Sec. 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1100 of October 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE (UDHIANA

Ludhiana, the 25th June 1982

Ret. No. CHD/183/81-82,—Whereas I, SUKHDFV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Scetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bungalow No. 230, situated at Sector 9C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfet as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39 -- 176 GI /82

(1) Shri Jagat Singh, Shri Bikram Singh and Smt. Gurarel Kaur who Shri Jander Singh & C.O. 8-9. Vector 1/B Chandrath

(2) Shri Harmohan Dhawan sjo Sh S. R. Dhawan, Shri Harish Dhawan, Smt. Ram Parkash Dhawan residents of House No. 2027, Sector 21-D, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 230, Sector 9C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1180 of October 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lydhians

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

I udhiana, the 25th fune 1982

Ref No CHD|152|81-82 --Whereas I, SUKHEDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing Plot No 116, Sector 33-B, situated at Chandigath

Plot No 516, Sector 33-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the con alment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percoss namely

(1) Smt Vimaljit Bains-R/o 43/6 Behl Consultant Quarters, Rampur (Hardwar) through Shri Ram Kanwar Gupta S/o Chri Tikka Ram R/o H No 401 Sector 20-4, Chandig th

(Transferor)

(2) Shu Manmohan Suigh s/o Shu Hubens Singh Smt, Dalut Kaur w/o Shu Manmohan Singh Through Shu Manmohan Singh R/o H No 727, Sector 11, Chandigarh

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sain property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afo esaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 516 situated in Sector 33B, Chandigath

(The property as mentioned in the registered deed No 1091 of October, 1981 of the Registering Authority Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date 25th June 1982 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Om Parkash Virmani S/o Shri Radha Krishan Virmani Through Shri Ashwani Kumar R/o 1686, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mis. Lajwanti R/o 1686, Sector 34-D, Chandigath,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No CHD|161|81-82—Whereas, I, SUKHDFV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhuana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

P No. 1686, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration shereful by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

J-XPIAN (HON :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1686 situated in Sector 34-D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the registered deed No. 1135 of October, 1981 of the Registering Authority Chandigath.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 25th June 1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQUER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAI REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD 158 81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3407. Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of a asion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kehar Singh s/o Shri Harnam Singh R/o Chandigarh through spl. Power of Attorney Shri Vijay Kumar Bhalla s/o Late Shri J. B. Bhalla R/o House No. 624, Phase-I, Mohali (S.A.S. Nagar) Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Chabra s/o Shri Balkrishan Chabra & Smt. Pushpa Chabra, R/o 3209, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used factor as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3407, situated in Sector 35-D. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1112 of October, 1981 of the Registering Authority. Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiand.

Date 25th June 1982 Scott.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD|164|81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 26-C (New No. 107), Sector 10-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Mrs. Jaswant Kaur w/o Shri Kirpal Singh Lamba R/o 4/55, WEA, Karol Bagh, New Delhi through Mrs. Laxmi Mishra w/o Lt. Col. Mankmeshwar Mrs. Laxmi Mishra wfflo Lt. Col. Mankameshwar Chandigarh. (Transferor)
- (2) Lt. Col. Mankameshwar Mishra S/o Lt. Shri Harish Chander Mishra R/o 283, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26-C (New No. 107), Sector 10-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1181 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores, id property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25th June 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) ()F THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD[168]81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay. Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 612, Sector 36-B, situated at Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in October, 1981

for an apparent consideration which :

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind'an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surjit Singh Danewalia S/o Shri Gurbax Singh R/o 25 P.S. Rai Singh Nagar, Distt. Ganga Nagar (Rajasthan). (Transferor)
- (2) Sint. Varinder Kaur Ahlluwaha W/o Harvinder Singh R/o E-12, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 612, situated in Sector 36-B, Chandigath.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1215 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana.

Date , 25th June 1982 Scal

E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

No. CHD|166|81-82.—Whereas, I, DEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of tax, Acquisition Range, I udhiana he Competent Authority under section 269D of the tax Act, 1061 (42), of 1061). (hereinster referred

tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred he 'said Act'), have reason to believe that the improperty, having a fair market value exceeding 900]- and bearing o. 211, Sector 37-A, situated at Chandigarh

o. 211. Sector 37-A, situated at Chandigarh ore fully described in the Scheduled annexed hereto), a transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the Office of the Registering Officer at gath in October 1981

apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property, and I have reason to that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that sideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of with the object of:-

-) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
-) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- therefore, in pursuance of section 269°C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under subt (1) of Section 269°D of the said Act, to the following s, namely:—

 Shri Ram Sarup Leekha s/o Sh. Kanshi Ram Leekha R/o 286, Sector 33-A, Chandigarli.

(Transferor)

(2) Smt. Dhan Kaur w/o Shii Karnail Singh Manku through Shri Rakha Singh s/o Shii Rulia Singh, R/o House No. 3284, Sector 15-D. (bandigarh.

('fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 211, Sector 37-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1190 of October. 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana,

Date: 25th June 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD[165]81 82 - Whereas I, SUKIIDEV CHAND,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

House No. 325, Sector 21-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Jaspal Kaur Wlo Sh. Bakhsish Singh Rlo Vill. Manswall, Teh. Garshankar Diett. Hosbiarpur,

(2) Mrs. Harwinder Kaur Wlo Sh. Joginder Singh Chawla through her attorney Sh. Parduman Singh Chawla S/o Sh. Karam Singh Chawla R/o House No. 1067. Sector 15-B Chandigarh.

(Transferee)

(3) Central Bank of India House No. 325, Sector 21-A, Chandigmh (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 325, situated in Sector 21-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 1183 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 25th June 1982 Seal:

FORM TINS--- --

MICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD|159|81-82.—Whereas, I, SUKHDEV LAND,

ng the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-1 bearing No. Booth No. 56, Sector 16-D, situated at andigarh

ad more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 18) in the office of the Registering Officer at andigarh on October, 1981

an apparent consideration which is less than the fair rket value of the aforesaid property and I have reason to leve that the fair market value of the property as afored exceeds the apparent consideration therefore by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of affer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presald property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons. namely:—

- (1) Sh. Jai Kishan Dass Aggarwal Slo Sh. Chander Bhan Rlo C-33, North Ghonda through Genl. Power of Attorney Sh. Kuldeep Singh Slo Sh. Narinder Singh Rlo 3247, Sector 16-D. Chandigarh.
- (2) Smt. Jasinder Kaur Wo Shri Kuldeep Singh Ro 3247, Sector 15-D, Chandigarh,

(Transforce)

- (3) 1. M/s. Bakshi Sound Services Booth No. 56, Sector 16-D, Chandigarh.
 - 2. M|s Kuldeep Property & Auto Dealers
 - 3. M/s Chappa Khanna R/o Booth No. 56, Sector 16-D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 56, situated in Sector 16-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1114 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh,

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 25th June 1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhians, the 30th June 1982

Ref. No. CHD[162]81-82.--Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House 3331, situated at Sector 21-D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sarup Singh and Su-jit Singh through Smt. Ram Piarl Rlo 2866, Sector 22C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Teckam Chand Balint EXN Co. No. 2, PWD B&R, Ludhiano. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3331, situated in Sector 21-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1164 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 30th June 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th June 1982

Ref. No. CHD|154|81-82.—Whereas, I, SUKHDEV HAND.

ing the Competent Authority under Section 269B of e Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovle property, having a fair market value exceeding 5. 25,000/- and bearing

o. Plot No. 11P, situated at Sector 28A, Chandigarh and more fully described in the Schedule annexed hereto) s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in office of the Registering Officer Chandigarh in October, 1981

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration, therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between the rtics has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269 D of the said Act to the following sons, namely:—

- (1) Mrs. Rajinder Kaur Dhillon Woo Major Genl. G. S. Dhillon through Sh. Ravi Kumar, SCF No. 33, Sec. 7C, Chandigarh.
- (2) Mrs. Krishna Devi Aggarwal & Mr. Pardeep Kumar R|o House No. 126, Sec. 28A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Plot No. 11-P, Sector 28A, Chandigarh, (The property 25 mentioned in the sale deed No. 1096 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 30th June 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th June 1982

Rcf. No. CHD|153|81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 302, situated at Sector 35A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Wing Commander G. B. Singh (Retd.) Sop. Dr. Narain Singh, Resident of House No. 302, Sec. 35A, Chandigarh.

(Transferor)

 Dr. (Mrs.) Parvethi Bai Nair,
 Dr. (Mrs.) Leila Ramakumar &
 Dr. Keshavan Nair
 all residents of House No. 302, Sec. 35A, Chandigarh,

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 302, Sec. 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1094 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 30th June 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 30th June 1982

Ref. No. CHD[169]81-82.---Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

No. H. No. 105, situated at Sector 18-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Jagdish Kaur Woo Sh. Jasmer Singh Rlo H. No. A-1|67, Safdarjang Enclave New Delhi, H. No. 105, Sector 18-A, Chandigarh.
 - (Transferor)
- (2) Shri Shiv Pal Talwar R|o H. No. 50-51, Sector 27-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovare defined in Chapter XXA of the said publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 105, Sector 18-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registering Deed No. 1220 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 30th June 1982

Seaf:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta, the 25th May 1982

Ref. No. AC-9]Acq.-RIV|Cal|82-83.—Whereas, J, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. , situated at Gobindpur P. S. Sonarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at at Diamond Harbour on 30-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Gouri Prosad Chakraborty Village Gobindpur, P. S. Sonarpur (Dist. 25-Pgs.)

(Transferor)

(2) Sri Abdul Hasan Gharami Vill. Panchghara, P. S. Barulpur, Distt. 24-Parganas.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 49.31 cottabs with building address Mouza Gobindapur, P. S. Sonarpore, Dist. 25-Parganas (Deed No. 6011) of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range IV, Calcutta.

Date: 25-5-1982

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

COMPINATION 130 VVS OF 1900

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC|Acq|1213.—Whereas, I. V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot E-2 & E-1 situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 16-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hanuman Mal, Slo Mahal Chand Chandaliya, Rlo Sardar Sahar, Plo M. K. C. P. Textiles Pali,
 - (Transferor)

(2) M|s Nahta Fabrics(P) Ltd., Pali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-1 & E-2, Industrial Area II Phase, Pali and more fully described in the sale deed registered by D. R., Pali vide Registration No. 39 81 dated 16-10-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. JDR/66/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 71 kanal 8 marla with house situated at Bhilchhpar

described in the Schedule more fully annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Jagadhari in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Shri Tara Singh S/O Shri Dhan Singh Villago & P.O. Bhilchhapar Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh, Charan Kamal Singh, Sewa Singh R/O Bhilchhapar Tch. Jagadhari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 71 kanal 8 marla with house at Bhilchhapar and as more mentioned in the sale deed reg's-tered at No. 4124 dated 1-10-81 with the Sub Registrar, Jagadhari.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-6-82